डाक पंजीयन नं. 99/2021–23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.aadhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

PG,5

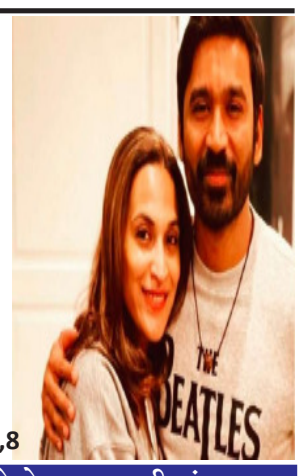

PG,8

सिनेमाःपति धनुष से अलग होने के बाद रजनीकांत की बेटी ऐश्वर्या का हुआ ऐसा हाल

वर्ष -07 अंक -330 | प्रयागराज, गुरूवार 03 फरवरी, 2022 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

संसद में राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर सार्थक बहस करने के बजाय सस्ती-सतही राजनीति

नई दिल्ली । इस पर हैरानी नहीं कि संसद के बजट सत्र में विपक्ष सरकार को घेरने की तैयारी कर रहा है। प्रत्येक सत्र के पूर्व इस तरह की तैयारी अब एक चलन का रूप ले चुकी है। दुर्भाग्य की बात यह है कि यह प्रवृत्ति अब बेलगाम होती दिख रही है। यही कारण है कि संसद के पिछले अनेक सत्र विपक्ष के हंगामे की भेंट चढ़ गए। ऐसा लगता है कि यह सिलसिला इस बजट सत्र में भी कायम रहने वाला है। उचित यह होगा कि विपक्ष और विशेष रूप से कांग्रेस इस पर गंभीरता के साथ आत्ममंथन करे कि शोरशराबे की इस राजनीति से उसे हासिल क्या हो रहा है? यदि राहुल गांधी और उनके सहयोगी यह समझ रहे हैं कि संसद में राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर सार्थक बहस करने के बजाय सतही विषयों पर हंगामा करने से कांग्रेस का भला हो रहा है तो यह सही नहीं। चूंकि कांग्रेस राष्ट्र को दिशा देने में सहायक कोई विमर्श खड़ा कर पाने में बुरी तरह नाकाम है इसीलिए जनता के बीच उसकी प्रतिष्ठा गिरती जा रही है और एक के बाद एक कांग्रेसी नेता दूसरे दलों की ओर रुख कर रहे हैं। विपक्ष जिन मुद्दों को लेकर सरकार को घेरने की तैयारी कर रहा है उनमें से अधिकांश मुद्दे वे हैं जिनके जरिये वह पिछले सत्रों में भी हंगामा करके संसद के समय की बर्बादी कर चुका है। क्या यह उचित नहीं होगा कि विपक्ष इसकी तैयारी पर ज्यादा ध्यान दे कि आगामी बजट पर संसद के दोनों सदनों में कोई ठोस चर्चा कैसे हो। विपक्ष चाहे जो दावा करे, सच यह है भले ही विपक्ष यह संदेश देने की कोशिश कर रहा हो कि वह किसानों की समस्याओं को हल करने के लिए व्यग्र है, लेकिन सच्चाई यह है कि उसने तीनों कृषि कानूनों पर जैसा रवैया अपनाया और ऐसी परिस्थितियां पैदा कीं कि सरकार को अनिच्छापूर्वक इन कानूनों को वापस लेने के लिए बाध्य होना पड़ा, उसके बाद विपक्षी दल यह कहने के अधिकारी नहीं रह जाते कि वे किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए प्रयतन्शील हैं।यह लगभग तय है कि वह समय आएगा जब किसान कृषि कानूनों पर विपक्षी दलों के संकीर्ण रवैये के लिए उन्हें कोसेंगे।

बेरोजगारी से देश के युवा परेशान, कारखाने बंद हो रहे, निवेश भी नहीं आ रहा- कांग्रेस

नई दिल्ली । संसद के बजट सत्र का आज तीसरा दिन है। बीते सत्रों की तरह इस बार बजट सत्र भी हंगामेदार रहने के आसार हैं।

विपक्षी दल सरकार को पेगासस, महंगाई, बेरोजगारी, चीन सीमा विवाद जैसे कई मुद्दों पर घेरने की तैयारी में हैं। बता दें कि कोरोना के चलते राज्यसभा और लोकसभा की कार्यवाही अलग-अलग समय पर आयोजित हो रही हैं। अभी राज्यसभा की कार्यवाही जारी है। राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा चल रही ह - देश में व्यापक बेरोजगारी है। युवा परेशान हैं क्योंकि बड़े कारखाने बंद हो रहे हैं, निवेश नहीं आ रहा है और सरकारी नौकरियों की संख्या घट रही है। 2014 में भाजपा ने हर साल दो करोड़ नौकरियों का वादा किया था। अब तक 15 करोड़ नौकरियां होनी चाहिए थी। बट आपने कितनी नौकरियां दी? इस साल के बजट में अगले पांच सालों के दौरान सिर्फ 60 लाख नौकरियां देने का वादा किया गया।- मल्लिकार्जुन खड़गे, राज्यसभा में विपक्ष के नेता - साल 2019 से विभिनन्योजनाओं के तहत लद्दाख में 1,41,815 नए विकास कार्य/परियोजनाएं और जम्मू-कश्मीर में 17556 विकास कार्य शुरू किए गए- नित्यानंद राय - भारत में आतंकवादी संगठनों की संख्या 42 है। यूएपीए की अनुसूची चार के तहत 31 व्यक्तियों को आतंकवादी के रूप में सूचीबद्ध किया गया हैः केंद्रीय गृह मंत्रालय ने राज्यसभा को बताय - केंद्रीय गृह मंत्रालय ने बताया कि 28 जनवरी, 2022 तक भारत में 16,427 निजी सुरक्षा एजेंसियां सक्रिय थीं। - जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटने के बाद 439 आतंकवादी मारे गए। इस सुरक्षाकर्मी भी मारे गए और 541 आतंकवादी घटनाएं हुईः राज्यसभा में गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय - मलेशिया में भारी बारिश और टोंगा में ज्वालामुखी विस्फोट में अपनी जान गंवाने वाले लोगों की याद में राज्यसभा सदस्यों ने मौन रखा।

गोवा चुनाव उम्मीदवारों ने साइन किया एफिडेविट, अरविंद केजरीवाल बोले 'तो जनता कर सकेगी केस'

पणजी, । दिल्ली की सत्ताधारी आम आदमी पार्टी (आप) भी इस बार गोवा विधानसभा चुनाव में अपना दमखम दिखा रही है। विधानसभा चुनाव को लेकर आप ने बाकी दलों से अलग रणनीति

अपनाई है। दरअसल, दिल्ली के मुख्यमंत्री और आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने अपने उम्मीदवारों से एक एफिडेविट साइन करवाया है। केजरीवाल ने उम्मीदवारों से पार्टी के प्रति वफादार रहने और ईमानदारी से काम करने की शपथ दिलाई है अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को एक प्रेस कांफ्रेंस की। इस प्रेस वार्ता के दौरान उन्होंने उम्मीदवारों से एफिडेविट पर साइन कराया। पीसी में केजरीवाल ने कहा, 'हमारे उम्मीदवारों ने आज एक कानूनी हलफनामे पर हस्ताक्षर किए और पार्टी के प्रति वफादार रहने और निर्वाचित होने पर ईमानदारी से काम करने का संकल्प लिया। हमारे सभी उम्मीदवार ईमानदार हैं, लेकिन मतदाताओं को यह आश्वस्त करने के लिए इस हलफनामे की जरूरत है। केजरीवाल ने आगे बताया कि हमारे उम्मीदवार अपनी-अपनी विधानसभा के लोगों को इसकी फोटोकापी भेजेंगे। उन्होंने कहा कि किसी भी पार्टी के टिकट से नेता चुनाव लड़ते है और फिर जीतने के बाद पार्टी बदल लेते हैं। ये मतदाताओं के साथ धोखा है। इसलिए हम आज एक शपथ पत्र साइन कर रहे हैं, जिसमें ये कहा गया है कि हम जीतने के बाद किसी दूसरी पार्टी में नहीं जाएंगे। इस शपथ पत्र की कापी जनता तक भी पहुंचाई जाएगी। इसमें ये भी लिखा होगा कि अगर जीतने के बाद हम अपनी पार्टी बदलें और काम न करें तो आप हम पर केस कर सकते हैं।

तेलंगाना सीएम केसीआर ने क्रांति के लिए उठाई आवाज, कहा- भारत के संविधान को फिर से लिखने की जरुरत

नई दिल्ली । तेलंगाना के मुख्यमंत्री चंद्रशेखर राव का मंगलवार को एक बड़ा बयान सामने आया।? उन्होंने बताया कि भारत में संविधान को फिर से लिखने की जरूरत है। क्रांतिकारी सोच को बढ़ावा देते हुए कहा कि युवाओं को अपनी जरूरत के लिए ऊपर उठने और लड़ने की आवश्यकता है। सीएम केसीआर इस संबंध में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से मुलाकात करने मुंबई जा रहे हैं।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री चंद्रशेखर राव एक क्रांतिकारी सोच के साथ आगे बढ़ रहे हैं, जिसके चलते उन्होंने भारत का संविधान एक बार फिर से लिखने की बात कह डाली। उन्होंने कहा कि देश में गुणात्मक (नेतृत्व) परिवर्तन की आवश्यकता है, देश में नई सोच, नया संविधान लाया जाना चाहिए।? सीएम केसीआर ने इस संबंध में सभी नेताओं से मिलने और अपनी बात साझा करने की बात कही। बल्कि वह पहले से ही इसकी शुरुआत कर चुके हैं।

भाजपा सांसद तापिर गाओ का आरोप, चीनी सेना ने किया अरुणाचल प्रदेश के लापता युवक को प्रताडित, दिए बिजली के झटके

नई दिल्ली । चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) द्वारा एक युवक का अपहरण कर लिया गया था। लेकिन इस मामले में हस्तक्षेप के बाद युवक को पीपुल्स लिबरेशन आर्मी ने भारत को सौंप दिया। हालांकि अब इस मामले को लेकर अरुणाचल प्रदेश के भाजपा सांसद तापिर गाओ ने बड़ा दावा किया है। तापिर गाओ का आरोप है कि, उन्हें जानकारी मिली है कि, मिराम टैरान नाम के युवक को पीएलए ने पीटा और बिजली के झटके भी दिए। यह एक गंभीर मामला है। मैं सरकार से इस मुद्दे को संबंधित अधिकारियों के सामने उठाने का आग्रह करता हूं वहीं, इस मुद्दे को लेकर भाजपा सांसद का कहना है कि, इस तरह की घटनाएं तब तक होती रहेंगी, जब तक हम सीमा का समाधान नहीं कर लेते। कल वे फायरिंग भी करेंगे, इसलिए भारतीय सेना और चीनी पीएलए के बीच फ्लैग मीटिंग होनी चाहिए। ताकि इस समझौते

के तहत भविष्य में इस तरह की घटना नहीं होनी हो सके। भारत सरकार, आईटीबीपी और सेना को इस मामले को देखना चाहिए। साथ ही उन्होंने, राज्य के तीन श्रमिकों को बीते दिनों अज्ञात संगठन द्वारा बंधक बनाए जाने का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा, अरुणाचल प्रदेश के लोंगडिंग जिले से एक भूमिगत संगठन ने तीन मजदूरों का अपहरण कर लिया। इनमें से एक को रिहा कर दिया गया, लेकिन दो अभी भी कैद में हैं। मैं भारत सरकार से अनुरोध करता हूं कि उन्हें रिहा करने के लिए इस मुद्दे से जल्द से जल्द निपटा जाए। बता दें कि, 18 जनवरी को चीनी सेना ने मिराम टैरान (17) का उस समय अपहरण कर लिया था, जब वह अपने दोस्त के साथ शिकार पर गया था। उसका दोस्त किसी तरह घटनास्थल से भाग निकला और उसने प्राधिकारियों को इसकी जानकारी दी थी। चीनी सेना ने अन्जॉ जिले के किबितू में वाचा-दमाई केंद्र में 27 जनवरी को मिराम को भारतीय सेना को सौंपा था, जहां वह आइसोलेशन में रहा था। हालांकि मिराम के पिता का आरोप है कि, इस पूरी घटना ने उनके बेटे को डरा दिया है ।

किशोरों के बीच दूसरी खुराक के टीकाकरण कवरेज में तेजी लाने के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव ने राज्य सरकारों को लिखा पत्र

नई दिल्ली । भारत में कोरोना वायरस की तीसरी लहर के बीच टीकाकरण अभियान जारी है, जिसमें 15-18 आयु वर्ग की लगभग 60 फीसद आबादी को कोविड-19 वैक्सीन की पहली खुराक दी जा चुकी है, लेकिन इस समूह में टीकाकरण प्रक्रिया में आई धीमी गति को देखते हुए, केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने बुधवार को राज्य सरकारों को एक पत्र लिखा। पत्र में उन्होंने 15-18 वर्ष की आयु वाले किशोर लाभाथिर्यों के बीच दूसरी कोविड-19 खुराक में तेजी लाने का निर्देश दिया है। बता दें कि 15-18 आयु वर्ग के किशोरों को टीका लगाने का अभियान 3 जनवरी को शुरू हुआ था भारत के राष्ट्रीय कोविड-19 टीकाकरण कार्यक्रम को उपलब्ध वैज्ञानिक साक्ष्यों और वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं के आधार पर चरणबद्ध तरीके से खर्च किया गया है और वर्तमान में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी व्यक्ति टीकाकरण के लिए पात्र हैं। भारत सरकार के साथ-साथ राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों के सक्रिय प्रयासों से, हमने कोविद -19 वैक्सीन की 166.68 करोड़ से अधिक खुराक दी है जो दुनिया में सबसे अधिक है। 15-

18 वर्ष आयु वर्ग के लिए कोविड-19 टीकाकरण 3 जनवरी 2022 से शुरू हुआ और अब तक, इस आयु वर्ग में 4.66 करोड़ से अधिक खुराक दी जा चुकी हैं, जिसके परिणामस्वरूप एक महीने से कम समय में 63 फीसद की पहली खुराक कवरेज हुई है इस समूह में कोवैक्सिन (म्र्दर्न्ग्ह) टीके का इस्तेमाल किया गया है, जिसमें प्राथमिक टीकाकरण कार्यक्रम को पूरा करने के लिए दो खुराक के बीच 28 दिनों का अंतराल होता है। इसलिए, 3 जनवरी 2022 को पहली खुराक प्राप्त करने वाले सभी 42 लाख किशोर 31 जनवरी 2022 से दूसरी खुराक लेने योग्य हो गए हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने अपने पत्र में राज्य सरकारों से कहा, कोविड -19 टीकाकरण कार्यक्रम को समय पर पूरा करना, प्राप्तकर्ताओं को टीकों की पूर्ण सुरक्षा प्रदान करना महत्वपूर्ण है। इसलिए, यह जरूरी है कि किशोरों के बीच दूसरी खुराक के कवरेज की समीक्षा आपके राज्य/केंद्र शासित प्रदेश के स्तर पर प्रतिदिन की जाए और इसी तरह की समीक्षा जिला स्तर पर भी की जाए। ण्दर्ग्ह पोर्टल पर दूसरी खुराक के लिए 15-18 वर्ष के आयु वर्ग के लाभाथिर्यों के संबंध में डेटा को तभी पार किया जा सकता है। किशोर आबादी और उनकी देखभाल करने वालों पर केंद्रित एक अनुरूप संचार रणनीति भी शुरू की जानी चाहिए ताकि उन्हें टीकाकरण कार्यक्रम को समय पर पूरा करने और उनके टीके के आत्मविश्वास को बनाए रखने के बारे में जागरूक किया जा सके।

छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में यात्रियों से भरी बस पलटी, तीन लोग घायल

जशपुर छत्तीसगढ़ में जशपुर जिले के दुलदुला इलाके के पास बुधवार सुबह एक भीषण बस दुर्घटना हुई। यात्रियों से भरी बस पलटने से तीन लोग घायल हो गए हैं। बता दें कि बस जशपुर हाईवे से होते हुए रांची जा रही थी। जब सुबह 5 बजे रायडीह पुल के पास यह बस दुर्घटना हुई।? बताया जा रहा है कि बस अनियंत्रित होकर पलटी है। इस भयानक बस दुर्घटना की जानकारी देते हुए जशपुर एसपी विजय अग्रवाल ने बताया कि यात्रियों से भरी बस पलटने के बाद सभी घायलों को तुरंत कुनकुरी अस्पताल ले जाया गया। अधिकारी ने बताया कि बस चालक के खिलाफ मामला दर्ज होगा और उस पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि बस दुर्घटना की पूरी जानकारी के लिए अभी इंतजार करें। बता दें कि रिपोर्टरों से मिली जानकारी के अनुसार, घायल लोगों में एक की हालत काफी गंभीर बताई जा रही है।

केंद्र शासित प्रदेशों को दी गई 167.29 करोड़ से अधिक कोविड-19 वैक्सीन की खुराक

नई दिल्ली कोरोना वायरस के खिलाफ भारत के टीकाकरण अभियान के बीच, बुधवार सुबह 7 बजे तक ण्ध्न्छ३-19 टीकाकरण कवरेज की अनंतिम रिपोर्ट के अनुसार, भारत का कोविड-19 टीकाकरण 167.29 करोड़ का आंकड़ा पार कर गया है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटों में ण्ध्न्छ३-19 टीकों की 57 लाख से अधिक खुराक के प्रशासन के साथ यह आंकड़ा रिपोर्ट किया गया है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने आज एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया, 'आज सुबह 7 बजे तक, पिछले 24 घंटों में 57 लाख (57,42,659) वैक्सीन खुराक के प्रशासन के साथ, भारत का ण्ध्न्छ३-19 टीकाकरण कवरेज 167.29 (1, 67,29,42,707) करोड़ हो गया है। आपको बता दें कि 1,83,99,537 सत्रों (ेग्दहे) के बाद यह आंकड़ा हासिल किया गया है।

कोरोना वायरस की तीसरी लहर के बीच टीकाकरण अभियान के साथ टेस्टिंग तेजी से की जा रही है। वायरस का नया वैरिएंट ओमिक्रोन तेजी से देश भर में फैल

रहा है। मंत्रालय ने कहा, 'देश भर में परीक्षण क्षमता का विस्तार जारी है। पिछले 24 घंटों में कुल 17,42,793 परीक्षण किए गए हैं। भारत ने अब तक 73.24 करोड़ (73,24,39,986) संचयी (म्रुर्सूृ्तगन) परीक्षण किए हैं।' मामलों की संख्या में लगातार हो रही वृद्धि को देखते हुए, भारत में परीक्षण क्षमता को बढ़ाया गया है। वर्तमान में, देश का साप्ताहिक सकारात्मकता दर 14.15 फीसद है और दैनिक सकारात्मकता दर 9.26 फीसद बताया गया है। मंत्रालय ने आज इस बात की सूचना दी कि पिछले 24 घंटों में वायरस से 2,81,109 मरीज ठीक हुए हैं, जिसमें महामारी के बाद से संचयी रोगियों (म्रुर्सूृ्तगन) के ठीक होने की संख्या अब 3,95,11,307 हो गई है, जिसके साथ भारत का रिकवरी रेट 94.91 फीसद हो गया है। पिछले 24 घंटों में 1,61,386 नए ण्ध्न्छ३-19 मामले सामने आए हैं, जबकि वर्तमान में भारत के सक्रिय केसलोड बात की जाए तो 16,21,603 है। बंजर भूमि नहीं प्राकृतिक संपदा है वेटलैंड्स, जलवायु परिवर्तन कम करने में अहम भूमिकाश्रमण झा। पूरी दुनिया 2 फरवरी को विश्व वेटलैंड(ूंृ्टि) यानि आर्द्रभूमि दिवस मनाती है, लेकिन यह पहला मौका है जब विश्व वेटलैंड दिवस संयुक्त राष्ट्र अंतरराष्ट्रीय दिवस के रूप में मनाया जाएगा। इसका श्रेय बीते अगस्त महासभा में पारित एक प्रस्ताव को जाता है।

प्रधान की मनमानी,पंचायत भवन हुआ अप्रासंगिक

(आधुनिक समाचार सेव)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। विकास खंड लालगंज के बासूपुर (मिश्रपुर)गाँव के प्रधान की मनमानी से न केवल पंचायत भवन अप्रासंगिक हो गया है बल्कि यह प्रधान की कमाई का हिस्सा बन गया है इस गाँव का प्रधान अशोक कुमार गुप्ता पंचायत भवन की मरम्मत जानबूझकर नहीं करवा रहा है।इस पंचायत भवन की छत पर वर्षा में लगी काई आज तक नहीं छुड़ाई गई तो इसके शौचालय का दरवाजा भी आज तक नहीं लगवाया गया। पंचायत भवन की इस जर्जर अवस्था को प्रधान जानबूझकर इसलिए नहीं ठीक करवा रहा है क्योंकि इसमें कुछ बाहरी मजदूरों को वह रहने के लिए दे देता है जिससे उसका लाभ हासिल होता है।शासन का आदेश है कि पंचायत भवन को सुसज्जित करके उसमें कुर्सियाँ,कंप्यूटर आदि की व्यवस्था की जाए जिससे ग्राम पंचायत अधिकारी, रोजगार सेवक/ कंप्यूटर ऑपरेटर,परिचारिका आदि यहाँ बैठकर ग्राम पंचायत से संबंधित समस्त कार्यों को शासन की मंशा के अनुरूप निपटाए लेकिन यह ग्राम प्रधान ने इस पंचायत भवन को अप्रासंगिक बना दिया है।यहाँ न तो ग्राम पंचायत अधिकारी बैठता है न प्रधान खुद

यहाँ आकर बैठता है न ही रोजगार सेवक एवं अन्य कर्मचारी यहाँ आते हैं जिससे ग्रामीणों को ग्राम पंचायत अधिकारी एवं प्रधान को चिराग लेकर ढूँढना पड़ता है। ग्रामीणों को मृत्यु प्रमाण पत्र, कुटुंब रजिस्टर, पेंशन आदि के प्रपत्र पर हस्ताक्षर करवाने के लिए प्रधान एवं ग्राम पंचायत अधिकारी को ढूँढना पड़ता है लेकिन वे उपलब्ध नहीं रहते हैं। ग्रामीणों का यह भी आरोप है कि यह प्रधान नल रिबोर एवं मरम्मत के नाम पर ग्राम पंचायत के धन का दुरुपयोग कर रहा है।भले ही नल मरम्मत या बोर की स्थिति में न हो वह पैसा खारिज करने के लिए उन्हें मरम्मत व रिबोर की श्रेणी में प्रस्तावित करके धन खारिज कर रहा है।यही नहीं कुछ ग्रामीणों का आरोप है कि यह प्रधान सामान्य एवं दलित वर्ग के कमजोर एवं निर्धन लोगों को आवास एवं शौचालय देने में आनाकानी करता है।ऐसे प्रधान की कार्यशैली से इस ग्राम पंचायत के लोग तंग हो गए हैं।उनका कहना है कि शासन की योजनाओं से यह प्रधान शासन एवं प्रशासन को ठेंगा दिखाना चाहता है।ग्राम पंचायत में घूमते हुए आवारा पशुओं को भी वह पशुशालाओं तक पहुँचाने में कोई दिलचस्पी नहीं रखता जिससे किसानों की फसलों को भारी नुकसान हो रहा है।अपने को सांसद का करीबी बताते हुए वाह गाँव के लोगों को धौंस देता रहता है कि उसका कुछ बिगड़ने वाला नहीं है।

यूपी के उप मुख्यमंत्री केशव मौर्य को घेरने की समाजवादी पार्टी ने की रखी है पुरी तैयारी

प्रयागराज। कौशांबी जनपद की सिराथू सीट पर समाजवादी पार्टी ने अपना दल कमेरावादी की पल्लवी पटेल को प्रत्याशी बनाकर बड़ा दांव खेला है। सपा ने जातिगत समीकरण को साधने की कोशिश की है। दूसरे शब्दों में कहें तो सपा ने भाजपा उम्मीदवार व डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य को घेरने की पूरी तैयारी कर ली है। बसपा ने यहां से संतोष त्रिपाठी को मैदान में उतारा है। कांग्रेस ने अभी यहां अपना उम्मीदवार घोषित नहीं किया है कौशांबी की सबसे हाट सीट के जातिगत समीकरण पर नजर डालें तो यहां सबसे ज्यादा 65 हजार पासी मतदाता हैं। दूसरे स्थान पर मुस्लिम मतदाता लगभग 50 हजार हैं। इसके अलावा करीब 32 हजार पटेल, 30 हजार यादव, 30 हजार हरिजन, 30 हजार वैश्य, 20 हजार ब्राह्मण, 18 हजार पाल बिरादरी के वोटर हैं। इस तरह से देखें तो सपा ने यहां एमपीवाइ यानी मुस्लिम, पटेल व यादव मतदाताओं की संख्या को देखते हुए यह दांव खेला है। तीनों को मिलाकर देखें तो एक लाख 10 हजार से ज्यादा वोट को सपा अपना मानकर चल रही है। वहीं भाजपा वैश्य, ब्राह्मण के साथ ही अन्य पिछड़ी व दलित मतदाताओं के दम पर जीत का सपना संजोए हुए है। उधर बसपा ब्राह्मण प्रत्याशी उतारकर परंपरागत वोटरों के अलावा ब्राह्मण वोटरों को भी

अपने पाले में करने की कोशिश में है। पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश कुशवाहा भी सिराथू सीट से मैदान में है। वह जन अधिकार पार्टी के बैनर तले चुनाव लड़ रहे हैं। काफी समय तक बसपा में रहे हैं। इसको देखते हुए यह कहा जा सकता है कि सिराथू सीट पर इस बार मुकाबला रोचक होगा। सिराथू सीट से प्रत्याशी घोषित होने के बाद डिप्टी सीएम जब पहली बार क्षेत्र में आए तो कुछ महिलाओं ने उनका जोरदार विरोध किया। नारेबाजी की गई। इसका वीडियो भी इंटरनेट मीडिया पर वायरल हुआ था। इसके बाद भाजपा के एक और नेता जब डिप्टी सीएम का प्रचार करने गए तो उनका भी लोगों ने विरोध किया। केशव 2012 में पहली बार सिराथू विधानसभा से ही विधायक बने थे। 2014 के लोकसभा चुनाव में फूलपुर से सांसद होने पर उन्होंने यहां से त्याग पत्र दे दिया था। चुनावी आंकड़ों पर नजर डालें तो 1951 से लेकर 2017 तक हमेशा यहां रोचक मुकाबला हुआ है। कभी कांग्रेस तो कभी छोटे दल, कभी बसपा, सपा और भाजपा ने यहां पर अपना परचम लहराया है। 2017 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने शीतला प्रसाद को प्रत्याशी बनाया। शीतला 78,621 वोट लेकर विजयी हुए थे। सपा प्रत्याशी वाचस्पति को 52,418 वोट ही मिल पाए थे। 2012 में भाजपा प्रत्याशी केशव प्रसाद मौर्य 57,926 वोट लेकर विधायक बने थे। उन्होंने बसपा प्रत्याशी आनंद मोहन को पराजित किया। आनंद को 48,063 वोट हासिल हुए थे। 2007 में बसपा प्रत्याशी वाचस्पति ने बाजी मारी थी। वाचस्पति को 48,997 मत सपा प्रत्याशी मतेश सोनकर को 26,999 वोट हासिल हुए थे। 2002 में बसपा प्रत्याशी मतेश सोनकर ने जीत हासिल की थी। उन्हें 33,464 वोट मिले थे। मतेश ने सपा प्रत्याशी शैलेंद्र को हराया था। शैलेंद्र को 29,655 वोट मिले थे।

पुलिस ने किया रूट मार्च

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर । शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी मतदान संपन्न कराने हेतू प्रशासन ने कमर कस ली है। थाना प्रभारी अमित कुमार राय के नेतृत्व में

फूलपुर नगर पंचायत के नेहरू बाजार लोचन गंज शुक्लाना सिकंदरा रोड मुबारकपुर रोड बानगी बाजार दुनिया गंज लिलहट दरियापुर कोडापुर कुतुबपुर मैलहन आदि गांव में आर ए एफ के जवानों ने रूट मार्च करके लोगों में शांतिपूर्ण मतदान करने का संदेश दिया। इस बीच क्षेत्र में अवैध रूप से जुआ शराब गांजा आदि की प्रवृति पर रोक लगाने का संदेश भी दिया। मैलहन बाजार में कई जगह वॉल पेंटिंग ना मिटाई जाने पर गृह स्वामी आदि को तुरंत खुरचने पुताई करने हेतु सचेत किया गया। थाना प्रभारी के साथ उपनिरीक्षक अजीत सिंह व माजिद खान ने रूट मार्च की अगुवाई की।

नामांकन के प्रथम दिन कुल 114 लोगो ने पर्चे लियें

विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2022 के तहत नामांकन के प्रथम दिन कुल 114 लोगों ने पर्चे लियें। जिसके अर्न्तगत 254-फाफामऊ विधानसभा सें 09 लोगो ने, 255-सोरॉव विधानसभा से 06 लोगो ने, 256-फूलपुर विधानसभा से 10 लोगो ने, 257-प्रतापपुर विधानसभा से 14 लोगो ने, 258-हण्डिया विधानसभा से 06 लोगो ने, 259-मेजा विधानसभा से 09 लोगो ने, 260-करछना विधानसभा से 04 लोगो ने, 261-इलाहाबाद पश्चिमी विधानसभा से 14 लोगो ने, 262-इलाहाबाद उत्तरी विधानसभा से 15 लोगो ने, 263-इलाहाबाद दक्षिण विधानसभा से 15 लोगो ने, 264-बारा विधानसभा से 09 लोगो ने, 265-कोरांव विधानसभा से 03 लोगो ने पर्चे लियें।

प्रतापपुर एआईएम प्रत्याशी मंजू मौर्य ने क्षेत्र में जनसंपर्क किया

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर विधान सभा 257 प्रतापपुर से एआईएम की प्रत्याक्षी

मंजू मंजू मौर्य ने छेत्र के भोपतपुर उतरांव दसेर चफला काजीपुर गांव में जाकर घर घर अपने समर्थन में वोट मांगा जनसम्पर्क के दौरान मंजू मौर्य ने कहा कि अब तक जिसकी भी सरकार आई किसी ने जनता के लिए कुछ भी नही किया उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में जबसे भाजपा की सरकार आई है विकास के नाम पर कोई भी काम नही किया भाजपा सिर्फ जुमलेबाजी की सरकार बनकर रह गई है इस सरकार में हत्या रेप लूट जैसी बहुत घटनायें हुई है बेरोजगार नौजवानों के ऊपर पुलिस ने बर्बरता पूर्वक ढंग से लाज से निकाल निकालकर लाठीचार्ज करके पीटने का काम किया है

टूटी पुलिया की बैरीकेटिंग ट्रकों ने रौद डाली

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर । लोक निर्माण विभाग खंड 4 की मुबारकपुर रोड पर

कुतुबपुर गांव के सामने सौरहा माइनर की पुलिया में होल हो जाने पर ग्रामीणों ने मिट्टी भरी बोरी से टूटे भाग को बैरिकेडिंग कर दिया था। जिसे ओवरलोड ट्रकों ने रात के कोहरे में रौद डाला। अब टूटी सड़क व खुले होल से होकर वाहन दौड़ रहे हैं। जिससे खतरा बलवती हो गया है। इस ओर विभाग चुप्पी साधे बैठा है और किसी बड़े अनहोनी का इंतजार कर रहा है।

गाँव में कनेक्शन के नाम पर लूट, फर्जी कनेक्शन रशीद देने का मामला, उपभोक्ता परेशान

कनेक्शन के बावजूद काट दी गई केबिल

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर प्रयागराज। फूलपुर तहसील अंतर्गत क्षेत्र स्थित तुलापुर सिकंदरा विजली घर में कार्यरत संविदा कर्मी सगीर अहमद के द्वारा पतुलकी गाँव निवासिनी उपभोक्ता

शाहजहाँ पतनी मो0 हबीब ने दिनाँक 02/08/2020 को कनेक्शन ली हैं। मीटर भी लगा हुआ है। बावजूद रविवार दिनांक 30 जनवरी को तुलापुर विजली घर से आए संविदा कर्मियों के द्वारा बिजली कनेक्शन रशीद मांगी गयी। तो उपभोक्ता ने रशीद ले आकर दिखाई तो विजली कर्मियों के द्वारा चेक करने पर फर्जी रशीद बताते हुए फिर से कनेक्शन कराने की बात कही गयी। और कनेक्शन ना होने के कारण केबिल काट कर उठा ले गए।फर्जी संविदा कर्मियों के द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में कनेक्शन के नाम पर तीन से चार हजार की वसूली करने के बावजूद फर्जी कनेक्शन के नाम पर रशीद काटकर देकर चले जाते हैं। बाद में उपभोक्ता के घर पहुँच कर केबल काट कर उठा ले जाना, एफआईआर कराने की धमकी के नाम पर धन उगाही करना। इन लोगों का पेशा बन गया है। ऐसे फर्जी कार्य करने वाले कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही होनी चाहिए। निष्पक्ष जाँच, ईमानदारी की पहचान।

उप मुख्यमंत्री केशव मौर्य के खिलाफ उतरीं अनुप्रिया पटेल की बहन पल्लवी

प्रयागराज। लंबे इंतजार के बाद समाजवादी पार्टी ने कौशांबी की सिराथू सीट पर उम्मीदवार की घोषणा कर दी है। यहां से अपना दल (कमेरावादी) की पल्लवी पटेल को मैदान में उतारा गया है। यह हाट सीट सपा और अपना दल कमेरावादी के गठबंधन के खाते में गई है। यहां से उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य भाजपा के टिकट से चुनावी मैदान में हैं। अब देखना यह है कि सिराथू की जनता किसके साथ चलती है। सपा और बसपा ने भी अपने पत्ते खोल दिए हैं। बसपा ने यहां से संतोष कुमार त्रिपाठी को अपना उम्मीदवार बनाया है। सिराथू विधान सभा सीट पर पल्लवी पटेल के आने से मुकाबला रोचक हो गया है। खास बात यह है कि पल्लवी अपना दल एस की अनुप्रिया पटेल की छोटी बहन हैं। अनुप्रिया भाजपा के खेमे में हैं। वहीं पल्लवी पटेल सपा के साथ कदम से कदम मिलाकर चल रही हैं। पल्लवी पटेल पांच फरवरी को अपना पर्चा दाखिल करेंगी। प्रयागराज में फूलपुर के पूर्व सांसद नागेंद्र पटेल ने समाजवादी पार्टी को छोड़कर अपना दल एस का दामन थाम लिया है। वह लखनऊ में पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों की मौजूदगी में अपना दल एस की सदस्यता ली। विधान सभा सीट से वह चुनाव मैदान में ताल ठोक सकते हैं। सूत्रों का कहना है कि फूलपुर विधान सभा सीट से उन्हें सपा से टिकट मिलने की उम्मीद थी लेकिन वहां से निराशा हाथ लगने के बाद वह अपना दल एस के पाले में चले आए।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

भारत सरकार की कौशल विकास योजना में अगस्त 2021 से प्रारम्भ हो रहे सत्र के लिए निम्नलिखित ट्रेडों में दाखिले के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं। ट्रेड प्रवेश योग्यता तथा प्रस्तुत विभिन्न पाठ्यक्रमों की अवधि इस प्रकार है-

क0सं0	ट्रेड का नाम	ट्रेड की अवधि	योग्यता
1.	कोपा	1 वर्ष	12वीं पास
2.	फिटर	2 वर्ष	10वीं पास
3.	बेसिक कम्प्युटिंग	6 माह	साक्षर
4.	डाटा इंट्री ऑपरेटर	6 माह	10वीं पास
5.	फायर प्रिवेन्शन एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6 माह	8वीं पास
6.	सेक्योरिटी सर्विस	6 माह	8वीं पास
7.	कम्प्यूटर हार्डवेयर एण्ड एसेम्बली	1 वर्ष	10वीं पास
8.	सर्टिफिकेट इन कम्प्युटर एप्लीकेशन	1 वर्ष	10वीं पास
9.	इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन्स	1 वर्ष	8वीं पास
10.	रेफरिजरेटर एण्ड एयर कन्डिसनिंग	1 वर्ष	8वीं पास
11.	योगा असिस्टेन्ट	1 वर्ष	10वीं पास
12.	वेल्डिंग टेक्नोलॉजी	1 वर्ष	8वीं पास
13.	कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स	1 वर्ष	10वीं पास

1.प्रमाण पत्रः- सफल प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाणपत्र दिए जाते है, जो केंन्द्रीय सरकार एवं राज्य सरकार के अधीनस्थ पद एवं सेवा में भर्ती के लिए मान्य है। **2.चयन की प्रक्रियाः-** इस वर्ष कोविड-19 महामारी के चलते सभी सीटों पर दाखिले पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर किये जायेंगे। **3.आयु सीमाः-** उम्मीदवारों की आयु 1 अगस्त 2021 को न्यूनतम 14 वर्ष से अधिक होनी चाहिए। **4.आवेदन कैसे करेः-** आवेदन फॉर्म संस्थान की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन भरे जा सकते है तथा संस्थान के कार्यालय से निःशुल्क भी प्राप्त किया जा सकता है। **5.**आवेदन फॉर्म भरते समय पंजीकरण शुल्क रूपये 2665/- का भी देय होगा। **6.कक्षायें/उपस्थितिः-** छात्रों की उपस्थिति में दो भाग शामिल है- थ्योरी क्लास और ट्रेनिंग इस वर्ष कोविड-19 स्थिति के कारण सभी छात्र संस्थान द्वारा आयोजित ऑनलाइन कक्षाओं में भाग लेंगे तथा उसके लिए संस्थान में छात्रों की भौतिक उपस्थिती की अनिवार्यता नहीं है, जब तक कोविड-19 की वर्तमान स्थिति समाप्त नहीं हो जाती है। प्रशिक्षण के लिए छात्रो को प्रधानाचार्य की अनूमति के साथ, अपने सम्बंधित मूल स्थानों पर प्रशिक्षण पूरा करने की अनुमति है। परीक्षा के समय छात्रों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। **7.छात्रवृत्तिः-** दाखिले के उपरांत शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए सभी ट्रेडों में आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी, जिनके पास आय प्रमाण पत्र एवं सम्बन्धित दस्तावेज मौजूद हो वे सभी भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन कर सकते है। **8.** अधिक जानकारी के लिए संस्थान की वेबसाइटः- **www.nainiiti.com** देखें। **9.दाखिले की अंतिम तिथिः-** 15 फरवरी 2022

सम्पर्क सूत्र :- 0532-2695959, 9415608710, 9807278552, 9415608790

बलिया के रसड़ा में खूनी संघर्ष, फायरिंग में युवक गंभीर,16 लोगों के खिलाफ तहरीर

(आधुनिक समाचार सेवा)
शीतल निर्भीक/लल्लन बागा

बलिया। जिले के रसड़ा कोतवाली क्षेत्र में मंगलवार सुबह सड़क किनारे वाहन खड़ा करने के विवाद में कुछ लोगों ने हमला कर दिया। इस दौरान तमंचे से फायरिंग की गई, जिसमें गोली लगने से एक व्यक्ति घायल हो गया। पीड़ित ने थाने में तहरीर देकर मुकदमा दर्ज कराया है। मिली जानकारी के अनुसार रसड़ा कोतवाली क्षेत्र के नगहर गांव के राजभर बस्ती में मंगलवार को दो पक्षों के बीच खूनी संघर्ष हो गया। मारपीट में जमकर लाठियां चलीं, दूसरी तरफ फायरिंग में सुरेश राजभर गंभीर रूप से घायल हो गया जबकि छांगुर राजभर, संगीता राजभर, छोटू राजभर व सुरसती देवी लाठी से जख्मी हो गए। वारदात के दौरान घायल लोगों को अस्पताल ले जाने के साथ ही पुलिस को भी वारदात की सूचना दी गई और पुलिस ने मामले की जांच पड़ताल करने के साथ ही मौके का मुआयना भी किया। बताया जाता है कि घायलों को रसड़ा अस्पताल पहुंचाया गया, जहां गोली से घायल सुरेश राजभर को वाराणसी रेफर कर दिया गया है। रमेश राजभर की पतनी शारदा देवी की तेरहवीं थी। जिसमें काफी संख्या में लोग मौजूद थे। दरवाजे के बाहर पार्किंग में कई गाड़ियां खड़ी थी। रास्ते से गाड़ी हटाने को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हो गया। देर तक सुलह समझौते के बाद मामला शांत हुआ लेकिन

मंगलवार को एक पक्ष लाठी के लोग लाठी-डंडा और असलहा लेकर रमेश के दरवाजे पर पहुंच गए, जहां दोनों पक्ष भिड़ गए। वहीं वारदात के दौरान जमकर पत्थरबाजी के बीच लाठियां भी आपस में चलने लगीं। अभी मारपीट हो रही थी कि इसी बीच कट्टे से फायर कर दिया गया, जिससे गोली सुरेश के पेट और सीने में लगी और वह घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा। सुरेश को गोली लगते देख हमलावर वहां से भाग खड़े हुए। प्रभारी निरीक्षक राजीव सिंह सहित भारी संख्या में पुलिस फोर्स मौके पर पहुंच गई और घायलों को रसड़ा अस्पताल पहुंचाया गया। सूचना पर अपर पुलिस अधीक्षक विजय त्रिपाठी भी घटना स्थल पर पहुंच गए और पीड़ित पक्ष से वार्ता कर हर संभव न्याय का घायल सुरेश राजभर के पुत्र छोटू राजभर ने कोतवाली में 16 लोगों के खिलाफ नामजद तहरीर दिया है। पुलिस कार्रवाई में जुटी है।

बलिया मे कोरोना संक्रमण की भयावहता बीच प्रधानाध्यापिका अन्नू सिंह की खास धार्मिक अपील, 'चलों चले

(आधुनिक समाचार सेवा)
शीतल निर्भीक ब्यूरो

बलिया। प्रकृति एक ऐसा शब्द, जो मन-मस्तिष्क में एक अजीब सा उमंग भर जाता है। कानों में चंचल हवाओं का शोर, चिड़ियों की चहचहाने की आवाज मधुर संगीत सा लगती है। रंगा-रंग फूलों का चित्रण उनकी मंत्रमुग्ध खुश्बू, आमों की मंजरियों की मीठी सी महक शरीर के साथ-साथ आत्मा को भी नयापन से भर देती है। वर्तमान परिवेश में चाहे हम कितने भी एशो-आराम से रह ले, परंतु जीवन को जीवंत करने का असली मजा हमें प्रकृति की गोद में ही मिलती है। प्रकृति ईश्वर द्वारा बनाई गई धरती की साजोसज्जा है, जिसे उसने हमारी जरूरतों के अनुसार बनाया। लेकिन दुर्भाग्यवश हम मानव उसे अस्वीकार करते रहे। नित नए प्रयोग करते चले गए, जिसका दुष्परिणाम आज खुद मानव ही भुगत रहा है। वर्तमान में ग्लोबल वार्मिंग बढ़ता चला जा रहा है। इस बात का हमें अंदेशा नहीं कि हम मानव सुख-सुविधा के नाम पर दुःख की बहुत बड़ी खाई तैयार कर रहे हैं। इसका जीता जागता उदाहरण कोरोना महामारी है। एक ऐसी संक्रामक बीमारी जो प्रतिदिन जाने कितने जिंदगियों को अपने आगोश में ले रही है। इस बीमारी से लड़ने के लिए जिस रोग प्रतिरोधक शक्ति को बढ़ाने की बात कहीं जा रही है, उसे धरती के अवतरण के साथ ही प्रकृति ने हमें सिखाया था। परंतु जैसे-जैसे समय बीतता गया, हम मानव उसकी उपेक्षा करते चले गए। प्रकृति को अनदेखा कर कृत्रिम आबोहवा में मानव निर्मित परिवेश में सुकून ढूंढने लगे। सुखी जीवन का एक झूठा आवरण हमें सत्यता प्रतीत होने लगा। वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए मुझे बहुत दुख हो रहा है कि ऑक्सीजन की कमी से धरती पर लाशें बिछ गई। अपनों की जिंदगी के लिए हम ऑक्सीजन ढूंढ रहे

है। खरीद रहे है, जबकि प्रकृति ने इस मूल्यवान चीज के लिए हमें थोड़ा ही करने कहा और हम असफल हो गए। ना स्वयं किए और ना ही जो किया, उसका सहयोग किये। मानव अपने सुख के लिए हमेशा प्रकृति को अस्वीकार करता रहा है। जिस ऑक्सीजन के लिए हम तिल तेल मर रहे हैं, अगर पेड़-पौधों से हम दोस्ती कर ले तो शायद फिर से हमारी धरती का कायाकल्प हो जाए। हम सोचते हैं कि इतने तो पेड़ पौधे है, परंतु नहीं। हर एक मनुष्य पर कम से कम एक पेड़ होना चाहिए। मित्रों आज एवं भावी स्थितियों से निपटने के लिए हमें पुनः प्रकृति की शरण में जाना होगा। उसके दिए हर चीज को स्वीकार करना होगा। मानव निर्मित परिवेश से निकलकर अपने सुकृत्य से वायुमंडल को जीवंत करना होगा। जिस प्रकार तुलसी, नीम, पीपल, बरगद को हमने पूजनीय माना है, वैसे ही हर वृक्ष में ईश्वर की छवि को देखना होगा। यह वृक्ष मात्र एक वृक्ष नहीं, नीलकंठ का स्वरूप है, जो मानव द्वारा तैयार किए गए हर विष को पीकर जीवन दान देता है। यह पेड़ हमारे रक्षक हैं। हमें भी इनकी रक्षा की जिम्मेदारी उठानी चाहिए। अगर जरूरत वश कहीं एक पेड़ कटता भी है तो हम खाली जगहों पर कम से कम दो पेड़ लगाएं। यही वह वरदान है, जो हमें जीवनदान दे सकता है। अंततः यही कहूंगी दोस्तों अगर जीना है तो क्षमा याचना कर पुनः चलो प्रकृति की ओर चले!-अन्नू सिंह प्रधानाध्यापिका-प्राथमिक विद्यालय बघेजी शिक्षा क्षेत्र-हनुमानगंज,बलिया

मतगणना स्थल की बैरिकेडिग का बनाएं ब्लू प्रिट

गाजीपुरः जिला निर्वाचन अधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने नवीन मंडी स्थल में स्ट्रांग रूम तथा मतगणना स्थल का स्थलीय निरीक्षण किया। गणना स्थल पर लगाए जाने पर बैरिकेडिग का ब्लू प्रिट बनाकर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। मंडी परिषद के अधिकारियों को परिसर मे बेतरतीब ढंग से लगाए गए दुकानों को तत्काल हटाने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान स्ट्रांग रूम की साफ-सफाई, प्रकाश, टूटे-फूटे फर्श एवं छत की मरम्मत, जर्जर तारो को बदलने तथा दिवालो की पेन्टिग समय से कराने को कहा। अपर जिलाधिकारी भू-राजस्व, उपजिलाधिकारी सदर एवं अन्य अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे गाजीपुरः जिलापूर्ति विभाग की ओर से गरीबों को फरवरी माह के राशन के प्रथम चरण का वितरण दो फरवरी से 15 फरवरी तक किया जाएगा। जिलापूर्ति अधिकारी कुमार निर्मलेंदु ने बताया कि इस दौरान अंत्योदय के लाभाथिर्यों को 35 किग्रा व पात्र गृहस्थी के लाभाथिर्यों को प्रति यूनिट पांच किलों राशन का वितरण किया जाएगा। इसके साथ प्रत्येक लाभार्थी को एक किलो नमक, चना व खादय तेल भी वितररित किया जाएगा।

ट्रेन में छूटे बैग को आरपीएफ ने यात्री को सौंपा

दिलदारनगर (गाजीपुर) : स्थानीय आरपीएफ ने सोमवार को अप भागलपुर लोकमान्य तिलक एक्सप्रेस ट्रेन के जनरल कोच संख्या डी एक में यात्रा के दौरान छूटे पिट्ठू बैग को यात्री को सौंप दिया। आरपीएफ प्रभारी बाल गंगाधर ने बताया कि सोमवार की ट्रेन संख्या 12335 अप भागलपुर लोकमान्य तिलक एक्सप्रेस ट्रेन के जनरल कोच संख्या डी एक में यात्री का एक बैग छूटने की सूचना पर आरक्षी श्याम सुंदर यादव ने गाड़ी को अटेंड कर कोच से पिठू बैग को सुरक्षित उतार लिया। आरपीएफ ने बिहार के बक्सर जनपद के नावानगर थाना के केसठ निवासी यात्री बिट्ठू कुमार को बैग मिलने की सूचना दी। पोस्ट पर पहुंचे यात्री ने बैग की पहचान की। बैग में शैक्षणिक दस्तावेज सहित कपड़े व महत्वपूर्ण दस्तावेज थे। गहमर(गाजीपर): कोचिग से पढ़कर मंगलवार को घर लौट रहे छात्र आशीष सिंह (19) पर छह युवकों ने पकड़ीतर बाजार में हमला कर सिर फोड़कर दिया। स्थानीय लोगों के विरोध पर हमलावर फरार हो गए। घायल छात्र की तहरीर पर तीन नामजद व अन्य अज्ञात के खिलाफ मुकदमा किया गया है। पट्टी संभलराव निवासी आशीष सिंह पुत्र अमरनाथ सिह गांव के ही पकड़ीतर बाजार स्थित कोचिग में पढ़ते हैं। मंगलवार को 11 बजे कोचिग के बाद वह घर जा रहे थे। रास्ते में पहले से खडे़ युवकों ने छात्र की पिटाई की, जिससे वह गंभीर घायल हो गए। प्रभारी निरीक्षक त्रिवेणी लाल सेन ने बताया कि मुकदमा दर्जकर कार्रवाई की जा रही है। बच्चों के विवाद में मारपीट,चार घाय गहमर (गाजीपर): कोतवाली थाना क्षेत्र के देवल गांव में सोमवार की रात बच्चों के विवाद में पड़ोसी ने स्वजन के साथ शिवकुमारी देवी पतने बसगीत राम के घर हमला कर दिया।

अवैध शस्त्र फैक्ट्री का पर्दाफाश, 12 तमंचा व कारतूस बरामद

आजमगढ़ : सिधारी थाना क्षेत्र के हथिया गांव में तमसा नदी किनारे सरपत व कुश की आड़ में चल रहे अवैध शस्त्र फैक्ट्री का राजफाश करते हुए पुलिस ने मंगलवार की

भोर में दो आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। मौके से 12 निर्मित व 14 अर्धनिर्मित तमंचा, कारतूस व शस्त्र बनाने के उपकरण बरामद किया। अपर पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र लाल ने पुलिस लाइन सभागार में कार्रवाई की जानकारी देते हुए बताया कि आरोपितों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई के बाद संपत्ति जब्त की जाएगी। राजफाश करने वाली पुलिस टीम के लिए इनाम की संस्तुति की गई है। मूसेपुर चौकी प्रभारी कमल नयन दुबे, एसआइ सुनील कुमार सरोज सोमवार आधी रात के बाद हाइडिल चौराहे पर चेकिग कर रहे थे कि ग्राम हथिया में अवैध शस्त्र फैक्ट्री के बारे में जानकारी मिली तो घेराबंदी करके शस्त्र निर्माण कर रहे जयप्रकाश सिंह उर्फ पासे सिंह ग्राम ममरखापुर शहर कोतवाली व राजेश रौनापार थाना क्षेत्र के रोशनगंज देवारा को गिरफ्तार कर लिया। आरोपितों ने बताया कि हम लोगों ने मुबारकपुर थाने के चर्चित गांव बम्हौर में शस्त्र बनाने का काम सीखे थे। चुनाव में डिमांड के ष्टिगत तमंचा बनाने की बात स्वीकारी। अगिन्कांड में जलकर नष्ट हुई गृहस्थी रौनापार (आजमगढ़): जीयनपुर कोतवाली क्षेत्र के जोगियाबीर मेहदीपट्टी गांव में सोमवार की रात शॉर्ट सर्किट से लगी आग से पूरी गृहस्थी जलकर राख हो गई। पीड़ित के मुताबिक आगजनी में लगभग पांच लाख लाख रुपये की संपत्ति जलकर नष्ट हो गई। सोमवार की रात में रामअवध पुत्र शिव बदन राजभर निवासी जोगियाविर मेहंदी पट्टी के रिहायशी मंडई में किन्हीं कारणों से आग लगी तो देखते पूरी लपटें उठनी लगी। रात में आग लगी तो बचाव कार्य होने में विलंब हो गया। दमकल को भी सूचना दी गई, पर दमकल मौके पर नहीं पहुंच पाया। अगिन्कांड में रजाई, गद्दा,चौकी, राशन, मोटरसाइकिल, चालीस हजार रुपया नगद सहित गृहस्थी का सारा सामान जलकर राख हो गया। ग्रामीण काफी मशक्कत के बाद किसी तरह से आग पर काबू पा सके।

गरीबों को राशन वितरण आज से

गाजीपुरः जिलापूर्ति विभाग की ओर से गरीबों को फरवरी माह के राशन के प्रथम चरण का वितरण दो फरवरी से 15 फरवरी तक किया जाएगा। जिलापूर्ति अधिकारी कुमार निर्मलेंदु ने बताया कि इस दौरान अंत्योदय के लाभाथिर्यों को 35 किग्रा व पात्र गृहस्थी के लाभाथिर्यों को प्रति यूनिट पांच किलों राशन का वितरण किया जाएगा। इसके साथ प्रत्येक लाभार्थी को एक किलो नमक, चना व खादय तेल भी वितररित किया जाएगा।

तीन फरवरी से प्रशिक्षित होंगे कार्मिक

गाजीपुरः विधान सभा सामान्य निर्वाचन-2022 के मतदान को संपनन कराने के लिए कार्मिकों (पीठासीन अधिकारी, मतदान अधिकारी-प्रथम) का प्रशिक्षण तीन से आठ फरवरी तक नौ से शाम छह बजे तक दो पालियों में सनतकोत्तर महाविद्यालय गोराबाजार में कराया जाएगा। प्रथम पाली में कार्मिकों को दस्तावेज से संबंधित प्रशिक्षण दिया जाएगा। वहीं दूसरी पाली में ईवीएम संचालन से लेकर उसे जोड़ने तक का प्रशिक्षण दिया जाएग प्रशिक्षण की तैयारी को लेकर जिला निर्वाचन अधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने प्रशिक्षण स्थल का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान संबंधितों को प्रशिक्षण की व्यवस्थाओं को पूरा कराने को कहा। निरीक्षण के दौरान अधिशासी अधिकारी नगर पालिका को प्रशिक्षण स्थल पर परिसर के अन्दर व बाहर साफ-सफाई, फागिग, पानी टैंकर की व्यवस्था कराने को कहा। इसी के साथ प्रशिक्षण स्थल पर प्रशिक्षण प्रांरभ होने से दो घंटे पूर्व प्रतिदिन प्रत्येक कक्षों का सेनिटाइजेशन तथा मोबाईल शौचालय उपलब्ध कराने को कहा। प्रशिक्षण के लिए कक्षों में एक-एक माइक व स्पीकर की व्यवस्था कराने का निर्देश दिया। कंट्रोल रूम में एक कार्डलेस माइक तथा आवश्यकतानुसार हार्न व सांउड बाक्स की व्यवस्था कराने का निर्देश दिया। सीडीओ श्रीप्रकाश गुप्ता, एडीएम अरुण कुमार सिंह, हेमंत राव बेसिक शिक्षा अधिकारी, कुमार अमरेंद्र जिला पंचायत राज अधिकारी एवं अन्य अधिकारी तथा कर्मचारी शामिल रहे।

हादसों में एक की मौत, थानाध्यक्ष सहित 12 घायल

गाजीपुर : जिले में मंगलवार को तीन अलग-अलग सड़क हादसों में एक की मौत हो गई, वहीं महराजगंज जिले के बृजमनगंज थानाध्यक्ष सहित कुल 12 लोग घायल हो गए। ये हादसे गाजीपुर-वाराणसी फोरलेन पर जंगीपुर के शेखपुर के पास, पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर कासिमाबाद के धरवारकला के पास व टीबी रोड पर सुहवल के महादेवा पेट्रोल पंप के पास हादसा हुए। फोरलेन पर हुए हादसे में पांच की हालत गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने वाराणसी के लिए रेफर कर दिय जंगीपुर : अर्टिगा चला रहे बिरनो के मठिया निवासी श्याम सुंदर प्रजापति पेट्रोल लेने के लिए गलत साइड से हाईवे पर गाड़ी चला रहे थे, तभी वाराणसी की तरफ से आ रही ब्रेजा कार से जोरदार टक्कर हो गई। इसमें ब्रेजा कार चला रहे मुबारक अली, मिटू सिंह तथा महाराजगंज जनपद के बृजमनगंज थानाध्यक्ष देवेंद्र सिंह घायल हो गए। वहीं अर्टिगा में सवार सरिता, सुशीला, निशा, नीतू गंभीर रूप से घायल हो गईं। आसपास के लोगों ने आनन-फानन उन्हें जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज चल रहा है। इलाज के दौरान अर्टिका चालक श्याम सुंदर प्रजापति की मौत हो गई। बृजमनगंज के थानाध्यक्ष व बनारस के चौबेपुर निवासी देवेंद्र सिंह ने बताया कि वह छुट्टी पर अपने घर आए थे और महाराजगंज जा रहे थे। मृतक श्याम सुंदर के रिश्तेदार राजन प्रजापति ने बताया कि श्याम सुंदर मध्यप्रदेश से अपने गांव आए हुए थे और कान के इलाज के लिए जंगीपुर से आ रहे थे। सात घायलों में दो को छोड़ सभी की हालत गंभीर है। कासिमाबाद : बिहार के पटना शहर के रहने वाले इरफान व उनका कर्मचारी आकाश कुमार आजमगढ़ आए थे। वहां से मंगलवार को पटना जा रहे थे। इरफान के अनुसार अचानक कार का ब्रेक जाम हो गया और पलट गई। दुर्घटना में आकाश को गंभीर चोट आई। कोतवाल रामाश्रय राय ने बताया की घायलों का इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चल रहा है। सभी लोग ठीक है। वाहन की टक्कर से बाइक सवार तीन घायल रेवतीपुर : सुहवल के युवराजपुर निवासी आकाश सिंह अपनी बड़ी मां मंजू देवी को एंटी बीज का इंजेक्शन लगवाने के लिए दोस्त सत्येंद्र चौधरी के साथ रेवतीपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जा रहा था। महादेवा पेट्रोल पंप के पास रेवतीपुर की तरफ से आ रही तेज रफ्तार चार पहिया वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। जिससे बाइक सवार तीनों लोग दूर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से सभी को जिला अस्पताल भिजवाया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

सारनाथ थाने की पुलिस चौकी पर तैनात दारोगा शारीरिक शोषण में निलंबित, पुलिस कमिश्नर ने की कार्रवाई

वाराणसी, । शादी का झांसा देकर एक युवती के शारीरिक शोषण करने का मामला सामने आने पर पुलिस आयुक्त ए सतीश गणेश ने आरोपित दारोगा को निलंबित कर दिया। पीड़िता ने सारनाथ थाना क्षेत्र में तैनात चौकी प्रभारी विनय तिवारी पर आरोप लगाते हुए अपर पुलिस आयुक्त (अपराध व मुख्यालय) सुभाष चंद्र दुबे को प्रार्थना पत्र दिया है। पीड़िता ने बताया कि अपर पुलिस आयुक्त ने जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया था। महिला ने बताया कि वह इतनी डरी हुई है कि घर से बाहर निकलने में काफी सावधानी बरतती है। चंदौली निवासी पीड़ि?ता के अनुसार करीब नौ माह पहले सुंदरपुर स्थित एक कालेज में लैब टेकनेशियन के कोर्स में अपना दाखिला रद कराने के दौरान उसकी मुलाकात लंका थाने की सुंदरपुर चौकी के तत्कालीन चौकी प्रभारी से हुई थी। वर्तमान में वह दारोगा सारनाथ थाने की एक चौकी का प्रभारी है। जान पहचान होने के बाद बातचीत बढ़ी तो वे एक-दूसरे के करीब आते चले गए। बातचीत के सिलसिले में ही दारोगा ने उसे बताया कि उसकी पतने से तलाक का मुकदमा न्यायालय में विचाराधीन है। तलाक होते ही वह उससे शादी कर लेगा। इस बीच दारोगा उसका शारीरिक शोषण करता रहा। बाद में वह उससे शादी की बात करने पर मिलना तो दूर बातचीत भी करना बंद कर दिया। इतना ही नहीं शादी की बात या कही शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी देता है। अपील की है।

वाराणसी में पकड़ी गई भारी मात्रा में करोड़ो की नकली कोरोना वैक्सीन

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रनव

वाराणसी । में बड़े पैमाने पर पकड़ी गई नकली कोविड वैक्सीन एसटीएफ की कार्रवाई नकली कोविडशील्ड और के साथ नकली कोविड टेस्टिंग किट बड़े पैमाने पर पकड़ी गई लैंका थाना क्षेत्र के रोहित नगर से पकड़ी गई नकली कोविड शील्ड वैक्सीन 5 लोगों को भी किया गया गिरफ्तार कई राज्यो में फैला है नेटवर्क पकड़े गए सामान की कीमत 4 करोड़ वाराणसी दिनांक 2/2/2022 को नकली कोविशील्ड एवं ब्दन् वैक्सीन एवं नकली कोविड टेस्टिंग किट वृहद पैमाने पर बनाए जाने के इनपुट के आधार पर एसटीएफ फील्ड यूनिट वाराणसी द्वारा रोहित नगर थाना लंका जनपद वाराणसी से अभियुक्त 1.राकेश थवानी पुत्र स्व हरी किशन निवासी फ्लैट न 31 धनश्री कॉम्प्लेक्स सिद्दीगिरी बाग वाराणसी 2. संदीप शर्मा पुत्र सुरेश शर्मा निवासी सीके 1/13 पठानी टोला चौक वाराणसी 3. लक्ष्य जावा पुत्र रमेश कुमार जावा निवासी ई 7/4 3 फ्लोर मालवीय नगर नई दिल्ली 4. शमशेर पुत्र गोपाल निवासी नागपुर रसड़ा बलिया 5. अरुणेश विश्वकर्मा पुत्र मदन विश्वकर्मा निवासी डी 65/338 बौलिया लहरातरा वाराणसी को गिरफ्तार कर नकली टेस्टिंग किट, नकली कोविशील्ड वैक्सीन, नकली जाइकोव डी वैक्सीन, पैकिंग मशीन, खाली वायल, स्वाब स्टिक बरामद किया गया। पूछताछ पर राकेश थवानी ने बताया कि वह संदीप शर्मा , अरुणेश विश्वकर्मा व शमशेर के साथ मिलकर नकली वैक्सीन व टेस्टिंग किट बनाता था व लक्ष्य जावा को सप्लाई करता था जो अपने नेटवर्क के द्वारा अलग अलग राज्यों में सप्लाई करता था। अभियुक्तगण से पूछताछ कर उनके गिरोह के बारे में जानकारी एकत्र करते हुए अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है, बरामद दवाओं की बाजार मूल्य के अनुसार अनुमानित कीमत लगभग 4 करोड़ रुपए है।

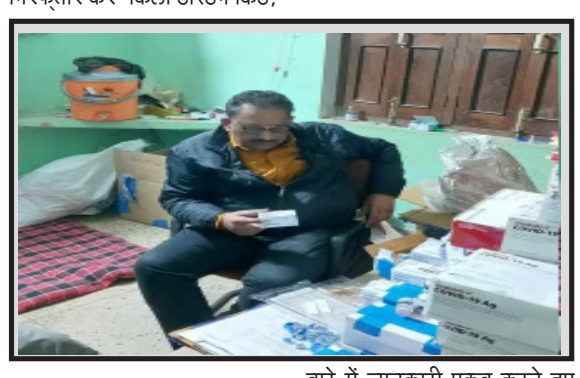

भिवंडी में दर्ज मुकदमे की जांच में जुटी पुलिस

सरायमीर (आजमगढ़) : नाबालिग की शादी करने के मामले में महाराष्ट्र के भिवंडी में दर्ज कराए गए मुकदमे की विवेचना में सरायमीर पुलिस जुट गई है। पुलिस ने उसके माता-पिता से पूछताछ की, तो उन्होंने सफाई की दी कि विवाहिता बालिग है और आधार कार्ड में उसकी जन्मतिथि गलत अंकित हो गई है। क्षेत्र के नोनारी गांव निवासी शमशे आलम की पुत्री शेख इकरा का निकाह 12 दिसंबर 2020 को कौरा गहनी निवासी हाशिम के साथ हुआ था। शादी के बाद पति-पतने भिवंडी, महाराष्ट्र रहने लगे। विवाहिता की मां ने पुत्री को बीते वर्ष 13 अक्तूबर वहां के कामा अस्पताल में भर्ती कराया, जहां पुत्र पैदा हुआ। अस्पताल की डाक्टर नेहा ने आधार कार्ड के मुताबिक विवाहिता की उम्र कम होने के कारण आजाद मैदान थाना को सूचना दी। सूचना के बाद महिला आरक्षी गौरी सहदेव सतकाल ने जांच की। जांच में उस समय उसकी आयु 18 साल 4 माह 13 दिन थी। महिला आरक्षी ने विवाहिता की मां, पिता व पति के विरुद्ध नाबालिग की शादी करने, नाबालिग के साथ यौन संबंध बनाने व बच्चा पैदा करने के मामले में रिपोर्ट दर्ज कराई। चूंकि स्थाई पता कौरा गहनी, सरायमीर का था इसलिए विवेचना के लिए मुकदमा सरायमीर में ट्रांसफर कर दिया गया। मुंबई पुलिस की रिपोर्ट मिलने पर सरायमीर पुलिस विवाहिता के माता-पिता व पति के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जांच कर रही है। वहीं स्वजन का कहना है विवाहिता बालिग है। उसकी जन्मतिथि परिवार रजिस्टर में पांच सितंबर 2001 दर्ज है। 12 दिसंबर 20 को उसकी शादी की गई है। आधार कार्ड में उसकी जन्मतिथि गलत अंकित हो गई है। शादी के करीब दो माह बाद भिवंडी गई और वहां बच्चा पैदा होने के करीब डेढ़ माह पूर्व घर आई। थाना प्रभारी निरीक्षक स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया कि मामले की विवेचना अभी की जा रही है। उसके बाद कार्रवाई की जाएगी।

पैसे और पावर के बल पर कई लड़कियों को दे चुका है तलाक

फिर ढूंढता है नई लड़कियां. आखिर कितनों की जिंदगी करेगा बर्बाद,शक्तिनगर के प्रधानाचार्य राजकीय इंटर कॉलेज

(आधुनिक समाचार सेवा)
शैलेन्द्र कुमार

सोनभद्र/शक्तिनगर - सिंगरौली,निवासी एक गरीब परिवार की लड़की से शक्तिनगर राजकीय इंटर कॉलेज जीआईसी में पदस्थ प्रधानाचार्य के रूप में सेवा दे रहे हैं विनय श्रीवास्तव द्वारा हिंदू रीति रिवाज के अनुसार 23 एक 2019 को कचनी मध्य प्रदेश के निवासी कृति श्रीवास्तव पुत्री सतीश श्रीवास्तव के साथ विवाह संपनन्‍ हुआ था विवाह के कुछ दिनों बाद जब पतने को पता चला कि पति की एक और विवाह हुआ है उसी समय से पति द्वारा लगातार प्रताडि.त किया जा रहा था। एवं दहेज की मांग किया गया जिसके बाद गरीब पिता दहेज किसी कारण नहीं दे पाया जिसकी वजह से उसकी मृत्यु हो, जिसके बाद प्रधानाचार्य द्वारा अपने घर उत्तर प्रदेश के गाजीपुर ले गया जहां पर उनके भाई और भौजाई और सास ससुर द्वारा प्रताडि.त किया गया।शादी के किसी तरह खींचतान के 3 वर्ष चलाया जिसमें महिला लड़की को बच्चे ना होने की दवा तक भला फुसलाकर खिलाते थे।मारपीट शोषण करता रहा उसके बाद बहला-फुसलाकर मायके छोड़ने के बाद शक्तिनगर से रफूचक्कर हो गया है मकान में ताला मार कर। जब,पीडि.त महिला अपने मकान जाना चाहिए लेकिन एनटीपीसी के अधिकारियों ने उस महिला को मकान में नहीं घुसने दिया गया। शक्तिनगर राजकीय इंटर कॉलेज मैं प्रधानाचार्य के रूप में पदस्थ है, विद्युत बिहार

एनटीपीसी 6 बी 426 में निवास कर रहे थे पीडि.त ने इसकी शिकायत शक्तिनगर थाने सिंगरौली महिला हेल्पलाइन मे दि लेकिन कही भी पीडि.त महिला का न्याय नहीं मिला,पीडि.त ने सिंगरौली पुलिस अधीक्षक से आवेदन देकर न्याय की लगाई गुहार अब देखना यह है कि क्या पीडि.त महिला को सिंगरौली पुलिस नया दिलाती है या नहीं।

मधुपुर सोनभद्र सड़क हादसे में एक घायल

(आधुनिक समाचार सेवा)
विशाल मौर्य

सोनभद्र करमा थाना क्षेत्र के करकी माइनर के समीप तेज रफ्तार टैंकर की चपेट में आने से एक बाइक सवार घायल हो गया स्थानीय लोगों की सूचना पर मौके पर पहुंची 112 नंबर पुलिस घायल को अपने वाहन से इलाज के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र केकराही में भर्ती कराया गया जहां पर घायल का प्राथमिक उपचार करने के बाद हालत गंभीर देखते हुए डॉक्टरों ने जिला संयुक्त चिकित्सालय सोनभद्र के लिए रेफर कर दिया गया । प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार को दोपहर के करीब एक बजे बहेरा गाँव निवासी राम अवध 38 वर्ष पुत्र कुबेर घर से बाइक द्वारा कही जारहा था कि करकी माइनर केसमीप पहुँचते ही तेज रफ्तार से आ रही बिपरीत दिशा से टैंकर की चपेट में आ गए जिससे गम्भीर रूप से घायल हो गए गामीणो की

सूचना पर 112 नम्बर पुलिस ने उपचार हेतु प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र केकराही ले गए जहा उपचार के बाद जिला अस्पताल केलिए रेफर कर दिया गया ।

निर्वाचन से ड्यूटी कटवाने के लिए अब नहीं चलेगा बहाना

मीरजापुर : विधानसभा चुनाव ड्यूटी कटवाने के लिए अब बीमारी का बहाना नहीं चलेगा। मुख्य चिकित्साधिकारी के निर्देशन में मेडिकल टीम के सामने हाजिर होना पड़ेगा। ड्यूटी कटवाने के लिए आने वाले आवेदकों की जांच के लिए सीएमओ डा. राजीव सिघल ने जांच टीम गठित किया है। बीमारी के चलते ड्यूटी कटवाने के लिए आवेदन करने वाले कार्मिकों की विधिवत जांच के बाद रिपोर्ट के आधार पर कटेगी। चुनाव की ड्यूटी से बचने के लिए कर्मचारियों द्वारा बहाने बनाए जाते हैं। चुनाव में ड्यूटी न करना पड़े, इसके लिए कार्मिक प्रभारी के पास अर्जी दी जाती है। इसमें कई लोगों ने अपने को बीमार बताकर नाम कटवाने की कोशिश की जाती है। अब चिकित्सकों की टीम उनकी बीमारी का पता लगाएगी कि वास्तव में वह सही बोल रहे हैं या गलत? बीमारी सही होने पर ही उनका नाम काटने पर विचार किया जाएगा। विधानसभा निर्वाचन में लगे अधिकारियों और कर्मचारियों के अस्वस्थता की जांच मंडलीय जिला चिकित्सालय में कमरा नंबर चार में दोपहर एक बजे से दो बजे तक किया जा रहा है। सीएमओ ने एसीएमओ डा. अरुण कुमार के निर्देशन में टीम गठित किया है। टीम में फिजिशियन डा. देवर्षि पाठक, आई सर्जन डा. राम विनय सिंह, आर्थो सर्जन डा. एके पांडेय और सर्जन डा. संतोष सिंह को शामिल किया गया है। जिले में 15309 पुरुष और 8499 महिला सहित कुल 23808 कार्मिक हैं। इसमें से 9072 कार्मिकों की आवश्यकता चुनाव में पड़ेगी। साथ ही 10 फीसद अर्थात 907 कर्मचारियों को रिजर्व में रखा जाएगा। इस तरह से विधानसभा चुनाव में 9979 कर्मचारियों की आवश्यकता पड़ेगी। सीडीओ श्रीलक्ष्मी वीएस ने बताया कि विधानसभा निर्वाचन में बीमारी के चलते ड्यूटी कटवाने को लेकर जांच के लिए सीएमओ के निर्देशन में चिकित्सकों की टीम गठित की गई है। टीम की रिपोर्ट के आधार पर निणन्य लिया जाएगा।

मतदाता सूची व बूथ पर आपत्ति आठ तक

मीरजापुर : उत्तर प्रदेश विधान परिषद के स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्रों से विधान परिषद के निर्वाचन के लिए मतदेय स्थलों एवं मतदाता सूची के संबंध में जिला निर्वाचन अधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार ने राजनीतिक दलों के साथ बैठक कर जानकारी दी। बताया कि चुनाव आयोग के निर्देशानुसार मतदेय स्थलों के प्रस्ताव निर्धारित प्रारूप पर राजनीतिक दलों की सहमति से तैयार कराए जाने हैं, इसलिए प्रस्तावित मतदेय स्थल पाटिर्यों को उपलब्ध कराया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मीरजापुर, सोनभद्र स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्र के लिए 16 मतदेय स्थल बनाए गए हैं। इसके अलावा मतदाताओं की सूची भी इस आशय से उपलब्ध करायी जा रही है कि दावा, आपत्ति एक से आठ फरवरी तक दे सकता है। प्राप्त दावा, आपत्तियों का निस्तारण 11 फरवरी को किया जाएगा। उसी दिन अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन भी करा दिया जाएगा। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि नगर निगम, नगर पालिका परिषद, नगर पंचायत, जिला पंचायत, क्षेत्र पंचायत सदस्यों के नाम ही विधान परिषद स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचन नामावली में सम्मिलित हो सकते हैं। ग्राम प्रधान क्षेत्र पंचायतों में पदेन सदस्य हैं। उनके नाम निर्वाचक नामावली में क्षेत्र समिति के सदस्य पदेन सदस्य के रूप में शामिल हो सकते हैं। मनोनीत सदस्य वोटर नहीं होंगे। उप जिला निर्वाचन अधिकारी शिव प्रताप शुक्ल ने बताया कि मीरजापुर, सोनभद्र स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्र के लिए कुल 6660 मतदाता मतदान करेंगे। मीरजापुर में 2055 मतदाता हैं। क्षेत्र पंचायत, नगर पालिका परिषद, नगर पंचायत को मतदेय स्थल बनाया गया है। इसके पूर्व उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने एमएलसी चुनाव से संबंधित सभी तैयारियां पूर्ण करने का निर्देश दिया। इस दौरान डिप्टी कलेक्टर अवशनी कुमार सिंह, भरत लाल सरोज, डा. अभिनीत कुमार, सहायक निर्वाचन अधिकारी नन्हकू सिंह आदि थे।

33 केवी विद्युत आपूर्ति का ब्रेकडाउन, 110 गांवों में अंधेरा

हलिया (मीरजापुर) : स्थानीय विद्युत उपकेंद्र 33/11 केवी से संचालित हलिया, अदवा, कोटाघाट, ड्रमंडगंज फीडरों की आपूर्ति सोमवार की देर रात लालगंज विद्युत उपकेंद्र पर आने वाली 33 केवी की विद्युत आपूर्ति फाल्ट होने के कारण ब्रेकडाउन हो गया। इससे 110 गांवों में अंधेरा पसर गया। विद्युत आपूर्ति बाधित होने से लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। वहीं लोगों के इनवर्टर व मोबाइल फोन के बैट्री डिस्चार्ज हो गए। विद्युत संबंधित कारोबार भी आपूर्ति बाधित होने से प्रभावित हो गए। आपूर्ति सुबह तक बहाल नहीं होने से लोगों को पेयजल के लिए हैंडपंपों का सहारा लेना पड़ा। ब्रेकडाउन होने के कारण विद्युत उपकेंद्र देवरी की भी आपूर्ति बाधित रही। इस संबंध में 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र के अवर अभियंता अनीष अली ने बताया कि लालगंज से 33 केवी की विद्युत आपूर्ति रात में ब्रेकडाउन होने से उपकेंद्र से संचालित हलिया, कोटाघाट, ड्रमंडगंज, अदवा फीडरों की आपूर्ति बाधित हो गई है। आपूर्ति बहाल करने के लिए विद्युतकर्मी लगे हुए हैं जल्द ही आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी।

तमंचा व जिंदा कारतूस बरामद

(सोनभद्र): स्थानीय थाना पुलिस ने नधिरा तिराहे से मंगलवार को एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उसके पास से एक तमंचा व एक जिदा कारतूस बरामद किया है। आरोपित विनोद कुमार धरिकार निवासी नधिरा को जेल भेज दिया गया।

हादसे में घायल प्रधानाध्यापक की इलाज के दौरान मौत

जमालपुर (मीरजापुर) : क्षेत्र के पूर्व माध्यमिक विद्यालय खखड़ा में प्रधानाध्यापक के पद पर तैनात अमित कुमार सिंह (45) की इलाज के दौरान वाराणसी जनपद के चितईपुर स्थित एक निजी चिकित्सालय में सोमवार की देर रात मौत हो गई। इससे शिक्षा जगत में शोक की लहर दौड़ गई। स्वजन रोते-बिलखते रहे अमित कुमार सिंह सोमवार को विधानसभा चुनाव का ड्यूटी पत्र लेने के लिए वाराणसी से अपनी बाइक से बीआरसी केंद्र बहुआर गए थे। ड्यूटी पत्र लेकर वापस लौटते समय शाम को राष्ट्रीय राजमार्ग दो पर डाफी टोल प्लाजा के पास टैंकर की चपेट में आ जाने से गंभीर रूप से घायल हो गए थे। लोगों की मदद से वाराणसी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वह मूल रूप से चुनार कोतवाली क्षेत्र के गांगपुर गांव के मूल निवासी थे एवं वर्ष 2012 से पूर्व माध्यमिक विद्यालय खखड़ा में प्रधानाध्यापक के पद पर तैनात थे। पतनी नीलू सिंह एवं नौ वर्षीय पुत्र के साथ वाराणसी में रहते थे। उनकी पतनी पूर्व माध्यमिक विद्यालय कैमा रसूलपुर और छोटा भाई भदोही जनपद में चिकित्सक के पद पर तैनात है। पिता सरजू प्रसाद सिंह पीडीएनडी इंटर कांलेज चुनार से शिक्षक के पद से अवकाश प्राप्त कर चुके हैं। उनकी मौत की जानकारी पर शिक्षक बृजेश सिंह, सुभाष चंद्र सिंह, सूर्य केश आनंद, शिशुपाल सिंह, सरिता तिवारी ने शोक संवेदना व्यक्त की।

किशोर की मौत पर स्वजन का पुलिस चौकी पर प्रदर्शन

अहरौरा (मीरजापुर) : क्षेत्र के खुटहा गांव में लगभग एक सप्ताह पूर्व मामूली विवाद में दो भाइयों के बीच हुई मारपीट में घायल शहजाद (16) की वाराणसी में इलाज के दौरान मौत हो गई। मंगलवार को ग्रामीणों संग स्वजन शव को इमलिया चट्टी पुलिस चौकी पर रखकर कार्रवाई की मांग को लेकर प्रदर्शन किए। मौके पर सीओ चुनार रामानंद राय व थानाध्यक्ष संजय सिंह व जमालपुर और अदलहाट थाने की पुलिस पहुंच गई। सीओ ने सबको समझा-बुझाकर शव पोस्टमार्टम को भेज मामला शांत कराया 24 जनवरी को वजीर व उसके भाई जहांगीर के बीच पारिवारिक विवाद में मारपीट हो गई थी। पुलिस को दी गई तहरीर में मृत शहजाद के पिता वजीर ने आरोप लगाया कि जहांगीर, इश्तियाक व गोलू व अन्य ने मिलकर मेरे बेटे शहजाद की पिटाई कर दी थी। इससे सोमवार की रात वाराणसी में स्थित एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। स्वजन रोते-बिलखते दूसरे दिन मंगलवार को शव लेकर पुलिस

चौकी इमिलियाचट्टी पर पहुंच गए और आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर हंगामा करने लगे। मौके पर पहुंची भारी संख्या में पुलिस ने मामले को शांत कराने का प्रयास किया, लेकिन सभी अपनी मांगों पर अड़े रहे। बाद में सीओ के आश्वासन पर आधे घंटे बाद स्वजन माने। सीओ ने बताया कि कुछ दिन पूर्व दो भाइयों में किसी बात को लेकर मारपीट हो गई थी। इसमें दोनों पक्षों से थाने में एनसीआर दर्ज कराया गया था, लेकिन उसमें मृत किशोर का नाम नहीं है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद मुकदमे में आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

करमा पुलिस ने अंतरप्रांतीय गाजा तस्करों को किया गिरफ्तार

आधुनिक समाचार सेवा)
सतीष केशरी

सोनभद्र पुलिस अधीक्षक सोनभद्र के निर्देशानुसार मादक पदार्थी के व्यापार में संलिप्त अपराधियों के विरुद्ध जनवरी माह में प्रभावी कार्यवाही की कार्य योजना प्रचलित है उसी क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय व क्षेत्राधिकारी घोरावल के निर्देशन में स्वाट, एसओजी, सर्विलांस टीम तथा करमा पुलिस की एक संयुक्त टीम गठित की गई और इस टीम के अथक परिश्रम से दिनांक मंगलवार को रात्रि में करमा गेट पर सघन वाहन चेकिंग के दौरान होंडा सिटी व स्विफ्ट डिजायर कार से भारी मात्रा में नाजायज गाजा मादक पदार्थ के साथ 6 अभियुक्तों को पकड़ा गया। क्षेत्राधिकारी घोरावल की उपस्थिति में पकड़े गए व्यक्तियों की निशानदेही पर पकड़े गए वाहनों में रखे गाजा के 30 पैकेट बरामद किए गए जिसका वजन 1 कुंतल 70.54 किलोग्राम है जिसकी कीमत लगभग 17 लाख रुपया है जब पुलिस द्वारा पूछताछ की गई तो अभियुक्तों ने बताया कि वह लोग मादक पदार्थ गांजा उड़ीसा से लाकर प्रयागराज कौशांबी व प्रतापगढ़ जनपद में अच्छी कीमत पर बेचते हैं यही उन लोगों का व्यवसाय है गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों में सत्यम केसरवानी पुत्र राजकुमार केसरवानी निवासी सराय अकिल थाना सराय अकिल जनपद कौशांबी, संजय केसरवानी पुत्र सज्जन लाल केसरवानी निवासी सदर बाजार रामचरण रोड थाना कोतवाली जनपद प्रतापगढ़,मोहम्मद नसीम पुत्र अली रजा निवासी मोहल्ला अकबरपुर थाना करेली जनपद प्रयागराज, आशीष कुमार ताम्रकार पुत्र रमेश चंद्र ताम्रकार निवासी सराय अकिल थाना सराय अकिल जनपद कौशांबी, अनिकेत तिवारी उर्फ छोटू पुत्र सुशील तिवारी निवासी सराय अकिल थाना सराय अकिल जनपद कौशांबी, मोहम्मद शरीफ उर्फ राजू पुत्र स्वर्गीय सलीम निवासी करेली थाना करेली जनपद प्रयागराज को गिरफ्तार किया गया इनके पास से 1 कुंतल 70.54 किलो ग्राम गांजा बरामद किया गया जिसकी अनुमानित लागत ?1700000 है इनके पास से ?15460 नगद बरामद किया गया और एक होंडा सिटी कार और एक स्विफ्ट डिजायर कार कब्जे में ली गई थाना करमा में सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर विवेचना शुरू कर दी गई है। गिरफ्तार करने में निरीक्षक साजिद सिद्दीकी प्रभारी एसओजी टीम जनपद सोनभद्र उपनिरीक्षक सरोज मासी प्रभारी सर्विलांस जनपद सोनभद्र उपनिरीक्षक अमित त्रिपाठी प्रभारी स्वाटिंग जनपद सोनभद्र वरिष्ठ उप निरीक्षक विनोद यादव थाना करमा जनपद सोनभद्र उपनिरीक्षक शेषनाथ यादव थाना करमा जनपद सोनभद्र हेड कांस्टेबल अतुल सिंह हेड कांस्टेबल चंद्रभान यादव हेड कांस्टेबल अरविंद सिंह हेड कांस्टेबल जगदीश मौर्य हेड कांस्टेबल अमर सिंह हेड कांस्टेबल शशी प्रताप सिंह कांस्टेबल हरिकेश

यादव कांस्टेबल रितेश पटेल स्वाद व एसओजी टीम जनपद सोनभद्र कांस्टेबल सौरभ राय कांस्टेबल प्रकाश सिंह कांस्टेबल अमित सिंह कांस्टेबल दिलीप कश्यप सर्विलांस सेल अपराध शाखा सोनभद्र हेड कांस्टेबल योगेंद्र उपाध्याय हेड कांस्टेबल कांस्टेबल मृत्युंजय सिंह कांस्टेबल अनिल कुमार कांस्टेबल शशिकांत प्रयागराज कांस्टेबल आशीष मिश्रा थाना करमा सोनभद्र शामिल रहे इनके सराहनीय कार्य को देखते हुए उत्साहवर्धन हेतु पुलिस अधीक्षक द्वारा पूरी पुलिस टीम को नगद पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया।

किसानों को बीज व दवाई से संबंधित सेवाएं सराहनीय पहल

राज्यों को एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी के सिलेबस बदलने का प्राविधान बजट में किया गया है, ताकि खेती की लागत को कम किया जा सके। यह सराहनीय फैसला है। फलों और सब्जियों की उनन्त किस्म अपनाने वाले किसानों की मदद के लिए राज्यों के साथ मिलकर काम करने का फैसला भी अच्छा है। किसानों को डिजिटल सर्विस देने, जिसमें दस्तावेज, खाद, बीज, दवाई से संबंधित सेवाएं देना अच्छी पहल है। चंद्रभूषण पांडेय, पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष भारतीय किसान संघ। सरकार ने आम बजट में किसानों के हित की बात की है। दलहन तिलहन फसलों को एक्सपोर्ट करने पर जोर दिया गया है लेकिन जब तक जमीन पर इस पर कार्य नहीं होगा, सरकार की यह घोषणा छलावा साबित होगी। किसानों की आय दो गुनी करने का प्रस्ताव सरकार ने दिया है जो किसान हित में है।

किसी ने छलावा तो किसी ने बताया हितकारी

सोनभद्र आज का बजट में लोकहित में सुखदायी है। रही है।स ाकास और सबका विश्वास की बात करने वाली केंद्र

आत्मनिर्भर भारत के लिए यह बजट हितकारी है। सबका साथ सबका विकास व सबके विश्वास को देखते हुए यह बजट बना है। किसानों की आय बढ़ाने में यह बजट सार्थक होगा। युवा, नौजवान बेरोजगारों के लिए नए रोजगार का सृजन होगा। इसमें अंत्योदय दिखा दे रहा है। अजीत चौबे, जिलाध्यक्ष भाजपा। देश का आम बजट जनता के साथ धोखा है। यह जनता को ठगने वाला बजह है। जिस सरकार में बेरोजगारों को पकौड़ा बेचने की नसीहत दी जाती है, उससे अच्छे की उम्मीद भी नहीं की जा सकती। देश की संपत्ति प्राइवेट कंपनियों को बेची जा रही है। युवा इंटरव्यू के लिए जा रही है तो उसे लाठी दी जा सरकार ने जनता का विश्वास खो दिया है। आज जारी आम बजट में जनता के लिए कुछ नहीं दिया गया। जो भी दिया गया, सब उद्योगपतियों के लिए दिया गया। किसानों, महिलाओं से लेकर युवा बेरोजगार तक इस बजट से क्षुब्ध हैं। विजय यादव, जिलाध्यक्ष सपा। देश की मोदी सरकार का जनता से कोई सरोकार नहीं है। वह सिर्फ अपने मन की बात करते हैं। जनता के मन, हित से उनका कोई लेना देना नहीं है। आज का आम बजट देश की जनता के लिए छलावा है। बजट में किसी भी वर्ग के लिए कुछ नहीं है। सिर्फ उद्योगों को बढ़ावा देने वाला बजट तैयार किया गया है।

डिप्टी सीएमओ सहित 34 कोरोना संक्रमित नए मरीज मिले

सोनभद्रः कोरोना संक्रमण की रफ्तार धीमी पड़ गई है। मंगलवार को डिप्टी सीएमओ सहित 34 कोरोना पॉजिटिव नए मरीज मिले। इसमें एक स्वास्थ्य कर्मी भी शामिल हैं। सबसे ज्यादा 19 मरीज राब?ट्र्सगंज ब्लॉक क्षेत्र में पाए गए हैं। औद्यौगिक क्षेत्र माने जाने वाले म्योरपुर ब्लॉक क्षेत्र में संक्रमितों का आंकड़ा इकाई तक सिमट कर रह गया है। कोरोना संक्रमण की तीसरी लहर में सर्वाधिक संक्रमित म्योरपुर क्षेत्र के ही पाए गए। स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी बुलेटिन में म्योरपुर से 8, चतरा व घोरावल से 2-2, चोपन, दुद्धी व नगवां ब्लाक क्षेत्र से एक-एक संक्रमित मिले हैं। सीएमओ डॉक्टर रमेश सिंह ठाकुर का कहना है कि कोविड जांच का दायरा बढ़ा है। ऐसे में कम संक्रमित मिलना शुभ संकेत है। कोविड गाइड लाइन का पालन नियमित रूप से करना ही संक्रमण से बचाव एकमात्र रास्ता है।

60 लाख सरकारी नौकरियां देने का प्रावधान उत्साहवर्धक

सोनभद्र बजट में अच्छा और बुरा पक्ष होना लाजिमी है। कोरोना काल में प्रस्तुत दूसरे बजट की प्राथमिकताएं बदली हैं। इसी साल 5जी सेवा शुरू करने की घोषणा काफी सुखद है, लेकिन पेट्रोलियम पदार्थों के दाम में नियंत्रण अभी भी नहीं दिख रहा है। घरेलू सामानों को लेकर बजट में प्राविधान किया गया है। युवाओं को नौकरी महत्वपूर्ण है। सौदामिनी यादव, ओबरा। बजट में रोजगार के अवसरों के सृजन की .खबर से युवा वर्ग आशान्वित है। साथ ही यह बजट महिला सशक्तिकरण के लक्ष्यों को पूर्ण करने में सफल साबित होगा। मैं बजट का स्वागत करती हूँ। शिक्षा को लेकर बजट में विशेष ध्यान दिया गया है। डिजिटल विश्वविद्यालय की स्थापना सरकार का महत्वपूर्ण कदम है। सुप्रिया पाल, अनपरा। आम बजट सभी वर्ग के लिए उपयोगी साबित होगा। सरकार ने बेरोजगार युवाओं को 60 लाख नौकरी देने की बात अपने बजट के माध्यम से किया है। यह निणन्य ऐतिहासिक होगा। रोजगार के लिए भटकने वाले युवाओं को रोजगार मिलेगा तो उनका आर्थिक, सामाजिक हर पक्ष मजबूत होगा। सरकार का बजट सराहनीय है। बजट में 60 लाख सरकारी नौकरियां देने का प्रावधान उत्साहवर्धक है। से यह बजट सभी वर्गों में समन्वय स्थापित करने वाला है। कुछ ारूरी सामानों का सस्ता होना, सरकार की सकारात्मक सोच को दर्शाता है।

चार राज्यों की सीमा से जुड़े गांवों के विकास की उम्मीद बढ़ी

सोनभद्रः केंद्र सरकार ने मंगलवार को आम बजट पेश किया। इसमें सरकार ने सीमावर्ती गांवों के विकास के लिए वाइब्रेट विलेजस कार्यक्रम चालू करने का निणन्य लिया है। इससे पड़ोसी राज्यों की सीमा से सटे सोनभद्र के गांवों के विकास की उम्मीद बढ़ गई है। इस कार्यक्रम में शामिल होने से सीमावर्ती गांवों को लाभ मिल सकता है। सोनभद्र चार राज्यों मध्यप्रदेश, झारखंड, छत्तीसगढ़ व बिहार की सीमा से सटा है। झारखंड सीमा पर विढमगंज थाना क्षेत्र के धरतीडोलवा, बुटबेढ़वा, मूड़ीसेमर, मेदनीखाड़, सुखड़ा, छतवा, हरपुरा गांव जुड़े हैं। बरखोरहा गांव छत्तीसगढ़ व झारखंड दोनों राज्यों की सीमा से जुड़ा है। इसी तरह मांची थाना क्षेत्र के मड़पा, सरईगाढ़, दरमा, सूअरसोत, बांकी, महुली, तेनुआ आदि गांव बिहार राज्य की सीमा से सटे हैं जबकि बसुहारी गांव बिहार व झारखंड दोनों राज्यों की सीमा से सटा है। कोन थाना क्षेत्र का खरौंधी, बागेसोती, नकतवाद, सोननदी के पार के गांव पोखरिया, मिश्री, बरवाखाड़ गांव बिहार व झारखंड की सीमा से सटे हैं। इसी तरह दुद्धी कोतवाली क्षेत्र के नाचनटांड, सुंदरी, कोरची, गोहड़ा गांव छत्तीसगढ़ की सीमा से सटे हैं। घोरावल थाना क्षेत्र के बदिन्या, भरहरी, नेवारी, कुड़ारी, शिल्पी गांव मध्य प्रदेश की सीमा से सटा है।

श्रीलंका के खिलाफ बेंगलुरू में डे-नाइट टेस्ट खेल सकता है भारत, बीसीसीआइ कर रहा तैयारी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट बोर्ड इस साल श्रीलंका के खिलाफ बेंगलुरू में पिंक बाल टेस्ट यानी डे-नाइट टेस्ट की मेजबानी करने की योजना बना रहा है। बोर्ड श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज का एक मैच बेंगलुरु में कराने का इच्छुक है। खिलाड़ियों के बबल-टू-बबल ट्रांसफर के मद्देनजर टेस्ट के बजाय तीन टी 20 आई के साथ दौरे की शुरुआत होने की संभावना है। सीरीज शुरू होने से पहले दोनों टीमें टी20 मैच खेलेंगी। टाइम्स आफ इंडिया की रिपोप्ट के अनुसार यह अभी भी स्पष्ट नहीं है कि क्या बेंगलुरू में पहला टेस्ट मैच खेला जाएगा। सीरीज का पहला मैच टीम इंडिया के पूर्व कप्तान विराट कोहली का 100वां टेस्ट भी होगा। व्यस्त यात्रा में कटौती करने के लिए बोर्ड बेंगलुरु जाने से पहले धर्मशाला और मोहाली में सीरीज के अधिकांश मैच खेलने पर विचार कर रहा है। प्रारंभिक यात्रा कार्यक्रम के अनुसार

मोहाली, धर्मशाला और लखनऊ में खेले जाने वाले तीन टी-20 मैचों से पहले बेंगलुरु और मोहाली को टेस्ट मैच आयोजित होने थे। बीसीसीआइ के एक सूत्र ने कहा, 'दौरे की शुरुआत में पहले दो टी 20 मैच धर्मशाला में खेले जा सकते हैं। इसके बाद तीसरे टी 20 आई और पहले टेस्ट का आयोजन मोहाली में हो सकता है। लखनऊ एक टी 20 मैच की मेजबानी करने से चूक सकता है। मोहाली में पिंक बाल टेस्ट कराना मुश्किल है क्योंकि वहां ओस की बड़ी भूमिका होती है। हालांकि, बीसीसीआइ अभी भी देश में कोविड -19 स्थिति पर नजर रख रहा है। कार्यक्रम को लेकर जल्द ही अंतिम फैसला लिया जाएगा।' बीसीसीआई के एक शीर्ष अधिकारी के अनुसार श्रीलंका क्रिकेट ने बीसीसीआइ से टेस्ट मैचों के बजाय पहले टी20 सीरीज खेलने का अनुरोध किया है। श्रीलंकाई टीम भारत आने से पहले आस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज खेलेगी। ऐसे में उनके लिए एक ऐसी टीम दौरे पर भेजना सुविधाजनक होगा जो पहले से ही बबल में है।

वेस्टइंडीज के खिलाफ नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में पहले वनडे में इतिहास रचेगी टीम इंडिया

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के खिलाफ अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में तीन मैचों की वनडे सीरीज के पहले मैच में रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम इंडिया इतिहास रचेगी। वह वनडे क्रिकेट में 1000 मैच खेलने वाली पहली टीम बन जाएगी। भारत ने अब तक 999 एकदिवसीय मैच खेले है। इनमें से उन्होंने 518 जीते है और 431 हारे हैं, नौ मैच ड्रा रहे है और 41 में कोई नतीजा नहीं निकला है। टीम का जीत प्रतिशत 54.54ज़ है। कुल नौ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट टीमों ने 500 से अधिक एकदिवसीय मैच खेले हैं, जिनमें से सिर्फ दो की जीत का प्रतिशत भारत से बेहतर है। आस्ट्रेलिया का जीत 63.66 प्रतिशत और दक्षिण अफ्रीका में 63.75 प्रतिशत है। आस्ट्रेलिया ने 958 मैच खेले हैं। इनमें 581 जीते है और 334 हारे हैं, नौ मैच ड्रा रहा और 34 का कोई नतीजा नहीं निकला। दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका ने 638 एकदिवसीय मैच खेले हैं और 391

जीते और 221 हारे हैं। 20 का कोई नतीजा नहीं निकला। 500 से अधिक मैच खेलने वाली अन्य छह टीमों में पाकिस्तान 936, श्रीलंका 870, इंग्लैंड 761, न्यूजीलैंड 775, वेस्टइंडीज 834 और जिम्बाब्वे 541 मैच खेला है। वनडे सीरीज की शुरुआत 6 फरवरी से होगी। दूसरा वनडे मैच 9 फरवरी को और तीसरा और आखिरी मैच 11 फरवरी को खेला जाएगा। तीनों मैच गुजरात के अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में खेले जाएंगे। भारत और वेस्टइंडीज टी-20 सीरीज 16 फरवरी से शुरू होगी। दूसरा टी-20 मैच 18 फरवरी को खेला जाएगा और तीसरा और अंतिम 20 फरवरी को खेला जाएगा। पूरी टी-20 कोलकाता के ईडन गार्डन में खेली जाएगी। कीरोन पोलार्ड (कप्तान), फैबियन एलेन, नक्रमाह बोनर, डैरेन ब्रावो, शमरह ब्रूक्स, जेसन होल्डर, शाई होप, अकील होसेन, अल्जारी जोसेफ, ब्रैंडन किंग, निकोलस पूरन, केमार रोच, रोमारियो शेफर्ड, ओडियन स्मिथ, हेडन वाल्श जूनियर। रोहित शर्मा (कप्तान), केएल राहुल (उप-कप्तान), रुतुराज गायकवाड़, शिखर, विराट कोहली, सूर्य कुमार यादव, श्रेयस अय्यर, दीपक हुड्डा, रिषभ पंत (विकेटकीपर), दीपक चाहर, शार्दुल ठाकुर, यजुवेंद्रा चहल, कुलदीप यादव, वाशिंगटन सुंदर, रवि बिशनेई, मो. सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, अवेश खान।

अंडर-19 क्रिकेट वर्ल्ड कप : भारत-आस्ट्रेलिया के बीच सेमीफाइनल मुकाबला, टीवी पर और आनलाइन ऐसे देख सकेंगे लाइव

नई दिल्ली। चार बार का विजेता टीम इंडिया बुधवार को एंटीगुआ में आइसीसी अंडर-19 क्रिकेट वर्ल्ड कप 2022 के सुपर लीग सेमीफाइनल 2 में आस्ट्रेलिया से भिड़ेगी। अंडर-19 वर्ल्ड कप में दोनों टीमों का छह बार एक-दूसरे से आमना- सामना हो चुका है। चार मैच भारत ने अपने नाम किया है और दो में उसे हार मिली है। 2012 और 2018 में टीम ने फाइनल में आस्ट्रेलियाई टीम को हराया था। यश धुल की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने अभी तक इस टूर्नामेंट में अजेय रही है। हालांकि, टीम कोरोना से प्रभावित हुई थी। वहीं

आस्ट्रेलिया की बात करें टीम अबतक एक मैच हारी है। श्रीलंका ने ग्रुप मैच में उसे हराया था। दोनों में से जो भी टीम मैच जीतेगी वह फाइनल में शनिवार को इंग्लैंड से भिड़ेगी। हारने वाली टीम अफगानिस्तान से तीसरे स्थान के लिए खेलेगी। टूर्नामेंट के इस महत्वपूर्ण मुकाबले से पहले जान लिजिए इससे जुड़ी अहम जानकारी। जान लिजिए कब और कहां यह मुकाबला खेला जाएगा और इसका लाइव टेलिकास्ट और स्ट्रीमिंक कहां होगाः भारत और आस्ट्रेलिया के बीच आइसीसी अंडर-19 क्रिकेट वर्ल्ड कप 2022 का दूसरा सेमीफाइनल मैच कब होगा? भारत और आस्ट्रेलिया के बीच आइसीसी अंडर-19 क्रिकेट वर्ल्ड कप 2022 का दूसरा सेमीफाइनल 2 फरवरी, 2022 को होगाभारत और आस्ट्रेलिया के बीच आइसीसी अंडर-19 क्रिकेट वर्ल्ड कप 2022 का दूसरा सेमीफाइनल मैच किस मैदान पर खेला जाएगा ? भारत और आस्ट्रेलिया के बीच आइसीसी अंडर-19 क्रिकेट वर्ल्ड कप 2022 का दूसरा सेमीफाइनल मैच एंटीगुआ के कूलिज क्रिकेट ग्राउंड में खेला जाएगा। भारत और आस्ट्रेलिया के बीच आइसीसी अंडर-19 क्रिकेट वर्ल्ड कप 2022 का दूसरा सेमीफाइनल मैच कब शुरू होगा?भारत और आस्ट्रेलिया के बीच आइसीसी अंडर-19 क्रिकेट वर्ल्ड कप 2022 का दूसरा सेमीफाइनल मैच भारतीय समयानुसार शाम 6.30 बजे से शुरू होगा। शाम 6 बजे टास होगा। भारत और आस्ट्रेलिया के बीच आइसीसी अंडर-19 क्रिकेट वर्ल्ड कप 2022 का दूसरा सेमीफाइनल मैच का प्रसारण कौन से टीवी चैनल होगा? भारत और आस्ट्रेलिया के बीच आइसीसी अंडर-19 क्रिकेट वर्ल्ड कप 2022 का दूसरा सेमीफाइनल मैच का प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर होगा।

U19 world cup: सेमीफाइनल मुकाबले में भारत के सामने आस्ट्रेलियाई टीम की कड़ी चुनौती

कूलिज । मैदान पर अपने प्रतिद्वंद्वियों को और मैदान के बाहर कोरोना वायरस को हराने वाली भारत और आस्ट्रेलिया की दिग्गज टीमें अंडर-19 विश्व कप के सेमीफाइनल में बुधवार को आमने-सामने होंगी। कोरोना महामारी के

कारण भारत की तैयारियां काफी बाधित हुईं। पिछले दो साल में कोई राष्ट्रीय शिविर या टूर्नामेंट नहीं था और हाल ही में सिर्फ एशिया कप खेलकर टीम यहां आई थी। चार बार की चैंपियन भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका को 45 रन से हराकर टूर्नामेंट में आगाज किया। इसके बाद हालांकि कई खिलाड़ियों के कोरोना संक्रमित पाए जाने के बाद आयरलैंड के खिलाफ बमुश्किल 11 खिलाड़ी जुट सके। आयरलैंड के खिलाफ दूसरे ग्रुप मैच में पांच खिलाड़ी उपलब्ध नहीं थे। कप्तान यश ढुल, उप कप्तान शेख रशीद, आराध्य यादव, मानव पारख और सिद्धार्थ यादव कोरोना की चपेट में आ गए थे। ये पांचों आयरलैंड और युगांडा के खिलाफ नहीं खेल सके, जिसके बाद बीसीसीआइ को वैकल्पिक खिलाड़ी भेजने पड़े। युगांडा के खिलाफ छह रिजर्व खिलाड़ियों को मैदान पर उतारा गया। अब भारत के पास पूरी मजबूत टीम है और निशांत सिंधू भी संक्रमण से उबर चुके हैं। भारत लगातार चौथी बार सेमीफाइनल खेलेगा। भारत को हालांकि आखिरी ओवरों में अपनी बल्लेबाजी में सुधार करना होगा। भारत के पास हरनूर सिंह, अंगकृष रघुवंशी, राज बावा के अलावा ढुल और रशीद जैसे बल्लेबाज हैं। गेंदबाजी में तेज गेंदबाज रवि कुमार, राजवर्धन हेंगरगेकर, स्पिनर विक्की ओस्टवाल और कौशल तांबे के साथ मध्यम तेज गेंदबाज बावा पर नजरें होंगी। दो बार की चैंपियन आस्ट्रेलिया ने क्वार्टर फाइनल में पाकिस्तान को हराया। उसके पास शानदार सलामी बल्लेबाज टीग वीली हैं जिन्होंने अब तक बेहतरीन प्रदर्शन किया है। भारत को उनके बल्ले पर अंकुश लगाना होगा। भारत ने अभ्यास मैच में आस्ट्रेलिया को हराया था। भारत : यश ढुल (कप्तान), अंगकृष रघुवंशी, हरनूर सिंह, राज बावा, कौशल तांबे, दिनेश बना, निशांत सिंधू, विक्की ओस्टवाल, राजवर्धन हेंगरगेकर, वासु वत्स, रवि कुमार। आस्ट्रेलिया : कूपर कोनोली (कप्तान), कैंपवेल केलावे, टीग वीली, एडेन काहिल, कोरे मिलर, जैक सिनफील्ड, टोबियास स्नेल, विलियम साल्जमैन, जैक निसबेट, लाचलान शा, टाम व्हाइटनी।

देखिए भारतीय खिलाडियों की पूरी लिस्ट, रहाणे से लेकर कुलदीप यादव तक की बेस प्राइस

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के मेगा आक्शन में इस साल कितने खिलाड़ियों को शामिल होने का मौका मिलेगा इसकी घोषणा मंगलवार 1 फरवरी को बीसीसीआइ द्वारा की गई। दुनियाभर के 1200 से ज्यादा खिलाड़ियों ने इस मेगा आक्शन में शामिल होने के लिए नामांकन की अर्जी भेजी थी। बीसीसीआइ द्वारा 590 खिलाड़ियों को ही शार्टलिस्ट कर इसमें शामिल होने की अनुमति दी गई। आइपीएल 2022 से पहले होने वाली नीलामी में सबसे उंची बेस प्राइस 2 करोड़ की रखी गई है। इसके बाद 1.5 करोड़ की बेस प्राइस है और फिर 1 करोड़ के ब्रैकेट में रूचि दिखाने वाले खिलाड़ियों के नाम आते हैं। भारत के तमाम बड़े खिलाड़ियों ने भी अपनी रूचि के मुताबिक अपने नाम को नीलामी में शामिल करने की अर्जी दी थी। लिस्ट में शिखर धवन, सुरेश रैना, भुवनेश्वर कुमार, रॉबिन उथप्पा और आर अश्विन जैसे बड़े खिलाड़ी 2 करोड़ की लिस्ट में हैं।

अहमदाबाद पहुंची वेस्टइंडीज की टीम, छह फरवरी से खेली जाएगी तीन मैचों की वनडे सीरीज

अहमदाबाद,। टीम इंडिया के खिलाफ वनडे और टी-20 सीरीज के लिए कीरोन पोलार्ड की अगुवाई वाली वेस्टइंडीज की टीम दौरे पर अहमदाबाद पहुंच गई है। भारत और वेस्टइंडीज के बीच छह

फरवरी से तीन वनडे और तीन टी20 मैच खेले जाने हैं। सभी वनडे अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले जाएंगे। टी20 मैच कोलकाता के ईडन गार्डन में खेले जाएंगे। विंडीज क्रिकेट ने ट्वीट करके कहा, 'बारबाडोस से दो दिनों की लंबी यात्रा के बाद, मैन इन मरून भारत आ गए हैं।' गुजरात क्रिकेट संघ (जीसीए) ने मंगलवार को कहा कि भारत और वेस्टइंडीज के बीच छह से 11 फरवरी तक होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज कोरोना महामारी के कारण दर्शकों के बिना खाली स्टेडियम में खेली जाएगी। जीसीए ने ट्वीट किया, 'हम वेस्टइंडीज के भारत दौरे पर वनडे सीरीज की मेजबानी करने के लिए पूरी तरह तैयार है। छह फरवरी को पहला वनडे एक बहुत ही खास और ऐतिहासिक मैच होगा क्योंकि भारत इस प्रारूप में अपना 1000वां मुकाबला खेलेगा।' टीमों को कोलकाता में तीन मैचों की टी-20 सीरीज खेलनी है, जिसके लिए पश्चिम बंगाल सरकार ने 75 प्रतिशत दर्शकों की उपस्थिति की अनुमति दी है।बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) के अध्यक्ष अविषेक डालमिया ने कहा, हम माननीय मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, मुख्य सचिव और राज्य सरकार को खेल गतिविधियां शुरू करने के साथ ही स्टेडियम में 75 प्रतिशत दर्शकों को अनुमति देने के लिए धन्यवाद देते हैं। पिछले साल न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 मैच के बाद इस बार भी सीएबी को भरोसा है कि हम वेस्टइंडीज के खिलाफ भी तीन टी-20 मैचों की सीरीज की सफलतापूर्वक मेजबानी करने में सक्षम होंगे। वेस्टइंडीज और भारत के बीच ईडन गार्डन में 16, 18 और 20 फरवरी को टी-20 मुकाबले होंगे।

IPL 2022: गुलजार होने को तैयार आइपीएल का बाजार, 10 टीमें लगाएंगी जमकर बोली

नई दिल्ली। अनुभवी सलामी बल्लेबाज शिखर धवन, स्पिनर रविचंद्रन अश्विन और श्रेयस अय्यर जैसे शीर्ष भारतीय खिलाड़ियों के साथ पैट कमिंस और कैगिसो रबादा जैसे दिग्गज विदेशी खिलाडी इंडियन प्रीमियर लीग (आइपीएल) की आगामी नीलामी में दो करोड़ रुपये के उच्चतम आधार मूल्य वर्ग (बेस प्राइस) में शामिल हैं। इस बड़ी नीलामी का आयोजन 12 और 13 फरवरी को बेंगलुरु में होगा।

आइपीएल के 15वें संस्करण का आयोजन मार्च के अंतिम सप्ताह से शुरू होने की उम्मीद है लेकिन आधिकारिक रूप से इसकी तारीख और आयोजन स्थल की घोषणा नहीं हुई है। भारत के अनुभवी तेज गेंदबाज मुहम्मद शमी और भुवनेश्वर कुमार, देवदत्त पडिकल, लेग स्पिनर युजवेंद्रा सिंह चहल और तेज गेंदबाज शार्दुल ठाकुर भी शीर्ष मूल्य वाली श्रेणी में हैं। हरफनमौला मिशेल मार्श और स्टीव स्मिथ की आस्ट्रेलियाई जोड़ी के अलावा बांग्लादेश के शाकिब अल हसन ने भी खुद को शीर्ष श्रेणी में रखा है। वहीं, इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर को भी नीलामी में शामिल किया गया है, लेकिन कोहनी की चोट से वह अभी पूरी तरह उबरे नहीं है, इसलिए उनका खेलना तय नहीं माना जा रहा है। नीलामी में भारत के बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा और पूर्व तेज गेंदबाज एस श्रीसंत भी शामिल हैं। आइपीएल में इस बार अहमदाबाद और लखनऊ नामक दो नई फ्रेंचाइजी शामिल हुई हैं जिससे इस टूर्नामेंट में अब 10 टीमें हिस्सा लेंगी। आलराउंडर हार्दिक पांड्या अहमदाबाद, जबकि लोकेश राहुल लखनऊ टीम की कमान संभालेंगे। श्रीसंत की भी लगेगी बोली : स्पाट फिक्सिंग मामले में सात साल की सजा काट चुके भारत और केरल के तेज गेंदबाज एस श्रीसंत भी इस बार नीलामी का हिस्सा होंगे। उनका आधार मूल्य 50 लाख रुपये है। वह आइपीएल के शुरुआती छह सत्रों में तीन टीमों के लिए कुल 44 मैच खेल चुके हैं। साल 2013 में श्रीसंत जब राजस्थान रायल्स के खिलाड़ी थे, तब उनका नाम स्पाट फिक्सिंग में सामने आया था। बीसीसीआइ ने उन्हें दोषी पाते हुए उन पर आजीवन प्रतिबंध लगाया था। कुछ साल बाद श्रीसंत ने कोर्ट में इस फैसले के खिलाफ मुकदमा किया और कोर्ट ने उनका प्रतिबंध कम कर सात साल कर दिया था। श्रीसंत ने पिछले सत्र के लिए भी अपना नाम रजिस्टर कराया था, लेकिन तब किसी भी फ्रेंचाइजी ने उनके नाम पर कोई रुचि नहीं दिखाई थी। वहीं, आइपीएल फिक्सिंग के याचिकाकर्ता आदित्य वर्मा के बेटे लखन राजा का नाम भी नीलामी की सूची में शामिल है। 1214 से छांटकर 590 खिलाड़ियों के नाम नीलामी सूची में शामिल किए गए है। इनमें 228 कैप्ड और 355 अनकैप्ड खिलाड़ी हैं। साथ ही एसोसिएट देश के सात खिलाड़ियों की भी बोली लगाई जाएगी। 10 खिलाड़ियों को मार्की सेट (सबसे नामी खिलाड़ियों का समूह) में रखा गया है। इन सभी का आधार मूल्य दो करोड़ रुपये है। नीलामी में सबसे पहले इनकी बोली लगेगी। इनमें रविचंद्रन अश्विन, ट्रेंट बोल्ट, पैट कमिंस, क्विंटन डिकाक, शिखर धवन, फाफ डुप्लेसिस, श्रेयस अय्यर, कैगिसो रबादा, मुहम्मद शमी और डेविड वार्नर शामिल हैं।370 भारतीय खिलाड़ी और 220 विदेशी क्रिकेटर नीलामी में शामिल होंगे। विदेशी खिलाड़ियों में आस्ट्रेलिया के सबसे अधिक 47 खिलाड़ी शामिल हैं। वेस्टइंडीज के 34, दक्षिण अफ्रीका के 33, इंग्लैंड के 24, न्यूजीलैंड के 24, श्रीलंका के 23, अफगानिस्तान के 17, बांग्लादेश के पांच, आयरलैंड के पांच, नामीबिया के तीन, स्काटलैंड के दो और जिंबाब्वे, अमेरिका व नेपाल के एक-एक खिलाड़ी नीलामी का हिस्सा होंगे। 2 करोड़ रुपये उच्चतम आधार मूल्य वर्ग है। 48 खिलाड़ियों को इस वर्ग में रखा है। 20 खिलाड़ी ऐसे हैं जिनकी आधार मूल्य 1.5 करोड़ रुपये है, जबकि 34 खिलाड़ी एक करोड़ रुपये के आधार मूल्य के हैं। 42 वर्षीय दक्षिण अफ्रीकी लेग स्पिनर इमरान ताहिर नीलामी में सबसे उम्रदराज खिलाड़ी हैं। उनका आधार मूल्य दो करोड़ रुपये है। 17 साल के नूर अहमद नीलामी में शामिल सबसे युवा खिलाड़ी है। अफगानिस्तान के नूर का आधार मूल्य 30 लाख रुपये है। वह इस समय अंडर-19 विश्व कप में खेलने वाली अफगानिस्तानी टीम का हिस्सा है।13-14 फरवरी को होने वाली नीलामी में शामिल होंगे 590 खिलाड़ी धवन, श्रेयस, अश्विन, रबादा, वार्नर व पांच अन्य शीर्ष मूल्य के वर्ग में नीलामी में शामिल बड़े भारतीय खिलाड़ी व उनका आधार मूल्य- आधार मूल्य (रुपये में) : खिलाड़ी 2 करोड़ : रविचंद्रन अश्विन, शिखर धवन, श्रेयस अय्यर, मुहम्मद शमी, उमेश यादव, इशान किशन, युजवेंद्रा सिंह चहल1.5 करोड़ : इशांत शर्मा, वाशिंगटन सुंदर 1 करोड़ : अजिंक्य रहाणे, कुलदीप यादव 50 लाख : चेतेश्वर पुजारा, हनुमा विहारी

IPL 2022 में 48 खिलाड़ी 2 करोड़ के ब्रैकेट में, जानिए रैना से लकर रायुडू तक सबके नाम

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2022 के लिए मेगा नीलामी 12 और 13 फरवरी को बेंगलुरु में आयोजित किया जाएगा। इस नीलामी में 590 खिलाड़ियों की बोली लगेगी जिसकी लिस्ट बीसीसीआइ द्वारा जारी कर दी गई है। इस नीलामी में जिन खिलाड़ियों को शार्टलिस्ट किया गया है उसमें

370 भारतीय खिलाड़ी हैं जबकि 220 खिलाड़ी विदेशी हैं। इन खिलाड़ियों में भारत और ओवरसीज के कई बड़े-बड़े नाम शामिल हैं तो वहीं 2 करोड़ की बेस प्राइस वाले खिलाड़ियों की संख्या 48 है। इसके अलावा 20 खिलाड़ी डेढ़ करोड़ की बेस प्राइस वाले हैं तो वहीं 34 खिलाड़ियों ने अपना बेस प्राइस एक करोड़ रुपये रखा है। अब हम बात करने जा रहे हैं ऐसे खिलाड़ियों की जिन्होंने अपना बेस प्राइस दो करोड़ रुपये रखा है। इन खिलाड़ियों में एडम जंबा, आदिल राशिद, अंबाती रायुडू, एस्टन एगर, भुवनेश्वर कुमार, क्रिस जार्डन, क्रेग ओवर्टन, डेविड वार्नर, डेविड विले, दीपक चाहर, देवदत्त पडीक्कल, दिनेश कार्तिक, ड्वेन ब्रावो, इविन लुईस, फेबियन एलन शामिल हैं। दो करोड़ की ब्रैकेट में शामिल होने वाले अन्य खिलाड़ी फाफ डुप्लेसिस, हर्षल पटेल, इमरान ताहिर, इशान किशन, जेम्स विंस, जेसन राय, जोस हेजलवुड, कगिसो रबादा, क्रुणाल पांड्या, लाकी फर्ग्यूसन, मरचेंट डिलेंगे, मार्क वुड, मैथ्यू वेड, मिचेल मार्श, मो. शमी, मुस्ताफिजुर रहमान, नाथन कूल्टर नाइल, ओडियन स्मिथ, पैट कमिंस, क्विंटन डिकाक, राबिन उथप्पा, सैम बिलिंग्स, शाकिब महमूद, शाकिब अल हसन, शार्दुल ठाकुर, शिखर धवन, श्रेयस अय्यर, स्टीव स्मिथ, सुरेश रैना, ट्रेंट बोल्ट, उमेश यादव, युजवेंद्रा चहल, मुजीब जारदान व आर अश्विन शामिल है। हालांकि इन खिलाड़ियों में से कुछ नाम ऐसे है जो चौंकाने वाले हैं क्योंकि इनमें से कइयों का प्रदर्शन टी20 क्रिकेट के लिहाज से सही नहीं है। जिन खिलाड़ियों पर इस नीलामी में सबसे ज्यादा नजरें लगी रहेगी उसमें सुरेश रैना, शिखर धवन, श्रेयस अय्यर, दीपक चाहर, डेविड वार्नर, ड्वेन ब्रावो, स्टीव स्मिथ, आर अश्विन, इशान किशन, फाफ डुप्लेसिस जैसे खिलाड़ी हैं। ये देखना दिलचस्प होगा कि 2 करोड़ की बेस प्राइस वाले ये खिलाड़ी कितने में बिकते हैं।

राशिफल

मेष-: आज आप राजनीति में अत्यधिक रुचि ले रहे हैं. आज आप महसूस करेंगे कि बदलाव का समय आ गया है। आपको भरोसे की उम्मीद के साथ देखा जाएगा। आपकी योग्यताएं आपके लिए अवसरों के द्वार खोल देंगी।

वृष-: आज का दिन जीवनसाथी के साथ स्नेह से व्यतीत करेंगे। इससे मूड अच्छा रहेगा। आपके काम करने का नया अंदाज उन लोगों में दिलचस्पी पैदा करेगा जो आपके काम पर पैनी नजर रखते हैं।

मिथुन-: आज आप जनकल्याणकारी कार्यों में अपना सहयोग देंगे. आपके व्यवसाय और व्यवसाय के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ निर्मित होंगी। विरोधी आपके सामने घुटने टेक सकते हैं। लंबे समय से अटके काम आज पूरे होंगे

कर्क-: रोमांस की दुनिया में आज आपके खाते में फिर से मिलने का योग है. आज आपकी मुलाकात अपने पुराने पार्टनर से हो सकती है। इस समय आपको किसी विरोध या प्रतिस्पर्धा का सामना नहीं करना पड़ेगा।

सिंह-: आज का दिन पहले से बेहतर रहेगा. जो लोग राजनीति से जुड़े हैं वे आज किसी सामाजिक कार्यक्रम में जाएंगे, सबका ध्यान आपकी बातों पर रहेगा। इस राशि के छात्रों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

कन्या-: आज का दिन ऐसा है जब चीजें वैसी नहीं रहेंगी जैसी आप चाहते हैं. आपकी आय के स्रोत विकसित होंगे। कुछ पुराने मित्रों से संपर्क हो सकता है। क्रोध और वाणी पर संयम रखें। खान-पान में भी संयम रखें।

तुला-: आज निजी क्षेत्र में तरक्की का माहौल रहेगा. अगर आप अपने काम से बाहर आना चाहते हैं तो आज के दिन कोई शुभ समाचार और आर्थिक लाभ की बात हो सकती है। इस सकारात्मक विकास का अधिकतम लाभ उठाएं।

वृश्चिक-: आज का दिन परिवार वालों के साथ बीतेगा. यदि आपका बच्चा परीक्षा में बहुत अच्छा नहीं कर सकता है, तो उसे फटकारें नहीं, बल्कि उसे अगली बार बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित करें।

धनु-: आज आपका प्रिय आपके साथ समय बिता सकता है और उपहार की उम्मीद कर सकता है. परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियां सभी को खुश रखेंगी। पारिवारिक जीवन को पर्याप्त समय और ध्यान दें।

मकर-: आज आपको कोई बहुत जरूरी काम पूरा करने की जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है. लेकिन सफलता पाने के लिए आपको दूसरों का मार्गदर्शन करना होगा और उन्हें प्रोत्साहित भी करना होगा।

कुंभ-: आज का दिन धार्मिक कार्यों में व्यतीत होगा. आज आप भजन-कीर्तन में शामिल होने की योजना बनाएंगे। इस राशि के लोगों को अपनी सेहत का ध्यान रखने की जरूरत है। लवमेट का आज का दिन रोमांस से भरपूर रहेगा।

मीन-: आज व्यापार में लाभ होगा. नौकरी में उन्नति के योग बनेंगे। संतान का सहयोग मिलेगा। आज अधिक से अधिक काम करने की कोशिश करें क्योंकि आज आपको अपने सभी कामों में सफलता मिलेगी।

सम्पादकीय

आम बजट में वित्त मंत्री ने खपत और रोजगार बढ़ाने पर दिया जोर, जिससे समग्र अर्थव्यवस्था को लाभ मिलेगा

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कोरोना से उबरती अर्थव्यवस्था को गतिशील करने के लिए एक व्यावहारिक और सार्थक बजट प्रस्तुत किया है। इसके लिए राजकोषीय घाटे को बढ़ाने से भी कोई संकोच नहीं किया है। व्यापक रणनीतिक प्रविधानों से अर्थव्यवस्था को विभिनन्-चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार किया है। वित्त मंत्री को विश्वास है कि वित्त वर्ष 2022-23 में व्यापक वैक्सीन कवरेज, आपूर्ति-पक्ष सुधार और नियमों में ढील से विकास को गति मिलेगी। सार्वजनिक निवेश के साथ निजी क्षेत्र का निवेश अच्छी स्थिति में रहेगा। बजट में खेती और किसानों के हितों को उच्च प्राथमिकता दी गई है। किसानों की आमदनी बढ़ाने के मद्देनजर कृषि में निजी निवेश बढ़ाने के लिए प्रोत्साहन दिए गए हैं। प्राकृतिक खेती और मांग आधारित खेती को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष घोषणा की गई है। न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर की जाने वाली सरकारी खरीद के लिए 2.37 लाख करोड़ रुपये का प्रविधान किया गया है। खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को आगे बढ़ाने के लिए नए प्रविधान किए गए हैं। कृषि उत्पादों की मार्केटिंग, ब्रांडिंग और निर्यात को बढ़ावा देने के लिए बड़े एलान किए गए हैं। वित्त मंत्री ने बुनियादी ढांचे पर पूंजीगत व्यय बढ़ाकर आर्थिक गतिविधियों, खपत और नौकरियों के सृजन को बढ़ावा देने की रणनीति अपनाई है। वित्त वर्ष 2022-23 के लिए 7.5 लाख करोड़ रुपये पूंजीगत व्यय का लक्ष्य रखा है। यह जीडीपी का 2.9 प्रतिशत है। बजट में सौर ऊर्जा सेक्टर को लेकर भी बड़ी घोषणा हुई है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में पीएम आवास योजना के तहत 80 लाख घरों के निर्माण को पूरा करने के लिए 48 हजार करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। किफायती आवास, रियल एस्टेट और निर्माण पर सरकार ने जोर दिया है। सरकार चाहती है कि आने वाले वर्षों में भारत विश्व का मैन्यूफैक्चरिंग हब बनकर उभरे। इसी लक्ष्य की पूर्ति के लिए वित्त मंत्री ने बजट में मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर के लिए बड़े एलान किए हैं। श्रम आधारित कृषि क्षेत्र और सूती वस्त्र उद्योगों को बड़े प्रोत्साहन दिए गए हैं। आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत बजट में पीएलआइ (उत्पादन आधारित प्रोत्साहन) योजना को गतिशील करने के लिए आवंटन बढ़ाए गए हैं। इससे चीन और अन्य देशों से कच्चे माल और विभिनन्-वस्तुओं के आयात को कम किया जा सकेगा। वित्त मंत्री ने रिकार्ड निर्यात का लक्ष्य रखते हुए विभिनन्-कच्चे माल पर आयात शुल्क घटाया है। ये आयात शुल्क ऐसी चीजों के कच्चे माल पर घटाए गए हैं, जिनका पीएलआइ क्षेत्र के उद्योगों में उपयोग होता है। बजट में वोकल फार लोकल को बढ़ावा देने के साथ-साथ सावरेन ग्रीन बांड लाने का भी प्रस्ताव है। वित्त मंत्री ने देश में खुदरा कारोबार और स्टार्टअप को प्रोत्साहन देने तथा कारोबार करने के लिए आवश्यक लाइसेंस की संख्या घटाकर उनका अनुपालन बोझ हल्का करने का निणय्य लिया है। स्टार्टअप के लिए टैक्स छूट 31 मार्च, 2023 तक बढ़ाई गई है। एमएसएमई सेक्टर को दो लाख करोड़ रुपये का विशेष राहत पैकेज दिया गया है। विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) के विकल्प की घोषणा कर उसे अधिक उपयोगी बनाने की बात कही है। आपातकालीन क्रेडिट लाइन गारंटी योजना को मार्च 2023 तक बढ़ाया गया है। गारंटी कवर को भी पांच लाख करोड़ रुपये तक बढ़ाया गया है। इससे उद्योगों में पूंजी की राह आसान होगी। बजट में केंद्रीय सहकारिता मंत्रालय के गठन की प्रक्रिया को अंतिम रूप देने और सहकारी संस्थाओं को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष प्रविधान किए गए हैं। कोआपरेटिव सोसायटी के लिए मैट की दर घटाकर 15 फीसद की गई है। राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूती देने के लिए रक्षा बजट और रक्षा अनुसंधान में बड़ा इजाफा किया गया है। हालांकि बजट के समक्ष कई चुनौतियां भी दिखाई दे रही हैं। दरअसल बजट अनुमान कच्चे तेल की 70-75 डालर प्रति बैरल की कीमत पर आधारित हैं। जबकि इस समय कच्चे तेल की कीमतें करीब 90 बैरल के आसपास हैं। ' सरकारी विभागों को किए गए भारी भरकम आवंटन को उपयुक्त रूप से खर्च करने की है। देश की अर्थव्यवस्था को वित्त वर्ष 2024-25 तक पांच लाख करोड़ डालर तक पहुंचाने के लिए अगले तीन वर्षों के दौरान बुनियादी ढांचा क्षेत्र में करीब 105 लाख करोड़ रुपये का निवेश करना पड़ेगा, लेकिन इतना धन जुटाना सरल नहीं होगा।

स्वाधीनता के अमृत काल में प्रतुत नए भारत को गढने का क्या है संकल्प

सामान्य तौर पर बजट के मौसम में अपेक्षाएं बढ़ जाती हैं कि सरकार लोगों, खासतौर पर मध्यम वर्ग को खुश करने के लिए करों में राहत देगी। कारपोरेट सेक्टर की लाबिंग रहती है कि उन पर टैक्स घटाने की बात होगी। विदेशी निवेशकों को लगता है कि वित्त मंत्री के पिटारे में से उनके लिए भी कुछ कर राहतें निकलेंगी। लेकिन वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के बजट 2022-23 में ऐसा कुछ नहीं रहा। बल्कि कहा जा सकता है कि जब देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है, तो यह बजट आगामी 25 वर्षों के विकास का खाका प्रस्तुत करता हुआ दिखाई दे रहा है पिछले दो-तीन दशकों से बजट में यह देखा जा रहा है कि सरकार पूंजीगत खर्च की ओर से स्वयं को धीरे धीरे विमुख करती जा रही है। ऐसा लगता था कि शायद पूंजीगत निवेश का सारा दारोमदार निजी क्षेत्र पर आ गया है। उस पर भी तुर्रा यह कि विदेशी निवेश हर कमी की भरपाई कर सकता है, चाहे वह प्रौद्योगिकी विकास हो, रोजगार हो, निवेश हो अथवा निर्यात। लेकिन पिछले लगभग एक दशक से तमाम प्रयासों के बावजूद देश में पूंजी निवेश बढ़ नहीं पा रहा, चाहे वह सार्वजनिक क्षेत्र हो अथवा निजी क्षेत्र। सरकार के सोच में बदलाव हुआ और सरकार ने संरचनागत ढांचा समेत कई क्षेत्रों में पूंजी निवेश करना शुरू किया। पिछले दो वर्षों से कोरोना की मार सह रही अर्थव्यवस्था में एक नई जान फूंकने के लिए सार्वजनिक और निजी दोनों प्रकार के निवेश को बढ़ाने की जरूरत महसूस की जा रही थी, लेकिन कोरोना के कारण राजस्व भी बुरी तरह से प्रभावित हो रहा था जिस कारण सरकार जो पहले से ही गरीबों की बेहतरी की व्यवस्था करने और कोरोना के राहत पैकेज पर खर्च बढ़ा चुकी थी, उसके लिए निवेश के लिए धन जुटाना संभव नहीं हो पा रहा था। परंतु वर्तमान वित्त वर्ष में 9.2 प्रतिशत की वृद्धि दर के चलते जीएसटी प्राप्तियों में भी अच्छी वृद्धि हुई और प्रत्यक्ष करों के राजस्व में भी। इसका पूरा फायदा उठाते हुए चालू वित्त वर्ष में भी पूंजीगत व्यय में वृद्धि हुई है और आगामी वर्ष में भी साढ़े सात लाख हजार करोड़ रुपये खर्च का प्रविधान किया गया है, जो वर्तमान बजट का 19 प्रतिशत है। पिछले तीन दशकों में शायद यह खर्च सर्वाधिक है। इस स्थिति में वित्त मंत्री ने लोकलुभावन नीतियों से परहेज करते हुए 'प्रधानमंत्री गति शक्ति परियोजनाऽ को तेजी प्रदान करने का प्रयास किया है। इसमें विविध प्रकार के इन्फ्रास्ट्रक्चर के समन्वित विकास का लक्ष्य है, ताकि देश में लाजिस्टिक लागत को कम करते हुए देश की कार्यदक्षता में वृद्धि की जा सके। इसके लिए विभिनन्-प्रकार के खर्चों का प्रविधान तो किया ही है, साथ ही लघु उद्योगों, डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर, शिक्षा के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर, पेयजल के लिए व्यवस्था एवं गरीबों के लिए आवास समेत विविध प्रकार के खर्चों का प्रविधान किया है। यह सभी भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए किया गया है। कहा जा सकता है कि यह बजट लोकलुभावन नहीं, बल्कि आगामी 25 वर्षों के विकास पर केंद्रित है। उद्योगों का संरक्षण : भूमंडलीकरण के दौर में संरक्षण एक प्रकार से प्रतिबंधित शब्द हो गया था।

भूमंडलीकरण के प्रति मोह के चलते इस बात का ध्यान ही नहीं रखा गया कि 2001 के बाद चीन से आयातों के बढ? से देश का विनिर्माण क्षेत्र लगभग तबाह हो गया। चीन द्वारा अपनाए गए हथकंडों के चलते हमारा एपीआइ यानी दवाओं के लिए कच्चा माल बनाने वाला उद्योग नष्ट हुआ, इलेक्ट्रानिक उद्योग तो अपने शैशव काल में ही मृत्यु को प्राप्त हो गया, रासायनिक उद्योग पर भी बुरा प्रभाव पड़ा और लघु उद्योगों की जो दुर्गति हुई उसे सब जानते ही हैं। डब्लूटीओ यानी विश्व व्यापार संगठन में हमें औसतन 40 प्रतिशत टैरिफ लगाने का अधिकार था, लेकिन हम औसतन मात्र 10 प्रतिशत का ही टैरिफ लगा रहे थे। नतीजा हम सबने देखा। कोरोना से पूर्व ही मोदी सरकार के पूर्व वित्त मंत्री अरुण जेटली ने फरवरी 2018 में प्रस्तुत अपने बजट में भारत के इलेक्ट्रानिक और टेलीकाम उद्योग को संरक्षण देते हुए टैरिफ को 10 प्रतिशत से 20 प्रतिशत करने की घोषणा की थी। उसके बाद संरक्षण का यह क्रम निरंतर बढ़ता रहा। कोरोना काल के दौरान सरकार ने अपनी ही पूर्व की 'मेक इन इंडियाऽ नीति में बदलाव करते हुए, आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को रेखांकित किया। जिन क्षेत्रों में आयातों के कारण सबसे ज्यादा प्रभाव पड़ा है उनमें से 13 क्षेत्रों को चिन्हित करते हुए उत्पादन से संबद्ध प्रोत्साहन यानी पीएलआइ योजना शुरू की गई। सेमीकंडक्टर को देश में ही बनाने के लिए पिछले माह 10 अरब डालर के सहयोग की घोषणा भी हुई। यह सब देश के उद्योगों के संरक्षण के लिए किया गया। वर्तमान बजट में भी उस नीति को जारी रखते हुए सरकार ने विविध क्षेत्रों एवं उत्पादों के हिसाब से टैरिफ बढ़ाने की घोषणा की है और कई क्षेत्रों में जहां पूर्व में देश में उत्पादन बढ़ाने के लिए मध्यवर्ती वस्तुओं के टैरिफ घटाए गए थे, उस छूट को भी वापस लिया है। देश में सौर ऊर्जा के उपकरणों के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए 19,500 करोड़ रुपये की विशेष घोषणा भी बजट में हुई है। कृषि विकास : हरित क्रांति के समय से जिस प्रकार से देश में रासायनिक खेती को बढ़ावा दिया गया, उससे कृषि उत्पादन तो बढ़ा, लेकिन साथ ही किसानों का कृषि पर खर्च भी बढ़ा और हमारे खाद्य पदार्थों में कीटनाशकों समेत अनचाहे रसायन भी आ गए। पिछले कुछ समय से सरकार का जोर रसायनमुक्त खेती की ओर है। रसायनमुक्त खेती के लक्ष्य को क्रमशः आगे बढ़ाते हुए इस बजट में प्राकृतिक खेती, जीरो बजट खेती और जैविक खेती के लिए प्रोत्साहन का प्रविधान किया गया है। देश में खाद्याननें का उत्पादन जरूरत से ज्यादा है और तिलहनों का कम, जिस कारण देश की निर्भरता विदेशी खाद्य तेलों पर ज्यादा है। इसको दुरुस्त करने के लिए भी बजट में प्रविधान किया गया है। हालांकि किसान आंदोलन तो खत्म हो गया है, लेकिन किसानों की स्थिति को बेहतर करने के लिए उनकी उपज के लाभकारी मूल्य को सुनिश्चित करने की जरूरत थी, जिसे बजट में स्थान मिला है। राज्यों को मदद : कोरोना की मार झेल रहे राज्य सरकारों के खजाने को मदद देने की जरूरत महसूस की जा रही थी। पिछले साल के बजट में इस मद में 10 हजार करोड़ रुपये का प्रविधान किया गया था, जिसे संशोधित अनुमानों में बढ़ाकर 15 हजार करोड़ रुपये किया गया और अगले वर्ष के लिए एक लाख करोड़ रुपये का प्रविधान बजट में किया गया है, जिसे राज्य कुछ विशेष खर्चों के लिए इस्तेमाल कर पाएंगे। अगले 40 दिनों में होने जा रहे पांच राज्यों के चुनावों के बावजूद, लोकलुभावन नीतियों से परहेज करते हुए, विशुद्ध रूप से आर्थिक विकास को गति देने और नीतिगत विसंगतियों को दूर करने के तमाम प्रयास इस बजट में देखे जा सकते हैं।

मोदी सरकार ने देश के आर्थिक भविष्य को सुधारने पर दिया ध्यान

कोरोना संकट के बीच आया एक और आम बजट इसलिए विशेष रूप से उल्लेखनीय है, क्योंकि मोदी सरकार ने देश के आर्थिक भविष्य को सुधारने पर ध्यान दिया, न कि लोकलुभावन योजनाओं के

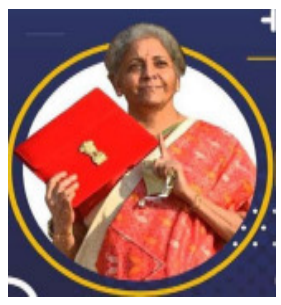

जरिये फौरी वाहवाही पाने अथवा कोई राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश की। यह कदम एक ऐसे समय उठाया गया जब राजनीतिक दृष्टि से सबसे अहम राज्य उत्तर प्रदेश समेत पांच राज्यों के चुनाव होने जा रहे हैं और उन्हें लघु आम चुनाव की भी संज्ञा दी जा रही है। यह न केवल सरकार के आत्मविश्वास को प्रकट करता है, बल्कि यह भी इंगित करता है कि उसे यह भरोसा है कि देश की जनता उसकी ओर से उठाए जाने वाले कदमों का अनुमोदन करेगी। निःसंदेह अर्थनीति राजनीति से विरत नहीं हो सकती, लेकिन उसे इसका बंधक भी नहीं बनना चाहिए। यह सही है कि बजट में मध्य वर्ग को कोई वैसी राहत नहीं मिली जिसकी अपेक्षा की जा रही थी, लेकिन यह महत्वपूर्ण है कि सरकार ने पूंजीगत व्यय में भारी-भरकम व्यय करने की योजना बनाई उसके साकार होने से अंततः आम आदमी को ही लाभ मिलेगा। इसके साथ-साथ अर्थव्यवस्था को भी गति मिलेगी। अर्थव्यवस्था को गति देने का काम शहरीकरण की उन योजनाओं को आगे बढ़ाने से भी होगा जिनका विवरण बजट में दिया गया है। शहरीकरण को प्राथमिकता देना समय की मांग है और जरूरत भी, क्योंकि आगामी कुछ वर्षों में देश की करीब पचास प्रतिशत आबादी शहरी क्षेत्रों में निवास करेगी।

बजट में आखिर डिजिटल राह पर तेजी से किस प्रकार से अग्रसर होगी शिक्षा

विश्व अर्थव्यवस्था में अब अधिकांश क्षेत्रों में डिजिटलाइजेशन का तेजी से उपयोग हो रहा है। साथ ही इसका दायरा निरंतर बढ़ता जा रहा है। इस बीच तकनीक आधारित शिक्षा का तेजी से प्रचार-प्रसार हो रहा है। ऐसी स्थिति में पुरानी शिक्षा पद्धति में परिवर्तन आवश्यक हो गया है। वर्ष 2022-23 के आम बजट में शिक्षा के नवीनीकरण और डिजिटलाइजेशन की ओर विशेष ध्यान दिया गया है। शिक्षा पर होने वाला खर्च जो 2021-22 में 2020-21 की अपेक्षा लगभग छह प्रतिशत कम कर दिया गया था, यानी 99311 करोड़ रुपये से घटकर 93224 करोड़ रुपये रह गया था, उसे 2022-23 के बजट में 6.4 प्रतिशत बढ़ाकर 40828 करोड़ रुपये कर दिया गया है कोरोना के कारण पिछले दो वर्षों से बच्चे स्कूल जाने से वंचित हैं। ऊंची कक्षाओं की पढ़ाई आनलाइन होती रही, किंतु स्कूली शिक्षा बुरी तरह प्रभावित हुई। गांवों में विशेषकर पिछड़े वर्ग के बच्चों के लिए शिक्षा का दरवाजा लगभग बंद ही हो गया था। इस कमी को पूरा करने के लिए बजट में विशेष प्रविधान किए गए हैं। कृषि शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए नई तकनीक का सहारा लिया जाएगा। शिक्षकों को डिजिटल एजुकेशन में प्रशिक्षित करने के लिए भी बजट में विशेष प्रविधान किए गए हैं। देश की सभी भाषाओं में डिजिटल एजुकेशन हो सके इसके लिए सरकार ने बजट में सजकता दिखाई है। पहली से 12वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए -एक क्लास एक टीवी चैनल- योजना का विस्तार किया जाएगा। ऐसे टीवी

चैनलों की संख्या 12 से बढ़कर अब 200 हो जाएगी। विभिनन् भाषाओं के अलग-अलग चैनल होंगे, ताकि छात्र अपनी भाषा में शिक्षा प्राप्त कर सकें। आनलाइन शिक्षा में छात्रों का प्रवेश राष्ट्रीय स्तर पर होगा, देश के किसी कोने में रहने वाले कहीं से भी रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। टीवी, मोबाइल, स्मार्टफोन, इंटरनेट से आनलाइन शिक्षा की सुविधा का व्यापक विस्तार होगा। दूरसंचार के जरिये शिक्षा का प्रसार तेजी से हो पाएगा, विशेषकर गांवों एवं छोटे शहरों के छात्र शिक्षा के नए पोर्टलों से बहुत लाभान्वित होंगे। युवाओं में कौशल बढ़ाने एवं आजीविका के साधनों के विकास में डिजिटल शिक्षा विशेष लाभदायक साबित होगी। डिजिटल इको सिस्टम कौशल विकास और आजीविका के लिए एक विशेष पोर्टल लांच किया जाएगा जो कौशल प्रशिक्षण और उसे अपडेट करने में भी सहायक होगा। इस पोर्टल का उपयोग नौकरी तलाशने एवं नए उद्योग-धंधे लगाने के अवसरों के बारे में भी जानकारी के लिए किया जा सकेगा। बजट में विश्व स्तर की एक डिजिटल विश्वविद्यालय की स्थापना का भी प्रविधान है, जहां से छात्र घर बैठे अपनी भाषा में उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकेंगे।द श्वविद्यालय और शिक्षा संस्थान इसके संचालन में सहयोग करेंगे। कृषि शिक्षा के नवीनीकरण और गुणवत्ता में वृद्धि के लिए आधुनिक विषय और तकनीक शामिल किए जाएंगे। कृषि विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रम में आवश्यक परिवर्तन किया जाएगा। प्रकृति आधारित और आर्गेनिक खेती को कृषि शिक्षा का अंग बनाया जाएगा। गंगा के किनारे रसायन मुक्त प्राकृतिक खेती की शुरुआत की जाएगी। सरकार और निजी क्षेत्र के सहयोग से किसानों को डिजिटल सेवाएं प्रदान की जाएंगी। कृषि पदार्थों की ब्रांडिंग का भी विकास किया जाएगा। कृषि उत्पाद को बढ़ावा देने के लिए स्टार्टअप्स को वित्तीय सहायता दी जाएगी। ड्रोन भी अब किसानों की सेवा में लगाए जाएंगे।डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए प्राथमिक विद्यालय स्तर से लेकर विश्वविद्यालय स्तर तक के अध्यापकों के बड़े स्तर पर प्रशिक्षण की आवश्यकता है। साथ ही विद्यालयों, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में कंप्यूटर एवं इलेक्ट्रानिक उपकरणों के लिए विशेष धन आवंटित करने की भी आवश्यकता है। बजट में जो प्रविधान किए गए है उनमें और वृद्धि करनी पड़ सकती है।

कोरोना से उबरती अर्थव्यवस्था को सहारा देने के लिए सरकार ने बजट में खर्च बढ़ाने का सही कदम उठाया है

बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की राजकोषीय रणनीति से स्पष्ट है कि पिछले बजट की तुलना में इस बार आर्थिक परिदृश्य काफी कुछ बदला हुआ है। यह बजट एक प्रकार से आर्थिक मोर्चे पर हो रहे सुधार को रफ्तार देने वाला है। इसे बनाने से पूर्व सबसे बड़ी चुनौती यही संतुलन साधने की थी कि अर्थव्यवस्था की वृद्धि संबंधी संभावनाओं को भुनाने में सरकारी खर्च बढ़ाने और कोविड महामारी से उपजी आकस्मिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए क्या उपाय किए जाएं। ऐसे में बजट के समग्र राजकोषीय रुझान एवं उसके व्यय की दिशा के निहितार्थों को समझना होगा। जीडीपी के 6.9 प्रतिशत के बराबर रहा राजकोषीय घाटा जरूर अनुमान से अधिक है। यह 17.6 प्रतिशत की अनुमानित (नामिनल) जीडीपी वृद्धि में कर संग्रह में अप्रत्याशित तेजी एवं जीएसटी प्रक्रिया के और सुसंगत होने के बावजूद हुआ है। यदि विनिवेश में शिथिलता न आई होती तो घाटे को लेकर तीर सटीक निशाने पर ही लगा होता। जहां तक राजकोषीय नीति की बात है तो हाल-फिलहाल से लेकर आगामी वित्त वर्ष के लिए वह व्यापक रूप से वृद्धि को समर्थन देने वाली दिख रही है। आगामी वित्त वर्ष के लिए सरकार ने बेहद संकुचित भाव से अनुमानित जीडीपी की 11.1 प्रतिशत वृद्धि दर के आधार पर राजकोषीय घाटे का लक्ष्य 6.4 प्रतिशत रखा है। विगत दो वर्षों का अनुभव यही दर्शाता है कि कोविड की अनुवर्ती लहर आर्थिक रूप से कम घातक सिद्ध हुई है। व्यापक टीकाकरण और वायरस के साथ जीने की सहज वृत्ति विकसित होने को इसका श्रेय जाता है। इससे वृद्धि को भी व्यापक स्वरूप लेने में सहायता मिलेगी। इस राह में कुछ चुनौतियां भी हैं। जैसे कच्चे तेल की कीमतों का रुख, सुस्त वैश्विक अर्थव्यवस्था, भू-राजनीतिक

गतिविधियां एवं टकराव। मौजूदा पड़ाव पर ये वृद्धि के लिए जोखिम उत्पनन् कर रहे हैं। फिर भी यही उम्मीद है कि अगले वित्त वर्ष में अनुमानित जीडीपी वृद्धि दर जहां 12 से 13 प्रतिशत के दायरे में रहेगी वहीं वास्तविक वृद्धि 7.8 प्रतिशत रह सकती है। कर संग्रह लक्ष्य में भी तेजी के आसार हैं। वित्त मंत्री ने कहा है कि वर्ष 2025-26 में राजकोषीय घाटा घटकर जीडीपी के 4.5 प्रतिशत तक आ सकता है। यह फिर भी महामारी पूर्व 3.3 प्रतिशत के आंकड़े से ऊंचा होगा। ऐसे में ध्यान रखना होगा कि अधिक खर्च की तात्कालिक आवश्यकता एवं चरणबद्ध तरीके से ऋण और घाटे को घटाने पर कोई लापरवाही न की जाए। आखिर अपने समकक्ष देशों में भारत का जीडीपी के अनुपात में ऋण का स्तर सबसे ऊंचा है। सरकार ने खर्च बढ़ाकर महामारी से प्रभावित तबके को राहत प्रदान करने का प्रयास किया है। इससे मांग भी स्वाभाविक रूप से बढ़ेगी। इस लिहाज से यह कदम सकारात्मक ही कहा जाएगा। वर्ष 2021-22 में भारतीय घरेलू उपभोग तीन प्रतिशत रहा, जो 2019-20 से कम था। उपभोग में कमी का मौजूद चक्र वास्तव में आय असमानता का एक परिणाम है, जिसे महामारी ने और बढ़ाने का काम किया, जहां अमीर और अमीर, जबकि गरीब और गरीब होते दिखे। महामारी की एक के बाद एक लहर को काबू करने के लिए लगे प्रतिबंध, शारीरिक दूरी और पनपे खौफ के कारण निमन् आय वर्ग विशेषकर छोटे उद्यमों, असंगठित क्षेत्र और कांटेक्ट आधारित सेवाओं में सक्रिय लोग बुरी तरह प्रभावित हुए और उनकी क्रय शक्ति घटती गई। इस बीच कृषि क्षेत्र का प्रदर्शन बढ़िया रहा, किंतु वह ग्रामीण जीडीपी का महज एक तिहाई हिस्सा भर है। साथ ही अब किसानों की आधी से अधिक आमदनी गैर-कृषि गतिविधियों से आती है। दोपहिया वाहनों की कमजोर मांग के अलावा कृषि एवं गैर-कृषि ग्रामीण मजदूरी में आ रही गिरावट भी कमजोर ग्रामीण मांग को दर्शाती है। सरकार ने इस बजट में मनरेगा के लिए पिछले वर्ष की तुलना में कम राशि आवंटित की है। ऐसे में यदि इस मद में खर्च बढ़ाने की आवश्यकता पड़े तो सरकार को लचीला रुख दिखाना होगा। एमएसएमई के लिए इमरजेंसी क्रेडिट लाइन गारंटी स्कीम का आवंटन बढ़ाकर सरकार ने ऐसे लचीलेपन के संकेत भी दिए हैं। इससे उपभोग को परोक्ष समर्थन मिलेगा। प्रधानमंत्री आवास योजना और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के लिए बढ़ा आवंटन भी रोजगार इससे हाशिये पर मौजूद लोगों को बड़े पैमाने पर नौकरियां मिलेंगी, क्योंकि ये दोनों योजनाएं न केवल अधिक श्रम खपत वाली हैं, बल्कि अकुशल कर्मियों के लिए रोजगार का एक प्रमुख माध्यम भी हैं।

भ्रष्टाचार देश को दीमक की तरह खोखला करने का करता है काम

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में यह जो कहा कि भ्रष्टाचार देश को दीमक की तरह खोखला करने का काम करता है उससे किसी के असहमत होने का कोई प्रशन्-ही नहीं उठना चाहिए। यह एक कटु सच्चाई है कि भ्रष्टाचार देश की तमाम समस्याओं की जड़ है। चिंता की बात यह है कि भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने के तमाम उपायों के बावजूद वह खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। आए दिन ऐसी खबरें सामने आती हैं जिससे पता चलता है कि एक ओर जहां रिश्वतखोरी का सिलसिला कायम है वहीं दूसरी ओर बड़े पैमाने पर टैक्स की चोरी भी हो रही है। बड़े-बड़े व्यापारी किस तरह से टैक्स चोरी में लिप्त हैं, इसका उदाहरण है विभिनन् एजेंसियों की ओर से की जाने वाली छापेमारी के दौरान कर चोरी के हैरान करने वाले मामलों का भंडाफोड़ होना। यह ध्यान में रखने की जरूरत है कि टैक्स चोरी का काम भ्रष्ट व्यापारियों और नौकरशाहों की मिलीभगत से ही हो रहा है। भ्रष्टाचार का एक बड़ा जरिया सरकारी ठेके भी बने हुए हैं। इन ठेकों में कमीशनखोरी के नाम पर करोड़ों रुपये की धनराशि अवैध रूप से इधर-उधर

होती है। नतीजा यह है कि जो धन सरकारी कोष में जाना चाहिए और जिसका सदुपयोग देश की प्रगति में होना चाहिए वह भ्रष्ट तत्वों की जेबों में जा रहा है और देश की उननति में बाधक बन रहा है। आश्चर्य की बात यह है कि नोटबंदी के बाद जो ऐसे तमाम नियम-कानून बने जिनके तहत एक निश्चित मात्र से अधिक नकद राशि का लेन-देन नहीं हो सकता है, उनका भी उल्लंघन हो रहा है। यह समझना कठिन है कि आनलाइन लेन-देन का चलन बड़े पैमाने पर बढ़ने के बावजूद बैंकों के माध्यम से बड़ी धनराशि का लेन-देन क्यों और कैसे हो रहा है? स्पष्ट है कि सरकार को नकदी के लेन-देन को रोकने के लिए बनाए गए नियम-कानूनों पर नए सिरे से विचार करने और इस क्रम में उन छिद्रों को बंद करने की आवश्यकता है जिनका इस्तेमाल भ्रष्ट तत्व कर रहे हैं। समस्या केवल आर्थिक भ्रष्टाचार की ही नहीं है। समस्या नैतिक कदाचरण की भी है। राजनीति समाज को दिशा देने का काम करती है इसलिए वह किसी न किसी स्तर पर नेताओं के कार्य व्यवहार से प्रभावित होती है। शायद यही कारण है कि हमारे समाज में एकजुट होकर और आपसी मतभेदों को भुलाकर देश की उननति के लिए कर्तव्य निर्वहन का वह भाव नजर नहीं आता जो आवश्यक ही नहीं, बल्कि अनिवार्य भी है।

संक्षिप्त समाचार

केंद्रीय बजट तो पेश हो गया अब बिहार की बारी, महीने भर चलने वाले विधानमंडल सत्र में ये सब होगा

पटना। बिहार विधान मंडल का बजट सत्र 25 फरवरी से आहूत किया गया है। करीब महीने भर चलने वाले सत्र के दौरान प्रदेश की नीतीश सरकार राज्य का आर्थिक सर्वेक्षण पेश करेगी। 28 फरवरी को सरकार 2022-23 का वार्षिक बजट भी सदन में रखेगी। मंगलवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में विधानसभा का पंचम तथा विधान परिषद का 200वां सत्र सत्र आहूत करने का प्रस्ताव स्वीकृत किया गया। बैठक में कुल छह प्रस्ताव स्वीकृत किए गए। मंत्रिमंडल से मिली जानकारी के अनुसार विधानमंडल का सत्र 25 फरवरी से प्रारंभ होकर 31 मार्च तक चलेगा। सत्र के पहले दिन 25 फरवरी को राज्यपाल फागू चौहान दोनों सदनों के सदस्यों को संयुक्त रूप से संबोधित करेंगे। 25 फरवरी को ही प्रदेश सरकार 2021-22 का आर्थिक सर्वेक्षण

सदन में पेश करेगी। 26 और 26 को अवकाश की वजह से सदन स्थगित रहेगा। सदन की कार्यवाही 28 फरवरी को प्रारंभ होते ही सरकार वित्तीय वर्ष 2022-23 का बजट सदन में पेश करेगी। उम्मीद जताई जा रही है कि बीते वित्तीय वर्ष की अपेक्षा 2022-23 के बजट में 10 प्रतिशत की वृद्धि की जाएगी। वर्ष 2021-22 का बजट 2,18,302.70 करोड़ रुपये का था। कोरोना महामारी के कारण पिछले दो साल के दौरान बिहार विधानमंडल के सत्र बेहद संक्षिप्त ही रहे हैं। मार्च 2020 के बाद पहली बार बिहार विधानमंडल का इतना लंबा सत्र होने जा रहा है। इसके लिए सरकार की ओर से विशेष तौर पर तैयारियां की जा रही है। सरकार सत्र के दौरान अपने कामों को गिनाने के साथ ही विपक्ष के हमले का जवाब देने की रणनीति भी तैयार कर रही है।

1388 शीशी नशीली सिरप के साथ तीन गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार सेवा)
दुर्गेश कुमार गुप्ता

शहडोल ब्यौहारी जिले में चलाए जा रहे है ऑपरेशन प्रहार में शहडोल पुलिस लगातार नशे के खिलाफ बड़ी कार्यवाही कर रही है। जिले के ब्यौहारी पुलिस ने एक बड़ी कार्यवाही को अंजाम दिया है थाना क्षेत्र के दो अलग-अलग ठिकानों पर पुलिस ने दबिश दी है। जिसमे पुलिस ने कुल 1388 सीसी नशीली सिरप जप्त की है। चार आरोपियों पर पुलिस ने मामला दर्ज किया है एवं एक मुख्य आरोपी की तलाश पुलिस कर रही है पुलिस कप्तान अवधेश गोस्वामी के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत ब्यौहारी पुलिस को बड़ी सफलता मिली है सोमवार की दोपहर पुलिस ने मोहन प्रजापति एवं सत्येंद्र गुप्ता को ग्राम केल्हारी से 80 सीसी नशीली सिरप के साथ पकड़ा और पूछताछ की आरोपियों ने बताया कि यह नशीली सिरप ग्राम भमराहा से भेलहा एवं शिबू चमरकार के यहां से आरोपियों ने नशीली दवा ली थी, पुलिस भमरहा पहुंची तो पुलिस को एक बड़े पैमाने ने नशीली सिरप मिली है पुलिस ने बताया है कि मोहन एवं सत्येंद्र गुप्ता के कब्जे से 80 सीसी जप्त की गई थी आरोपियों से कड़ी पूछताछ पर छापामार कार्यवाही कर पुलिस ने

भमरहा में दबिश देकर 1308 सीसी नशीली सिरप जप्त कर चारों आरोपियों को हिरासत में लेकर कड़ी पूछताछ शुरू कर दी है इस कार्यवाही में थाना प्रभारी अनिल पटेल के साथ उपनिरीक्षक मोहन पड़वार एएसआई प्रजापति व अन्य पुलिसकर्मियों की भूमिका महत्वपूर्ण रही।

श्री बाला धाम मे विशाल भंडारा हुआ

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा सेक्टर 135 मे यमुना नदी के पावन तट पर बना श्री बाला जी धाम पर आज विशाल भंडारे का आयोजन किया गया श्री बाला जी धाम के महन्त महामंडलेश्वर श्री मुकेशानंद जी महाराज जी ने बताया कि यहाँ पर श्री राम चरित मानस का अखंड पाठ का समापन आज सुबह हुआ उसके बाद हवन एव आरती हुई ।और दोपहर से शुरू होकर शाम तक विशाल भंडारा चलता रहा ।बहुत दूर दराज़ के भक्त गण पहुंच कर प्रसाद ग्रहण किया ।एवं पूजा में सम्मिलित होकर धर्म लाभ अर्जित किया हमारे ब्यूरो प्रभारी देव मणि शुक्ल ने वहाँ पर आऐ बहुत सारे भक्तों से बातचीत चला कि इस एरिया में श्री बाला जी धाम की बडी मान्यता है ।जो भी भक्त यहाँ पर आकर कोई मनन्त मानता है । यथाशीघ्र पूरा होता है ।यहाँ पर हर शनिवार को विशेष पूजा होती है और शनिवार को सुबह से ही भक्तों का आना जाना लगा रहता है ।यह आश्रम शहर से थोडा हटकर है यहाँ पर आने जाने के लिये कोई साधन नही है।लोग अपने व्यक्तिगत साधनों से ही जा पाते है।इसके वावजूद भक्तों की भीड़ बनी रहती है ।बाला जी की कृपा सब पर बनी रहती है । इस मौके पर भोला महाराज, पं विनोद मिश्रा , संजय पाण्डेय,गोरे लाल, कर्नल कुणाल, अमितेश सिंह, सोमवीर पाल,राजीव कुमार,हिमान्शु सिंह,हरि शंकर सिंह,पुष्पेन्द्र भदौरिया,अमित कुमार विभूति उर्फ़ लोहा सिंह आदि गणमान्य लोग मौजूद रहे ।

मैहर । यातायात पुलिस द्वारा श्रीमान धर्मवीर सिहं पुलिस अधीक्षक महोदय सतना के निर्देशन मे एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सतना के मार्गदर्शन मे थाना प्रभारी यातायात श्री सत्यप्रकाश मिश्रा एवं उपनिरीक्षक सुधांशु तिवारी हमराह स्टाफ द्वारा आदित्य कॉलेज सतना में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता लाने के संदेश एवं निर्देश दिए गए जिसमें मध्यप्रदेश में अत्यधिक दुर्घटनाये होने से दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए निमन सुझाव दिए गए । जिसमें तेज गति से वाहन ना चलाना ,मोटरसाइकिल पर हेलमेट लगाना , ओवरलोडिंग ना करना एवं कार में सीट बेल्ट का उपयोग करना बताया गया । जिससे दुर्घटना में कमी लाई जा सके । यातायात के नियमों के प्रति जानकारी एवं यातायात जागरूकता का सम्मेलन किया गया।

मैहर को चारागाह समझते है लूट रहे मैहर की जनता को डी एच ओ

(आधुनिक समाचार सेवा)
दिनेश यादव

मैहर में इन दिनों स्वास्थ्य सुविधाओं के नाम पर अकाल पड़ा हुआ है इसीलिए तो अध्य डॉ विजय आरख अपनी ड्यूटी छोड़कर मैहर में डेरा जमाया है और मैहर को चारागाह समझकर लूट घसोट करते है मामला एक 8 वर्षीय बच्ची का है जिसके माता-पिता बेहद निर्धन है यह बच्ची ग्रामीण अंचल धतूरा से आती है खेलते समय गिर जाने के कारण इसके हाथ में फैक्चर हो गया था जिसे दिखाने के लिए उसकी मां मैहर पहुंची थी इलाज के लिए वो अपने साथ कुछ जेवर लाई थी जोकि गिरवी रखकर बेटी का इलाज करवाना चाहती थी लेकिन डॉक्टर साहब ने इतनी इलाज का खर्चा बताया की वो उसे जेवर गिरवी रखने के बाद अलग से ब्याज में साहूकार के यहा से पैसे लेने पड़े लेकिन डॉक्टर का कलेजा नहीं पसीजा अध्य साहब को तो बस अपना पैसा चाहिए था सभी डी एच ओ साहब जोकि डिस्ट्रिक्ट की ड्यूटी छोड़कर मैहर

में अपनी क्लीनिक खोलकर बैठे है उनके पास पहुंची और दिखाया तो उन्होंने फीस सहित कच्चा प्लास्टर की जिसकी कुल कीमत 25 सो रुपए उस निर्धन से वसूले जबकि अगर देखा जाए तो कच्चा प्लास्टर की और फीस की वैल्यूएशन हजार रुपए भी नहीं होगी अब ऐसे में ड्यूटी से नदारत डी एच ओ साहब मैहर में अपनी सर्विस देते है और निर्धन गरीब को लूटते रहते है ये कोई पहला मामला नहीं है ऐसे और भी मामले जो अध्य साहब ने मैहर गुल खिलाए है

चुनाव के मद्देनजर माफ़ियाओं व हिस्ट्रीशीटरों के घर पर पुलिस ने की दविश

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक

नोएडा विधानसभा चुनाव को सकुशल संपन्न कराने के उद्देश्य गौतम बुद्ध नगर पुलिस ने यहां के

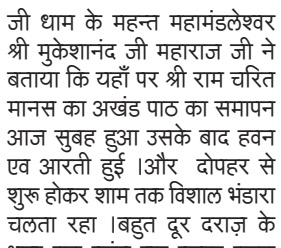

विभिनन माफियाओं तथा हिस्ट्रीशीटरो के घरों पर दबिश दी है। पुलिस उपायुक्त (जोन तृतीय) अमित कुमार सिंह ने बताया कि कुख्यात गैंगस्टर सुंदर भाटी, ऋषि पाल व जोगिंदर जुगला आदि के घरों पर जाकर पुलिस ने बीती रात को चेकिंग की। उन्होंने बताया कि ये अपराधी जेल में बंद होते हुए भी चुनाव को प्रभावित कर सकते हैं। इस आशंका के मद्देनजर इनके घरों पर चेकिंग की गई, तथा लोगों से अपील किया गया कि वे इन अपराधियों से संबंधित कोई भी जानकारी हो पुलिस को तुरंत दें। उन्होंने बताया कि इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों से अपील किया गया की वे निर्वाचन प्रक्रिया में भाग ले तथा ज्यादा से ज्यादा मतदान करें। आगामी विधानसभा निर्वाचन-2022 को सकुशल व शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए पुलिस कमिशन्र गौतमबुद्धनगर के निर्देशन में पुलिस द्वारा लगातार अपराधियों व हिस्ट्रीशीटर की गतिविधियों पर सतर्क दृष्टि बनाये रखते हुये कार्यवाही की जा रही है। जिसके अंतर्गत डीसीपी ग्रेटर नोएडा के नेतृत्व में एसीपी-3 ग्रेटर नोएडा द्वारा अर्द्ध सैनिक बलों के साथ माफिया/हिस्टी शीटर सुंदर भाटी, ऋषिपाल व जोगिंदर जुगला आदि अपराधियों द्वारा चुनाव के समय किसी भी प्रकार की घटना को रोकने के लिये इनके घरों पर चैकिंग की गयी। साथ ही लोगों को अधिक से अधिक संख्या में निर्वाचन प्रक्रिया में भाग लेने व ऐसे व्यक्ति जो चुनाव के दौरान किसी प्रकार की गड़बड़ी कर सकते है उनकी जानकारी देने के लिए भी कहा गया।

मैसर्स एक्सीलेंट टूल्स कम्पनी के प्रबंधकों व श्रमिकों के मध्य चल रहा विवाद आपसी समझौते के बाद हुआ समाप्त

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक

नोएडा एक्सीलेंट टूल्स कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड उद्योग केंद्र ग्रेटर नोएडा कम्पनी प्रबंधको और कर्मचारियों के बीच श्रमिकों द्वारा

इंजीनियरिंग उद्योग कामगार यूनियन सीटू द्वारा दिए गए मांग पत्र पर पिछले कई माह से विवाद चल रहा था जिस पर कई बार प्रबंधकों और श्रमिक प्रतिनिधियों के बीच वार्ता हुई और 1 फरवरी को सहायक श्रम आयुक्त श्री सुभाष चंद यादव के समक्ष श्रम कार्यालय सेक्टर- 3, नोएडा पर समझौता संपन्न हो गया। 5 वर्षीय समझौते के तहत श्रमिकों के वेतन में प्रतिवर्ष 4.50 यानी कुल 22:50 प्रतिशत की वेतन वृद्धि सेवायोजन करेंगे तथा प्रति छमाही सरकार द्वारा जारी परिवर्तनीय महंगाई भत्ते का भुगतान भी सेवायोजक नियमानुसार श्रमिकों को करते रहेंगे तथा साथ ही प्रतिवर्ष 11. 25ज्ञ् बोनस श्रमिकों को दिया जाएगा तथा कम्पनी व श्रमिकों के बीच बनी पॉलिसी के तहत कर्मचारियों का वर्गीकरण कर पदोनन्ति दी जाएगी तथा प्रति वर्ष 1 जोड़ी जूता व एक टी-शर्ट श्रमिकों को सेवा योजक देंगे और प्रतिवर्ष श्रमिकों का मेडिकल परीक्षण कराया जाएगा आदि कई अन्य सुविधाएं कर्मचारियों को दिए जाने पर सहमति समझौते में बनी है। समझौते पर इंजीनियरिंग उद्योग कामगार यूनियन सीटू के महामंत्री- गंगेश्वर दत्त शर्मा, मंत्री- रामसागर, श्रमिक नेता विजय कुमार, शिव कुमार कौशिक, श्रीपाल, जयराम,रंजीत तिवारी, दुनटुन सिंह, कम्पनी की ओर से प्रबंधक नारायण दत्त कौशिक, निर्देशक श्री आलोक गुप्ता व श्रम विधि सलाहकार आई एस वर्मा ने हस्ताक्षर किया।

नशा मुक्त जिला बनाने के संकल्प का स्वागत आप ने नशे के विरुद्ध 5 माह पूर्व सौंपा था ज्ञापन

(आधुनिक समाचार सेवा)
दुर्गेश कुमार गुप्ता

शहडोल ब्यौहारी विगत दिनो शहडोल जिले के पुलिस कप्तान श्री अवधेश गोस्वामी के नेतृत्व में क्राइम ब्रांच के डी सी सागर जी द्वारा चलाए गए नशा मुक्त जिला बनाने हेतु ऑपरेशन प्रहार के माध्यम से चलाए गए तबाड,तोड़ छापामारी की कार्यवाही से प्रतिबंधित नशीली सिरफ के कारोबार करने वाले अपराधियों में हड़कंप मच गया है जिसकी समस्त जिले वासियों के द्वारा भूरी भूरी प्रशंसा की जा रही है विदित हो कि आज से 5 माह पूर्व ब्यौहारी में हो रहे अवैध व्यापार शराब तथा मेडिकल स्टोरों से बिकने वाली नशीली गोलियों के खिलाफ आम आदमी पार्टी ब्यौहारी के द्वारा माननीय एसडीएम महोदय को एक ज्ञापन पत्र सौंपा था परंतु उसके पश्चात भी नशे के अवैध व्यापार पर प्रतिबंध नहीं लगा था अपितु नशे के व्यापार करने वालों के द्वारा फाब्कियां कसे जाने लगी थी क्या हुआ, परंतु पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा देर से ही सही परंतु नशे के कारोबारियों पर जो शिकंजा कसा गया आम आदमी पार्टी ब्यौहारी उनके इस कदम के लिए तहे दिल से शुक्रगुजार है उनके द्वारा उठाया

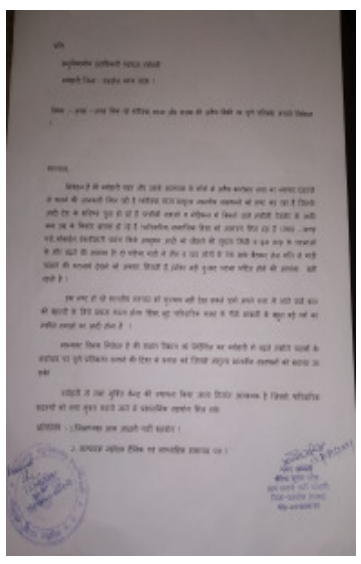

गया यह कदम युवा पीढ़ी को नशे की गर्त पर जाने से रोक लिया और आवश्यकता इस बात की है कि अब भविष्य में नशे के अवैध कारोबारी अब अपना सर ना उठा पाए और नशे का जहर समाज में ना फैलाएं नशे के कारोबारियों पर नकेल कसने का काम स्थानीय पुलिस प्रशासन बखूबी निभा सकता है आपके ब्लॉक अध्यक्ष श्री भूपेंद्र श्रीवास्तव ने कहा है कि ऑपरेशन प्रहार के अंतर्गत तो नशीली सिरप के कारोबारियों पर की तो धरपकड़ हो गई परंतु ब्यौहारी शहर में ही नहीं बल्कि पूरे ब्यौहारी क्षेत्र में अवैध गांजे का कारोबार भी खूब फल फूल रहा है जगह-जगह उपलब्ध हो जाती है और करीब-करीब सभी मेडिकल स्टोरों में नशे की गोलियां आसानी से मिल जाती है इस बात को भी अगर पुलिस अधीक्षक महोदय अपने संज्ञान में लेंगे तो समाज पूर्णतया नशा मुक्त हो जाएगा और युवा पीढ़ी पर यह उनका एहसान होगा आगे कुछ समस्याओं से अवगत कराते हुए श्री श्रीवास्तव जी ने बताया कि ब्यौहारी क्षेत्र में इस समय नशे के अलावा भी कुछ संगीन समस्याओं से भी जूझ रहा है जैसे जूआ एवं सटा का बाजार भी यहां सदैव गर्म रहता है ,और रोड की संकीर्णता की समस्या भी ब्यौहारी शहर को ग्रहण लगा रहा है ब्यौहारी शहर की सड़क अतिक्रमणकारियों के शिकंजे में फंसा हुआ है यूं तो कहने को शहर में डबल रोड है परंतु कुछ स्थाई दुकानदारों के द्वारा अपना सामान रोड पर रखकर रास्ता संकीर्ण कर देते हैं और जो कुछ बचता है उसमें अस्थाई दुकानदारों और अनियंत्रित खड़ी टैक्सी बसों के द्वारा भी आवागमन अवरुद्ध कर दिया जाता है जिससे सदैव दुर्घटनाओं की संभावना बनी रहती है स्थानीय प्रशासन मूकदर्शक बना देखता रहता है दूसरी हम समस्या रेत के कारोबार में लगे हैवी वाहनों की है जो दिन रात ओवरलोडिंग करते हुए उत्तेजक हार्न बजाते हुए तेज गति से दिन-रात चलते रहते हैं आए दिन लोग दुर्घटनाओं के शिकार होते हैं आम आदमी पार्टी सक्षम अधिकारियों से अनुरोध करती है कि ऑपरेशन प्रहार की तरह ही इन समस्याओं के संबंध में भी कोई ऑपरेशन ईजाद करें जिससे आम आदमी सुरक्षित हो सके

घर चलो घर घर चलो अभियान का हुआ शुभारंभ

मंदिर से आम जनता के हित मे घर घर पहुंचे कांग्रेसी

(आधुनिक समाचार सेवा)
दिनेश यादव

मैहर । मध्य प्रदेश में कांग्रेस मंगलवार से पार्टी की विचारधारा, नीतियां और कमलनाथ सरकार के दौरान किए गए कार्यों को हर घर तक पहुंचाने के लिए 'घर चलो, घर-घर चलो' अभियान का शुभारंभ किया है ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मैहर के तत्वाधान में प्रभारी नरेश सराफ के मुख्य आतिथ्य में एवं जिला कांग्रेस अध्यक्ष दिलीप मिश्रा की अध्यक्षता में घर चलो घर घर चलो अभियान का शुभारंभ शारदा देवी मन्दिर प्रगंण स्थिति यात्री निवास एक मे हुआ इस अवसर पर अपने संबोधन मे नरेश सराफ ने बूथ स्तर पर कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने की बात कही एवं दिलीप मिश्रा ने उद्बोधन देते हुए कार्यकर्ताओं को आवाहन किया कि हर घर में जाकर वर्तमान सरकार की पोल खोलने का काम हर कार्यकर्ता करे ब्लॉक अध्यक्ष प्रभात द्विवेदी ने कहा कि वास्तविक रुप से कमलनाथ सरकार द्वारा जो विकास कार्य किए गए हैं उनके प्रभाव को कम करने के लिए वर्तमान की शिवराज सरकार एड़ी चोटी लड़ा रही है संवैधानिक मर्यादाओं को तार-तार करने वाली शिवराज सरकार का असली चेहरा आम जनता के सामने लाना हमारा लक्ष्य है । अभियान प्रभारी रश्मि सिंह ने सरकार की कथनी और करनी में सवाल उठाते हुए कहा कि यह अभियान आमजन तक कांग्रेस सरकार में किए गए कार्यों को पहुंचाने के लिए चलाया जा रहा है एवं धर्मेश घई ने बूथ स्तर तक पार्टी को मजबूत करने की बात कही उसके पश्चात कांग्रेस नेताओं सहित सभी कार्यकर्ता देवी जी क्षेत्र उदयपुर एवं सहिलरा में भ्रमण कर आमजन से संवाद स्थापित कर 15 महीने की कांग्रेस सरकार की उपलब्धियां बताई एवं बढ़ती महंगाई

पर अंकुश लगाने के लिए सरकार बदलने की बात कही इस अभियान में जनता भी महंगाई के विरोध में अपना समर्थन देती नजर आ रही है कार्यक्रम में प्रमुख रूप से सतना जिले के प्रभारी नरेश सराफ जी जिला कांग्रेस कमेटी सतना के अध्यक्ष दिलीप मिश्रा जी अभियान प्रभारी रश्मि सिंह जी नगर पालिका मैहर के पूर्व अध्यक्ष धर्मेश घई रोमी जी ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रभात द्विवेदी दद्दा जी कार्यवाहक अध्यक्ष चंद्रकांत चौरसिया राजा जी प्रदेश महामंत्री देवदत्त सोनी जी रमापति गौतम जी जिला कार्यवाहक अध्यक्ष मनीष तिवारी जी वीरेंद्र कुशवाहा जी कुलभूषण गौतम जी नरेंद्र द्विवेदी जय भोले जी अशोक सराफ जी राम प्रकाश गुप्ता जी राम सिंह बुंदेला जी रजनीश शर्मा जी रावेंद्र सिंह जी युवक कांग्रेस से अखिल मिश्रा इमरोज अहमद जी नितिन सर आप जी अखंड सिंह जी समर्पण शुक्ला जी अनिल सेन जी पद्माकांत चौरसिया मुनि जी अजय विश्वकर्मा जी कार्यक्रम के व्यवस्थापक अजीर बिहारी द्विवेदी जी एनएसयूआई महामंत्री सेवादल से सुषमा अर्जरिया जी सुरेश कोरी जी श्रीमती शुक्ला जी सुमन पार्षद नागेंद्र नाथ बढ़गया जी राज बाबू सिंह जी यशवंत सिंह जी पंकज कुशवाहा जी जय शंकर पांडे जी वीरेंद्र नामदेव जी गायत्री साकेत जी गुड़िया कुशवाहा जी निर्मला राठौर जी कृष्णा लोनिया जी अंजना बर्मन जी संध्या सिंह नीतू लोनिया शशि सोनी राधा मालिनी संजू मालिनी मनोज कुमार गोविंद हरिजन साहिल अरमान राजा राम दया किशन कुशवाहा जितेंद्र कुशवाहा संग्राम विष्णु शिवम श्रीवास्तव देवांग चौरसिया अभिषेक शुक्ला राहुल मेहरा उदित शर्मा इमरान संजय तिवारी दीपक चतुर्वेदी नीलेश दहिया पूर्व सरपंच रामप्रताप कोरी रोहित नामदेव श्यामलाल पीयूष चौरसिया अतुल वर्मा दीपक तिवारी कार्यक्रम के अंतिम कड़ी में व्यवस्थापक अजीर बिहारी द्विवेदी द्वारा आभार प्रदर्शन कर सभी कांग्रेसी कार्यकर्ताओं एवं आम जनों का धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

सेक्टर 82 (पाकेट 7) मे नीरज सिंह का चला धुआंधार जनसंपर्क अभियान

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक

नोएडा भारतीय जनता पार्टी नोएडा के प्रत्याशी पंकज सिंह के भाई नीरज सिंह नोएडा में धुआंधार जनसंपर्क अभियान छेड़ा हुआ है। और इस कड़ी को आगे बढ़ाते हुए आज सेक्टर 82 के एल आई जी एवं पाकेट 7 में मोदी जी एवं योगी जी द्वारा की गई जनकल्याणकारी योजनाओं एवं उनके नामों से जनमानस को अवगत कराया तथा आने वाली 10 फरवरी को कमल

का बटन दबाकर भारी बहुमत से विजयी बनाने की अपील की । वर्तमान परिदृश्य में हर प्लेट्फ़ार्म पर भाजपा की मजबूत पकड़ ने सभी विपक्षी दलों के प्रत्याशियों से मीलों आगे पहुंचा दिया है? जनसंपर्क अभियान में एन के सोलंकी ,गोरे लाल, दीपक तिवारी,एस के तिवारी,कैं नबाब सिंह चौधरी, श्रीमती संतोष सिंह (महिला मोर्चा की मंडल अध्यक्ष),सुधा राजपूत,वर्षा सिंह, , गुरमेल सिह ,अंगद सिंह,आर पी सिंह,हरि शंकर सिंह,उमाकान्त त्रिवेदी, अमितेश कुमार सिंह, ओम थापा,रमेश वर्मा, मुकेश रावत,रमेश शर्मा, राजेश कुमार गुप्ता,बी डी गुप्ता,राकेश कुमार,घनश्याम जोशी, आदि लोग मौजूद रहे।

अस्पताल ने स्किन इलाज के विज्ञापन के लिए इस अश्वेत एक्टर की तस्वीर का किया इस्तेमाल, फिर मांगनी पड़ी माफी

नई दिल्ली । केरल का एक निजी अस्पताल इन दिनों काफी आलोचना का सामना कर रहा है। अस्पताल पर आरोप है कि उसने अपने यहां स्कीन के इलाज का विज्ञापन करने के लिए हॉलीवुड सिनेमा के मशहूर अश्वेत अभिनेता मॉर्गन फ्रीमैन की तस्वीर का इस्तेमाल किया है। मॉर्गन फ्रीमैन ऑस्कर विनिंग अभिनेता है। हालांकि चौतरफा आलोचना झेलने के बाद अस्पताल ने मॉर्गन फ्रीमैन की तस्वीर इस्तेमाल करने के लिए माफी मांगी है। रेजिमोन कुट्टप्पन ने ट्विटर पर अस्पताल के विज्ञापन की तस्वीर को अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट पर शेयर किया है। इस ट्वीट में उन्होंने मॉर्गन फ्रीमैन को टैग करते हुए लिखा, 'सर मॉर्गन फ्रीमैन आपकी तस्वीर को भारत के केरल में एक अस्पताल के डर्मेटोलॉजी डिपार्टमेंट ने अपने विज्ञापन के लिए इस्तेमाल किया है। इस तस्वीर के साथ वह दावा कर रहे हैं कि वह इलाज करके हर किसी को डार्क टैन, झुर्रियां, पिगमेंट से मुक्त कर देंगे।' चौतरफा आलोचना झेलने के बाद वडकारा कॉपरेटिव अस्पताल ने अपने विज्ञापन के लिए ऑस्कर विजेता मॉर्गन फ्रीमैन की तस्वीर का इस्तेमाल करने के लिए माफी मांगी है। अंग्रेजी वेबसाइट इंडियन एक्सप्रेस से बात करते हुए अस्पताल के मार्केटिंग हैड टी सुनील ने कहा, 'एक डर्मेटोलॉजी हाल ही में हमारे डिपार्टमेंट में शामिल हुए है। यह विज्ञापन करने के लिए किया गया था कि हमारे अस्पताल में त्वचा के इलाज की भी सुविधाएं है। इसके लिए बोर्ड स्थापित किया गया था।' मार्केटिंग हैड ने आगे कहा, 'इस विज्ञापन को एक स्थानीय डिजाइनर ने बनाया है। जानकारी के अभाव और गंभीरता को न समझते हुए ओपीडी के सामने लापरवाही से बोर्ड लगा दिया गया। बाद में एक शख्स ने पूछा कि विज्ञापन के लिए नेल्सन मंडेला की फोटो क्यों छापी गई। उसके बाद हमने शनिवार को इसे हटा दिया। हालांकि जब यह विज्ञापन रविवार को सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो हमने फेसबुक के जरिए अपनी इस गलती के लिए माफी मांगी।' उन्होंने आगे कहा, 'हम समझते हैं कि मॉर्गन फ्रीमैन एक महान कलाकार हैं और दुनिया के बहुत से लोग उनसे प्रभावित हैं। हम जानकारी के अभाव में हुई इस गलती के लिए माफी मांगते हैं।' आपको बता दें कि मॉर्गन फ्रीमैन हॉलीवुड के दिग्गज और बड़े कलाकारों में से एक हैं। उन्होंने ग्लोरी, सेवन, गोन बेबी गोन और इन्विक्टस जैसी फिल्मों में काम किया है। दर्शक उनके अभिनय को हमेशा से पसंद करते आए हैं।

वसीम खान के सियासी मंसूबों पर विजय सिंह के बदले का ग्रहण, एमएक्स प्लेयर ने ट्रेलर के साथ जारी की रिलीज डेट

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश की सियासत इस वक्त चुनावी माहौल से गुजर रही है। ऐसे में पूर्वांचल की खूनी राजनीति की कहानी को दिखाने वाली वेब सीरीज रक्तांचल का दूसरा सीजन आ रहा है। मंगलवार को रक्तांचल 2 के ट्रेलर के साथ इसकी रिलीज डेट भी घोषित की गयी। इसके लिए आपको ज्यादा इंतजार नहीं करना होगा, क्योंकि सीजन 2 इसी महीने रिलीज हो रहा है। इस बार टीवी एक्टर करण पटेल और माही गिल ने भी स्टार कास्ट को ज्वाइन किया है। ट्रेलर में दिखाया गया है कि बाहुबली वसीम खान (निकितिन धीर) प्रदेश का मुख्यमंत्री बनने का सपना संजोए हुए सियासत कर रहा है, मगर इसी बीच खबर आती है कि उसका दुश्मन नम्बर वन विजय सिंह (क्रांति प्रकाश झा) जिंदा है और वो छिपकर वसीम खान को चोट पहुंचा रहा है। इसके बाद कहानी का रुख एक बार फिर वसीम खान बनाम विजय सिंह हो जाता है। ट्रेलर में निकितिन धीर को बाहुबली नेताओं वाले अंदाज में दिखाया गया है। आशीष विद्यार्थी भी एक राजनीतिक किरदार में हैं। रक्तांचल 2 के सभी एपिसोड्स 11 फरवरी को एमएक्स प्लेयर पर स्ट्रीम कर दिये जाएंगे। मेकर्स ने गणतंत्र दिवस पर एक टीजर के साथ दूसरे सीजन की घोषणा की थी। रक्तांचल अस्सी के दौर में स्थापित वेब सीरीज है और इस कालखंड में पूर्वांचल में हुई कुछ सच्ची घटनाओं को दिखाती है। रक्तांचल 2 का ट्रेलर देखें- रक्तांचल के पहले सीजन में नौ एपिसोड्स थे और यह 2020 में आया था।

नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने बॉलीवुड की इन दो हसीनाओं के साथ अपने नए घर 'नवाब' में की पार्टी, वायरल हुआ वीडियो

नई दिल्ली। बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने हाल ही में मुंबई में अपना घर बनाया है। उन्होंने अपना यह घर पिता को समर्पित किया है। नवाजुद्दीन सिद्दीकी के मुंबई वाले घर का नाम नवाब है। हाल ही में अपने नए घर पर उन्होंने खास पार्टी रखी। इस पार्टी में बॉलीवुड के कई सितारे पहुंचे और नवाजुद्दीन सिद्दीकी की पार्टी को और भी खास बनाया है। अभिनेता के घर की पार्टी में बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनोट और अवनीत कौर पहुंचीं। यह तीनों सितारे जल्द फिल्म टीकू वेड्स शेरू में भी नजर आने वाले हैं। सिलेब्रिटी फोटोग्राफर विरल भियानी ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर नवाजुद्दीन सिद्दीकी के घर की पार्टी का वीडियो शेयर किया है। इस पार्टी में अभिनेता के साथ कंगना रनोट और अवनीत कौर नजर आ रहे हैं। वीडियो में कंगना रनोट व्हाइट कलर की साड़ी में दिखाई दे रही हैं। जबकि अवनीत कौर ने ब्लैक कलर की ड्रेस पहनी हुई है। इन ड्रेस में दोनों अभिनेत्रियां काफी खूबसूरत दिख रही हैं। वहीं कंगना रनोट और अवनीत कौर के साथ नवाजुद्दीन सिद्दीकी भी पोज देते नजर आ रहे हैं। सोशल मीडिया पर नवाजुद्दीन सिद्दीकी, कंगना रनोट और अवनीत कौर का वीडियो वायरल हो रहा है। तीनों कलाकारों के फैंस वीडियो को पसंद कर रहे हैं। साथ ही कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। आपको बता दें कि नवाजुद्दीन ने अपना आलीशान बंगला मुंबई में बनवाया है जिसकी तस्वीरें उन्होंने सोशल मीडिया पर शेयर की थीं। इस बंगले की खास बात यह है कि इसका लुक एक्टर के गांव बुढ़ाना वाले घर से इंस्पायर्ड है। जिसे नवाजुद्दीन ने खुद इंटीरियर डिजाइन किया है। उनके इस बंगले को तैयार होने में पूरे तीन साल लगे हैं। अभिनेता ने अपने इस भव्य व्हाइट मैंशन का नाम पिता के नाम पर 'नवाब' रखा है। नवाजुद्दीन सिद्दीकी के पिता का नाम नवाबुद्दीन सिद्दीकी है। नवाजुद्दीन के घर में बेहतरीन नक्काशी की गई है। चारों तरफ से सफेद रंग के बने इस आलीशान बंगले में काफी बड़ा बरामदा, शानदार छत और ओपन एरिया मौजूद है। बता दें कि नवाजुद्दीन सिद्दीकी के वर्कफ्रंट की तो वह जल्द ही 'नो लैंड्स मैन', 'टीकू वेड्स शेरू', 'अदभुत', 'हीरोपंती 2' और 'जोगिरा सारा रा रा' में नजर आने वाले हैं।

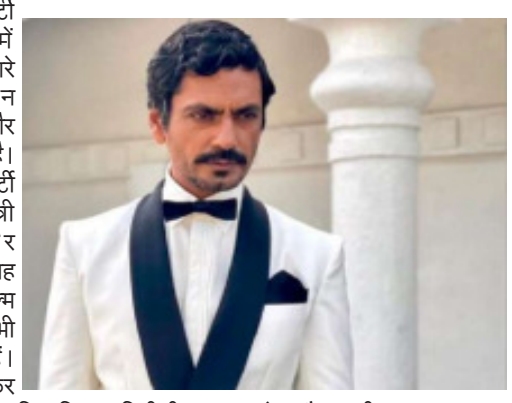

पति धनुष से अलग होने के बाद रजनीकांत की बेटी ऐश्वर्या का हुआ ऐसा हाल, होना पड़ा अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली कोरोना वायरस की तीसरी लहर भले थोड़ी हल्की पड़ गई हो, लेकिन यह अब भी कई लोगों को अपनी चपेट में ले रही है। इसमें फिल्मी हस्तियां भी शामिल हैं। अब तक कई टीवी और फिल्मी सितारे कोरोना वायरस का शिकार हो चुके है। अब अभिनेता धनुष की एक्स वाइफ और सुपरस्टार रजनीकांत की बेटी ऐश्वर्या कोरोना वायरस की चपेट में आ गई है। बीते दिनों ऐश्वर्या रजनीकांत पति धनुष से अलग होने की वजह से चर्चा में थीं। खुद के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की जानकारी ऐश्वर्या रजनीकांत ने सोशल मीडिया के जरिए दी है। वह अक्सर सोशल मीडिया के जरिए फैंस से जुड़ी रहती हैं। ऐश्वर्या रजनीकांत ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी एक सेल्फी शेयर की है। इस तस्वीर में वह मुंह पर हाथ रखी दिखाई दे रही हैं। तस्वीर में ऐश्वर्या रजनीकांत के हाथ पर ड्रीप लगी हुई नजर आ रही है। इस तस्वीर को शेयर करते हुए उन्होंने खुद के कोरोना वायरस से संक्रमित होने के बारे में बताया है। ऐश्वर्या रजनीकांत ने तस्वीर के साथ पोस्ट में लिखा, 'तमाम सावधानियों के बाद भी टेस्ट पॉजिटिव आया है... भर्ती हो गई हूं..कृपया मास्क, टीका लगाएं और सुरक्षित रहें... 2022 हम देखेंगे कि आपके पास मेरे लिए और क्या है!' सोशल मीडिया पर ऐश्वर्या रजनीकांत की तस्वीर और पोस्ट तेजी से वायरल हो रहे हैं। अभिनेत्री के फैंस और तमाम सोशल मीडिया यूजर्स कमेंट कर उनके जल्द ठीक होने की कामना कर रहे हैं। आपको बता दें कि हाल ही में ऐश्वर्या रजनीकांत पति धनुष से अलग हुई हैं। हालांकि यह फैसला कपल ने आपसी सहमति से लिया है। धनुष और ऐश्वर्या रजनीकांत की शादी को 18 साल हो चुके थे। अलग होने की घोषणा धनुष और ऐश्वर्या रजनीकांत ने सोशल मीडिया के जरिए की थी। धनुष ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर ऐश्वर्या से अलग होने की जानकारी देते हुए लिखा, 'हमारा 18 साल का साथ रहा, जिसमें हम दोस्त, माता-पिता, कपल और एक-दूसरे के साथी बनकर साथ रहे। इस सफर में हमने आगे बढ़ते हुए एक-दूसरे को समझा और काफी कुछ देखा। आज हमारे रास्ते अलग हो रहे हैं। मैं और ऐश्वर्या एक कपल के तौर पर अब अलग हो रहे है और चीजों को और बेहतरीन तरह से समझने की कोशिश कर रहे हैं अलग-अलग। कृपया हमारे इस निणय का आदर करें और हमें प्राइवेसी दें। वहीं ऐश्वर्या रजनीकांत ने भी अपने और धनुष के अलग होने की खबर फैंस को दी। ऐश्वर्या ने कैप्शन में लिखा, 'किसी कैप्शन की जरूरत नहीं है। बस आपका प्यार और समर्थन जरूरी है। उनके फैंस ने कमेंट बॉक्स में उनके सेप्रेशन की खबर पर अपना दुःख व्यक्त किया। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, 'शॉकिंग', उसी के साथ उन्होंने दिल टूटने वाले इमोजी डाले। दूसरे यूजर ने लिखा, 'मुझे विश्वास नहीं हो रहा, यूजर ने लिखा, मिस्टर डी की जिंदगी में ऐसा होगा इसकी उम्मीद नहीं थी'।

Bigg Bos 15 के घर से बाहर निकलते ही करण कुंद्रा ने सड़क पर बैठकर किया था ये काम

नई दिल्ली। सलमान खान होस्टेड शो 'बिग बॉस 15' का सफर बड़े ही शानदार तरीके से हुआ। सीजन 15 के विनर की ट्रॉफी टीवी एक्ट्रेस तेजस्वी प्रकाश के हाथ में गई। वहीं प्रतीक सहजपाल फर्स्ट रनर-अप रहे। इसी बीच अब शो का हिस्सा रहे टीवी एक्टर करण कुंद्रा का एक वीडियो इंटरनेट पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में करण ने बताया की बिग बॉस के घर से निकलते ही सड़क पर बैठकर सबसे पहले ये काम किया। आइए जानते हैं क्या एक्टर करण कुंद्रा के वायरल हो रहे वीडियो को बॉलीवुड फोटोग्राफर विरल भयानी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है। इस वीडियो में वह बताते हैं कि बिग बॉस हाउस से निकलने के बाद उन्होंने अपनी मनचाही चीजें एन्जॉय कीं। करण कुंद्रा ने कहा, 'मैं तीन बटर चिकन अभी तक खा चुका हूं। बिग बॉस के सेट से बाहर निकलकर मैंने और ओमी ने फुटपाथ पर बैठकर बीयर पी है। तो बड़ी फीलिंग आई। बड़ी फीलिंग आई। ठंडी बीयर निकली उसमें से।' इसके बाद वीडियो में आप देख सकते हैं कि करण बीच में अपनी बात को थोड़ा सा रोककर अपने माता-पिता का जिक्र करते हुए बड़ी सफाई से बात को संभालते हैं। वह कहते हैं, 'पापा से सामने मैं थोड़ा सा ठीक से रहता हूं। इसलिए जब तक यहां पर मम्मी-पापा है तब तक मैं थोड़ा शरीफ बनने की कोशिश करूंगा। लेकिन जो फीलिंग आई बिग बॉस के घर से बाहर निकलकर, फुल फाइव स्टार से निकलकर जो मैंने सड़क पर बैठकर, फुटपाथ पर बैठकर.. मैंने और ओमी ने जो बीयर पी है। करण का ये वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। वहीं इस वीडियो पर फैंस के लगातार रिएक्शन आ रहे हैं। फैंस इस पर मजेदार कमेंट्स कर रहे हैं।

शिल्पा शेट्टी की शादी में जूते चुराई पर राज कुंद्रा से शमिता शेट्टी ने मांगे थे इतने लाख रुपये, जानें फिर क्या हुआ

नई दिल्ली। बॉलीवुड की खूबसूरत अभिनेत्री शमिता शेट्टी अपना जन्मदिन 1 फरवरी को मनाती है। वह फिलहाल फिल्मी पर्दे से दूर चल रही हैं। शमिता शेट्टी बॉलीवुड की मशहूर और दिग्गज अदाकारा शिल्पा शेट्टी की छोटी बहन है। शमिता का जन्म साल 1979 में मैंगलौर में हुआ था। उन्होंने अपनी स्कूल पढ़ाई मैंगलौर से और कॉलेज मुंबई से किया था। बचपन से फैशन का शौक रखने वाली शमिता शेट्टी ने मुंबई एसएनडीटी कॉलेज से फैशन डिजाइनिंग की पढ़ाई की है। इसके बाद उन्होंने मशहूर फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा के साथ काम किया। जिसके बाद उन्होंने साल 2000 में आदित्य चोपड़ा की फिल्म मोहब्बतें से बॉलीवुड में अपना सफर शुरू किया। मल्टीस्टारर इस फिल्म के लिए शमिता शेट्टी को डेब्यू ऑफ द इयर का अवॉर्ड मिला था। फिल्म मोहब्बतें के बाद शमिता शेट्टी ने अगनेपंख, फरेब, जहर, बेवफाह, कैश और हरि पुत्तर जैसी फिल्मों में काम किया, लेकिन वह अपनी बड़ी बहन की तरह दर्शकों के दिलों को जीतने में कामयाब नहीं हो सकीं। धीरे-धीरे शमिता शेट्टी पर्दे से गायब होती चली गई। आखिरी बार उन्हें जी5 की वेब सीरीज ब्लैक विडो में देखा गया था। उनकी इस वेब सीरीज को भी दर्शकों को खासा प्यार नहीं मिला। शमिता शेट्टी अपने परिवार में बहन शिल्पा, मां सुंदा और जीजा राज कुंद्रा को अपना सबसे करीबी मानती हैं। शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा एक बड़े बिजनेसमैन हैं। ऐसे में जब उनकी शादी हुई तो शमिता शेट्टी ने राज कुंद्रा के जूते चुराए थे। जूते चुराई के लिए शमिता शेट्टी ने जीजा से 1 लाख रुपये की मांग रखी थी, लेकिन राज कुंद्रा ने कुल 5 हजार रुपये दिए थे। इस बात का खुलासा खुद शिल्पा शेट्टी, राज कुंद्रा और शमिता शेट्टी ने कपिल शर्मा के शो में किया था। शमिता शेट्टी फिल्मों के अलावा टीवी शोज में भी नजर आ चुकी है। कंटेस्टेंट के रूप में हिस्सा लिया। हालांकि, उन्हें कुछ दिनों बाद किसी वजह से शो छोड़ना पड़ा। जिसके बाद शमिता शेट्टी डांसिंग शो झलक दिखला जा में भी नजर आईं। वह पिछले साल बिग बॉस ओटीटी का हिस्सा बनीं। शमिता शेट्टी ने भले यह शो न जीता हो, लेकिन उन्हें एक पार्टनर के तौर राकेश बापट मिला। बीते दिनों उन्होंने बिग बॉस 15 में भी हिस्सा लिया, लेकिन वह इस शो को जीत नहीं सकीं।

कार्तिक आर्यन को फिर से हुआ प्यार, पहली बार सोशल मीडिया पर शेयर की तस्वीर

नई दिल्ली। धमाका एक्टर कार्तिक आर्यन ने बहुत ही कम समय में फिल्म जगत में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। उनकी लड़कियों की एक अच्छी खासी प्रशंसकों की लिस्ट है। वह अपनी फिल्मों के साथ-साथ अपनी लव लाइफ को लेकर भी अक्सर सुर्खियों में बने रहते हैं। हालांकि अब तक अपने रिश्ते पर कभी खुलकर बात न करने वाले कार्तिक आर्यन ने बताया कि उन्हें एक बार फिर से प्यार मिल गया है। इस बार कार्तिक ने पहली बार अपने प्यार की तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर की और अपने प्यार का इजहार किया। प्यार का पंचनामा एक्टर कार्तिक आर्यन ने अपने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर पोस्ट की है। लेकिन हम आपको बता दें कि कार्तिक को किसी लड़की लड़की से नहीं बल्कि एक बहुत ही प्यारे से पप्पी से हुआ है। जिसके साथ उन्होंने सोशल मीडिया पर खेलते हुए तस्वीर पोस्ट की। कार्तिक आर्यन ने इस तस्वीर को शेयर करते हुए लिखा, 'कटोरी, मुझे फिर से प्यार हो गया है'। इस तस्वीर में कार्तिक आर्यन पीच हुडी में बहुत ही हैंडसम लग रहे हैं। कार्तिक आर्यन की ये तस्वीर उनके फैंस के साथ-साथ कई सितारों को भी खूब पसंद आई। कार्तिक आर्यन की कटोरी के साथ खेलते हुए यह तस्वीर सितारों को काफी पसंद आई और उन्होंने इस पर कमेंट किया। रकुल प्रीत सिंह ने कमेंट करते हुए लिखा, 'कटोरी बहुत ही प्यारा नाम है'।

क्रिएटर्स राज एंड डीके की राजकुमार राव स्टारर वेब सीरीज को मिला टाइटल

नई दिल्ली अमेजन प्राइम वीडियो की बेहद कामयाब सीरीज द फैमिली मैन के दो सीजनों के क्रिएटर्स निर्देशक जोड़ी राज एंड डीके अब नेटफ्लिक्स के साथ एक नई वेब सीरीज लेकर आ रहे हैं। इस सीरीज की जानकारी हाल ही में राजकुमार राव ने सोशल मीडिया के जरिए दी थी। उन्होंने राज एंड डीके के साथ एक फोटो शेयर करके लिखा था कि वो एक नया प्रोजेक्ट शुरू कर रहे हैं। अब इस प्रोजेक्ट की विस्तृत जानकारी सामने आयी है। राजकुमार राज एंड डीके के साथ वेब सीरीज शुरू कर रहे हैं, जिसका टाइटल गंस एंड गुलाब्स (उर्ल्हें ह् उर्ल्ते) है। यह एक रोमांटिक क्राइम स्टोरी है, जो नेटफ्लिक्स पर आएगी। सीरीज की कहानी नब्बे के दौर में स्थापित की गयी है और उस दौर के रोमांस और मोहब्बत की मासूमियत को अपराध की पृष्ठभूमि में दिखाएगी। हमारी इंडी फिल्म सिनेमा बंदी नेटफ्लिक्स पर आयी थी।

'नागिन 6' की दस्तक के बीच खबरों में एकता कपूर का नया रिएलिटी शो, कंगना रनोट के होस्ट करने की चर्चा

नई दिल्ली । एकता कपूर ने अपने टीवी धारावाहिकों के जरिए फिक्शन शोज की दुनिया में कई प्रयोग किये हैं। इसी प्रयोग का परिणाम नागिन है, जो आज एक सफल फ्रेंचाइजी बन चुका है और अब इसका छठा सीजन नागिन 6 कलर्स पर ऑन एयर जाने के लिए तैयार है। इस शो में बिग बॉस 15 की विजेता तेजस्वी प्रकाश नागिन के मुख्य किरदार में नजर आएंगी। नागिन 6 की खबरों के बीच एकता कपूर अब एक रिएलिटी शो का एलान करने वाली हैं, जिसकी चर्चा इस वक्त सोशल मीडिया में जोरों पर है। एकता की ओर से अभी तक शो की जानकारी नहीं दी गयी है, मगर इसके फॉर्मेट और होस्ट को लेकर तमाम चर्चाएं चल रही हैं। आधिकारिक जानकारी बस इतनी है कि यह रिएलिटी शो डिजिटल प्लेटफॉर्म्स ऑल्ट बालाजी और एमएक्स प्लेयर पर रिलीज होगा। यह ओटीटी स्पेस में सबसे बड़ा और फियरलेस यानी दुस्साहसी रिएलिटी शो होगा। जब से एकता के इस शो के एलान की सूचना आयी है, तब से रिपोर्ट्स में इसको लेकर तरह-तरह के दावे किये जा रहे हैं। बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के मानें तो यह शो बिग बॉस की तर्ज पर होगा, जिसे कंगना रनोट होस्ट करेंगी। शो में लोगों को 8-10 हफ्तों के लिए एक निश्चित जगह पर बंद कर दिया जाएगा। कैमरों की निरंतर निगरानी में उनसे टास्क कराये जाएंगे।

श्रीदेवी की बेटी जाह्नवी कपूर की बोल्ड सेल्फी ने बढाया इंटरनेट पर का पारा, तस्वीर देख बढ़ी फैंस की धड़कनें

नई दिल्ली।: बॉलीवुड एक्ट्रेस श्रीदेवी की बेटी जाह्नवी कपूर इंडस्ट्री की फेमस स्टार किड्स में से एक हैं। जाह्नवी ने बेहद ही कम वक्त में इंडस्ट्री में अपनी खास पहचान बनाई है। फिल्म 'धड़क' से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली जाह्नवी न सिर्फ अपनी ?एक्टिंग बल्कि अपनी ड्रेसिंग सेंस के लिए भी चर्चा में रही हैं। वह अक्सर ही अपनी हॉट एंड बोल्ड तस्वीरें पोस्ट कर फैंस को दीवाना बनाती हैं। इसी बीच जाह्नवी ने अपनी एक बेहद बोल्ड तस्वीर शेयर कर इंटरनेट पर आग लगा दी है। इस तस्वीर में कुछ ऐसा कैप्चर हुआ जिसे देखकर फैंस उन्हें ट्रोल कर रहे हैं। यहां देखें तस्वीर...जाह्नवी कपूर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपना एक लेटेस्ट बोल्ड तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में वह ब्लैक कलर के बोल्ड ऑफ शोल्डर ड्रेस में नजर आ रही हैं। आप देख सकते हैं कि वह मिरर के सामने अपनी सेल्फी लेती नजर आ रही हैं। वहीं उनकी इस ड्रेस का गला आगे से काफी ज्यादा डीप होता है जिसकी वजह से जाह्नवी का ऊप्स मोमेंट कैप्चर हो जाता है। इसी वजह से उन्हें सोशल मीडिया पर जमकर ट्रोल किया जा रहा है। वहीं इस दौरान जाह्नवी के बाल ओपन हैं। वहीं तस्वीर में एक्ट्रेस के बैकग्राउंड में उनकी ड्रेसेज और फुटवियर के कलेक्शन नजर आ रहे हैं। इस दौरान उनके पोज देने का अंदाज फैंस के बीच चर्चा में बना हुआ है। जाह्नवी कपूर की इस तस्वीर को सोशल मीडिया पर जहां काफी पसंद कर रहे हैं। वहीं कई उन्हें ट्रोल करते नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर पर कमेंट करते हुए एक यूजर ने लिखा, 'दिन पर दिन तुम बहुत हॉट होती जा रही हो।' तो वहीं कई लोगों ने उन्हें सही से कपड़े पहनने की बात भी कही है। इस तस्वीर को अबतक काफी बार देखा जा चुका है।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website: www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।